



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 41] नई दिल्ली, शनिवार, अक्टूबर 11, 1980 (आश्विन 19, 1902)

No. 41] NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 11, 1980 (ASVINA 19, 1902)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं
[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

प्रवर्तन निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 10 सितम्बर 1980

बिदेशी मुद्रा विनियमन अधिनियम

सं० ए० 35014/2/80-प्रशा०-II—इस कार्यालय की सम-संख्यक अधिसूचना दिनांक 21-6-1980 के अधिक्रमण में महालेखाकार, उड़ीसा के लेखा अधिकारी श्री बी० रामचन्द्रन को 13-7-1980 से एक वर्ष की अतिरिक्त अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में लेखा अधिकारी के पद पर प्रतिनियुक्ति पर कार्य करते रहने की अनुमति प्रदान की गई है। श्री रामचन्द्रन उपर्युक्त अवधि के दौरान कोई प्रतिनियुक्ति (ड्यूटी) भत्ता प्राप्त करने के हकदार नहीं होंगे।

एस० सी० जैन
अनुभाग अधिकारी
[हृते सचिव
संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110003, दिनांक 30 अगस्त 1980

सं० ए०-11/12/80—श्री बी० आर० दलवी, सहायक प्रवर्तन अधिकारी, निदेशालय, प्रवर्तन बम्बई क्षेत्रीय कार्यालय को प्रवर्तन निदेशालय, बम्बई क्षेत्रीय कार्यालय में दिनांक 31-7-80 (अपराह्न) से अगले आदेशों तक के लिए प्रवर्तन अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया जाता है।

डी० सी० मण्डल
उप-निदेशक (प्रशासन)

गृह मंत्रालय

बैंक नोट मुद्रणालय

नई दिल्ली, दिनांक 19 सितम्बर 1980

देवास, दिनांक 2 सितम्बर 1980

I

सं० एफ०-2/33/80-इस्ट (सी० आर० पी० एफ०) (पर्स-IV) — राष्ट्रपति, भारत-सिब्बल सीमा पुलिस के महानिरीक्षक, श्री आर० एन० शिवपुरी, आई० पी० एस० (यू० पी० 1948) को 3 सितम्बर, 1980 के अपराह्न से अगले आदेशों तक, अपने वर्तमान कार्यभार के अतिरिक्त केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के महानिदेशक के पद का कार्यभार ग्रहण करने के लिए नियुक्त करते हैं।

II

श्री बीरबल नाथ, आई० पी० एस० (पंजाब 1950) ने श्री आर० एन० शिवपुरी द्वारा कार्यभार से मुक्त किए जाने पर 3 सितम्बर, 1980 के अपराह्न से केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के महानिदेशक के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

नरेन्द्र प्रसाद
निदेशक

सं० व० प० राष्ट्रीय पुलिस अकादमी

हैदराबाद, दिनांक 19 सितम्बर 1980

सं० 15014/77-स्थापना—भारत सरकार की सेवा में अपनी प्रतिनियुक्ति की अवधि की समाप्ति के फलस्वरूप, श्री प्रताप सिंह, भा० पु० से० (एस० पी० एस०-आ० प्र०) ने, सं० व० प० राष्ट्रीय पुलिस अकादमी, हैदराबाद के सहायक निदेशक का कार्यभार दिनांक 15-9-1980 के अपराह्न को छोड़ा।

बी० के० राय
निदेशक

वित्त मंत्रालय

प्रतिभूति कागज कारखाना

होशंगाबाद, दिनांक 12 सितम्बर 1980

सं० 7(53)/6013—इस कार्यालय के दिनांक 24/6/80 की अधिसूचना क्रमांक ई०/1/3268 के तारतम्य में श्री बी० आर० बरभैया, फोरमैन (विद्युत) की तदर्थ रूप से की गई नियुक्ति 31/12/1980 अथवा जब तक यह पद नियमित रूप से नहीं भर लिया जाय, इनमें से जो भी पहले हो, तक के लिए बढ़ाई जाती है।

म० रा० पाठक,
अज्ञाप्रबन्धक

सं० बी० एन० पी०/सी०/5/80—इस कार्यालय की सम-संख्यक अधिसूचना दिनांक 30-7-80 के अनुक्रम में निम्न-लिखित अधिकारियों की तदर्थ नियुक्तियों की अवधि उनके नाम के सम्मुख दर्शायी गई तिथि तक अथवा पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, जो भी पहले हो, बढ़ाई जाती है:—

क्र० सं०	नाम	पद जिस पर तदर्थ नियुक्ति की गई	दिनांक जब तक तदर्थ नियुक्ति बढ़ाई गई
सर्वश्री			
1.	एम० पोशुपुराई	तकनीकी अधिकारी (मुद्रण व प्लेट निर्माण)	30-9-80
2.	डी० आर० कोंडावर	—यथा—	—यथा—
3.	वाई० जनार्दन राव	—यथा—	—यथा—
4.	समरेन्द्र दास	—यथा—	—यथा—
5.	राम पाल सिंह	—यथा—	—यथा—
6.	वी० वैक्टरमणी	—यथा—	—यथा—
7.	एन० आर० जयरामन	—यथा—	21-8-80
8.	मृदुल दत्ता	तकनीकी अधि-कारी (अभिकल्पन एवं उत्कीर्णन)	30-9-80

मु० वी० चार,
उप महाप्रबन्धक

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग

कार्यालय : निदेशक लेखापरीक्षा, केन्द्रीय राजस्व

नई दिल्ली, दिनांक 5 सितम्बर, 1980

सं० प्रशासन-1/का०आ०-5-6/79-80/276—निदेशक लेखा परीक्षा, केन्द्रीय राजस्व आगे आदेश होने तक, इस कार्यालय के निम्नलिखित स्थायी अनुभाग अधिकारियों को, उनके

सामने लिखित तिथि से स्थानापन्न रूप में लेखापरीक्षा अधिकारी के पद पर नियुक्त करते हैं:—

महालेखाकार, गुजरात का कार्यालय
अहमदाबाद, दिनांक 12 सितम्बर 1980

क्र० सं०	नाम	पद पर नियुक्ति की तिथि
	सर्वश्री	
1.	ज्ञान चन्द जैन (प्रतिनियुक्ति पर)	पदोन्नति इन के प्रतिनियुक्ति से इस कार्यालय में वापस आने की तिथि से की जाएगी।
2.	पी० एस० गम्भीर (प्रतिनियुक्ति पर)	
3.	पी० डी० अग्रवाल (प्रतिनियुक्ति पर)	
4.	आर० सी० बल्ला	4-9-1980 (अप्रराह्न)

सं० स्था०(क)/जी० ओ०/1046—महालेखाकार गुजरात के अधीन लेखा-सेवा के स्थायी सदस्यों को उनकी नामावली के सामने दर्शाए गए दिनांक से लेकर अगला आदेश मिलने तक महालेखाकार गुजरात के कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के रूप में नियुक्ति देने की कृपा की है।

1. श्री आर० पार्थसारथि—30-8-1980 (पूर्वाह्न)
2. श्री के० वेंकटरामन— " "

उपर्युक्त पदोन्नतियां तदर्थ आधार पर और 1980 के विशेष दीवानी (सिविल) आवेदन पत्र संख्या 735 में गुजरात उच्च न्यायालय के अंतिम आदेशों की प्रप्ति की शर्तों पर की जाती है।

विष्णु सहाय
संयुक्त निदेशक लेखापरीक्षा (प्रशासन)

अ० कृष्ण राव
उप महालेखाकार (प्रशासन)
महालेखाकार गुजरात, अहमदाबाद

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महानियंत्रक

नई दिल्ली-110022, दिनांक 19 सितम्बर 1980

सं० 23012/80/प्रशा०-II—रक्षा लेखा महा नियंत्रक, निम्नलिखित, स्थायी अनुभाग अधिकारियों (लेखा) को प्रत्येक के नाम के सामने दर्शाई गई तिथि के पूर्वाह्न से, मूल पदधारी लेखाधिकारियों के रूप में नियुक्त करते हैं:—

क्र० सं०	नाम	संगठन जहां सेवारत हैं	तारीख
1	2	3	4
1.	श्री महेन्द्र सिंह	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ	10-1-77
2.	श्री राम कृष्ण शर्मा	लेखा नियंत्रक (फैक्ट्रीज), कलकत्ता	11-1-77
3.	श्री एम० बाला सुब्रमनियम	रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान, मेरठ	1-1-80
4.	श्री सत्य प्रकाश सोनी	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान मेरठ	1-1-80
5.	श्री एल० सी० सचदेवा	रक्षा लेखा नियंत्रक, उत्तरी कमान, जम्मू	1-1-80
6.	श्री एच० एस० हरिहरन	रक्षा लेखा नियंत्रक, नौ सेना, बम्बई	1-1-80
7.	श्री एस० अरुणाचलम	रक्षा लेखा नियंत्रक, अफसर पूणे	1-1-80
8.	श्री एल० एस० नारायणन	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) दक्षिण, मद्रास	1-1-80
9.	श्री एच० एस० कोहली	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) उत्तर, मेरठ	1-1-80
10.	श्री जे० डी० मेहर	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक), उत्तर, मेरठ	1-1-80
11.	पी० एम० जान	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) दक्षिण, मद्रास	1-1-80
12.	श्री धनरा राम कालरा	रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान, मेरठ	1-1-80
13.	श्री निर्मलचन्द चड्ढा	रक्षा लेखा नियंत्रक, वायु सेना, देहरादून	1-1-80

1	2	3	4
14.	श्री मंजीत सिंह चौहान	रक्षा लेखा नियंत्रक, पेंशन, इलाहाबाद	1-1-80
15.	श्री एम० पी० शर्मा	रक्षा लेखा संयुक्त नियंत्रक, निधि, मेरठ	1-1-80
16.	श्री के० बी० लहरी	रक्षा लेखा नियंत्रक, वायुसेना, देहरादून	1-1-80
17.	श्री डी० डी० शर्मा	रक्षा लेखा नियंत्रक, पेंशन, इलाहाबाद	1-1-80
18.	श्री बी० एन० दाते	रक्षा लेखा नियंत्रक अफसर, पुणे	1-1-80
19.	श्री ए० एस० नरसिम्हन	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पुणे	1-1-80
20.	श्री सुरेश चन्द्र गांधी	लेखा नियंत्रक, फैक्टरीज, कलकत्ता	1-1-80
21.	श्री राम चरण मेहता	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ	1-1-80
22.	श्री जे० बी० चम्पानेरिया	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पुणे	1-1-80
23.	श्री एस० पोर्लैया	रक्षा लेखा नियंत्रक अफसर, पुणे	1-1-80
24.	श्री मदन मोहन	रक्षा लेखा नियंत्रक, वायु सेना, देहरादून	1-1-80
25.	श्री के० सी० निरालिया	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना	1-1-80
26.	श्री रतिराम	रक्षा लेखा महा नियंत्रक, नई दिल्ली	1-1-80
27.	श्री महेन्द्र सिंह	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) उत्तर मेरठ	1-1-80
28.	श्री जगन्नाथ	रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान, मेरठ	1-1-80
29.	श्री अमृत लाल पुरी	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना	1-1-80
30.	श्री पुरुषोत्तम लाल भाटिया	रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्यकमान, मेरठ	1-1-80
31.	श्री जी० एस० रामचन्द्रन	रक्षा लेखा संयुक्त नियंत्रक, निधि, मेरठ	1-1-80
32.	श्री सन्तराम सयाल	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) उत्तर, मेरठ	1-1-80
33.	श्री सत्य देव शर्मा	रक्षा लेखा संयुक्त नियंत्रक, निधि, मेरठ	1-1-80
34.	श्री ओम प्रकाश बोहरा	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ	1-1-80
35.	श्री एस० जानकी रामन	रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान, मेरठ	1-1-80
36.	श्री धर्मपाल लूथरा	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी मेरठ	1-1-80
37.	श्री टी० के० रामानाथन	रक्षा लेखा नियंत्रक, (अन्य रैंक) दक्षिण, मद्रास	1-1-80
38.	श्री के० टी० रामानुजाचारी	रक्षा लेखा नियंत्रक, पेंशन, इलाहाबाद	1-1-80
39.	श्री बी० जी० दातार	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना	1-1-80
40.	श्री एस० डी० शर्मा	रक्षा लेखा नियंत्रक, पेंशन, इलाहाबाद	1-1-80
41.	श्री के० बी० रामानत	लेखा नियंत्रक, फैक्टरीज, कलकत्ता	1-1-80
42.	श्री टी० एस० माधवन	रक्षा लेखा नियंत्रक, वायुसेना, देहरादून	1-1-80
43.	श्री पूरण सिंह बेदी	लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) उत्तर, मेरठ	1-1-80
44.	श्री पी० एम० एस० सुब्बा राव	लेखा नियंत्रक, फैक्टरीज, कलकत्ता	1-1-80
45.	श्री एम० आर० रामानाथन	लेखा नियंत्रक, फैक्टरीज, कलकत्ता	1-1-80
46.	श्री आर० एम० जोशी	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिण कमान, पुणे	1-1-80
47.	श्री सुरेन्द्र मोहन मलहोत्रा	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ	1-1-80
48.	श्री एस० आर० खान	लेखा नियंत्रक, फैक्टरीज, कलकत्ता	1-1-80

1	2	3	4
49.	श्री बी० वी० बारगांवकर	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पुणे	1-1-80
50.	श्री ए० के० राहा	लेखा नियंत्रक, फैक्टरीज, कलकत्ता	1-1-80
51.	श्री एस० के० लहरी	रक्षा लेखा नियंत्रक, पेंशन, इलाहाबाद	1-1-80
52.	श्री बी० एन० सरन	रक्षा लेखा नियंत्रक, वायु सेना, देहरादून	1-1-80
53.	श्री पी० के० नारायणस्वामी	रक्षा लेखा नियंत्रक, अफसर, पुणे	1-1-80
54.	श्री पी० आर० रामासुब्बू	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) दक्षिण मद्रास	1-1-80
55.	श्री वी० एस० वैद्य	लेखा नियंत्रक, फैक्टरीज, कलकत्ता	1-1-80
56.	श्री डी० सी० जॉन	रक्षा लेखा नियंत्रक, अफसर, पुणे	1-1-80
57.	श्री वी० एस० अंडाले	लेखा नियंत्रक, फैक्टरीज, कलकत्ता	1-1-80
58.	श्री एस० रानू	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिण मद्रास	1-1-80
59.	श्री ब्रह्म स्वरूप	रक्षा लेखा नियंत्रक, पेंशन, इलाहाबाद	1-1-80
60.	श्री पी० अन्ना जी० राय	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) दक्षिण मद्रास	1-1-80
61.	श्री अरुण कुमार बसु	लेखा नियंत्रक, फैक्टरीज, कलकत्ता	1-1-80
62.	श्री एच० सी० अग्रवाल	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ	1-1-80
63.	श्री एस० एम० कुमार	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना	1-1-80
64.	केदार नाथ अग्रवाल	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) उत्तर मेरठ	1-1-80
65.	श्री ए० नटराजन	रक्षा लेखा नियंत्रक, फैक्टरीज, कलकत्ता	1-1-80
66.	श्री बिहारी लाल कपिला	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) उत्तर मेरठ	1-1-80
67.	श्री ओंकार दत्त शर्मा	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) उत्तर, मेरठ	1-1-80
68.	श्री आर० सुब्रामनियन	लेखा नियंत्रक, फैक्टरीज, कलकत्ता	1-1-80
69.	श्री वी० शेषाद्रि	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ	1-1-80
70.	श्री जी० विश्वनाथन	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पुणे	1-1-80
71.	श्री रामजित राय	लेखा नियंत्रक, पेंशन, इलाहाबाद	1-1-80
72.	श्री नित्यानन्द मुखर्जी	लेखा नियंत्रक, फैक्टरीज, कलकत्ता	1-1-80
73.	श्री एस० बी० करमरकर	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना	1-1-80
74.	श्री राम कृष्ण शर्मा	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) उत्तर, मेरठ	1-1-80
75.	श्री राजकुमार कपूर	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) उत्तर, मेरठ	1-1-80
76.	श्री श्री मोंघेराम नागपाल	रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान, मेरठ	1-1-80
77.	श्री आर० रंगाराजन	रक्षा लेखा नियंत्रक, वायु सेना, देहरादून	1-1-80
78.	श्री जी० एल० मेहता	रक्षा लेखा नियंत्रक, वायु सेना, देहरादून	1-1-80
79.	श्री सदानन्द	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) उत्तर, मेरठ	1-1-80
80.	श्री आई० आर० त्रिवेदी	रक्षा लेखा नियंत्रक, पेंशन, इलाहाबाद	1-1-80
81.	श्री एन० आर० मालगी	रक्षा लेखा नियंत्रक, अफसर, पुणे	1-1-80
82.	श्री एस० स्वामीनाथन	रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान, मेरठ	1-1-80
83.	श्री पी० वी० चौधरी	लेखा नियंत्रक, फैक्टरीज, कलकत्ता	1-1-80

1	2	3	4
84.	श्री प्रीतम दास खन्ना	रक्षा लेखा संयुक्त नियंत्रक, (निधि) मेरठ	1-1-80
85.	श्री एम० सिसिल यशूदियन	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पुणे	1-1-80
86.	श्री ओम प्रकाश शर्मा	रक्षा लेखा महानियंत्रक, नई दिल्ली	1-1-80
87.	श्री रेशम सिंह	रक्षा लेखा नियंत्रक, पेंशन, इलाहाबाद	1-1-80
88.	श्री एम० विदाम्बर राव	रक्षा लेखा नियंत्रक दक्षिणी कमान, पुणे	1-1-80
89.	श्री ओम प्रकाश शुभ	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ	1-1-80
90.	श्री एम० के० एस० एस० राव	रक्षा लेखा नियंत्रक, (अन्य रैंक) उत्तर, मेरठ	1-1-80
91.	श्री पी० आर० सारंगपाणि	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिण मद्रास	1-1-80
92.	श्री खेमराज	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ	1-1-80
93.	श्री जी० राम चन्द्रन	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना	1-1-80
94.	श्री के० बी० मेनन	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) दक्षिण, मद्रास	1-1-80
95.	श्री एम० एल० मुखर्जी	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना	1-1-80
96.	श्री सन्तोष कुमार मुखर्जी	लेखा नियंत्रक, फैक्टरीज, कलकत्ता	1-1-80
97.	श्री० वी० पट्टाभिरामन	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य श्रेणी) दक्षिण, मद्रास	1-1-80
98.	श्री एन० के० श्रीवास्तव	रक्षा लेखा नियंत्रक, अफसर, पुणे	1-1-80
99.	श्री एस० के० बेरी	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ	1-1-80
100.	श्री जे० बी० सक्सेना	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) उत्तर, मेरठ	1-1-80
101.	श्री के० चन्द्र शेखरन पिल्लै	रक्षा लेखा नियंत्रक, अफसर, पुणे	1-1-80
102.	श्री डी० आर० मिड्डा	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ	1-1-80
103.	श्री एम० आर० रजवाड़े	लेखा नियंत्रक फैक्टरीज, कलकत्ता	1-1-80
104.	श्री एम० के० मल्होत्रा	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक), उत्तर, मेरठ	1-1-80
105.	श्री मदन मोहन पोपली	रक्षा लेखा संयुक्त नियंत्रक (निधि), मेरठ	1-1-80
106.	श्री जी० सी० हसीजा	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान मेरठ	1-1-80
107.	श्री आर० एन० दत्ता	रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान, मेरठ	1-1-80
108.	श्री एस० नागामुन्नामनियम	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) दक्षिण, मद्रास	1-1-80
109.	श्री बी० एम० सरकार	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना	1-1-80
110.	श्री सी० एम० मुन्नामनियम	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) दक्षिण मद्रास	1-1-80
111.	श्री एन० एल० सेन गुप्ता	लेखा नियंत्रक, फैक्टरीज, कलकत्ता	1-1-80
112.	श्री जगन्नाथ बेदी	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) उत्तर, मेरठ	1-1-80
113.	श्री एम० पी० तरडे	रक्षा लेखा नियंत्रक, नौ सेना, बम्बई	1-1-80
114.	श्री ए० आर० मेहरा	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) दक्षिण मद्रास	1-1-80
115.	श्री बी० एस० अर्जुन वाडकर	रक्षा लेखा नियंत्रक, अफसर पुणे	1-1-80
116.	श्री आर० एन० पठाकर	रक्षा लेखा नियंत्रक, नौ सेना, बम्बई	1-1-80
117.	श्री वी० एन० तिलक	रक्षा लेखा नियंत्रक, वायु सेना, देहरादून	1-1-80
118.	श्री के० गणेशन	रक्षा लेखा नियंत्रक (न्यू रैंक) दक्षिण मद्रास	1-1-80

1	2	3	4
119.	श्री करतार सिंह	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) उत्तर, मेरठ	1-1-80
120.	श्री राम शरण	रक्षा लेखा नियंत्रक, (अन्य रैंक) उत्तर, मेरठ	1-1-80
121.	श्री डी० आर० शर्मा	रक्षा लेखा नियंत्रक, वायु सेना, देहरादून	1-1-80
122.	श्री काली प्रसन्न सेन	लेखा नियंत्रक फैंक्टरीज, कलकत्ता	1-1-80
123.	श्री बी० जी० रानाडे	रक्षा लेखा नियंत्रक, अफसर, पुणे	1-1-80
124.	श्री राम किशोरी	रक्षा लेखा नियंत्रक, पेंशन, इलाहाबाद	1-1-80
125.	श्री जसवन्त सिंह	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक), उत्तर मेरठ	1-1-80
126.	श्री डी० पी० कुलकर्णी	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिण, मद्रास	1-1-80
127.	श्री गुरु बचन सिंह	रक्षा लेखा नियंत्रक, वायु सेना, देहरादून	1-1-80
128.	श्री दलीप सिंह बेवाली	रक्षा लेखा नियंत्रक, पेंशन, इलाहाबाद	1-1-80
129.	श्री आई० जे० भाटिया	रक्षा लेखा नियंत्रक, वायु सेना, देहरादून	1-1-80
130.	पी० संजीवरायलू	रक्षा लेखा नियंत्रक, अफसर पुणे	1-1-80
131.	श्री एल० आर० बालूटकर	रक्षा लेखा नियंत्रक, अफसर, पुणे	1-1-80
132.	श्री जे० एन० बी० नरसिंह राव	रक्षा लेखा नियंत्रक, वायु सेना, देहरादून	1-1-80
133.	श्री जे० सुब्बाराव	लेखा नियंत्रक, फैंक्टरीज, कलकत्ता	1-1-80
134.	इन्दर कुमार कपिला	रक्षा लेखा नियंत्रक, नौ सेना, बम्बई	1-1-80
135.	श्री के० सी० डले	रक्षा लेखा नियंत्रक, (अन्य श्रेणी) मद्रास	1-1-80
136.	श्री के० आई० गोविन्दन कुट्टिनायर	रक्षा लेखा नियंत्रक, नौ सेना, बम्बई	1-1-80
137.	श्री धनराज नारंग	रक्षा लेखा नियंत्रक, पेंशन, इलाहाबाद	1-1-80
138.	श्री एस० विश्वास	रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान मेरठ	1-1-80
139.	श्री मोहम्मद मुमताज अहमद	रक्षा लेखा नियंत्रक, पेंशन, इलाहाबाद	1-1-80
140.	श्री विजय पाल सिंह यादव	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना	1-1-80
141.	श्री एस० बी० एस० चौहान	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना	1-1-80
142.	श्री आर० देव सिंगामनी	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना	1-1-80
143.	श्री के० बी० जोसफ	रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान, मेरठ	1-1-80
144.	श्री एस० सेवगिरी राव	रक्षा लेखा नियंत्रक, नौ सेना, बम्बई	1-1-80
145.	श्री एम० एस० वेंकटरामन	रक्षा लेखा नियंत्रक, अन्य रैंक, दक्षिण, मद्रास	1-1-80
146.	श्री के० बी० सुब्रमणियम	रक्षा लेखा नियंत्रक, अन्य रैंक, दक्षिण, मद्रास	1-1-80
147.	श्री आर० सी० सच्चदेव	रक्षा लेखा नियंत्रक, अन्य रैंक, उत्तर, मेरठ	1-1-80
148.	श्री बी० वी० कुलकर्णी	रक्षा लेखा नियंत्रक, अफसर, पुणे	1-1-80
149.	श्री के० एम० रंगस्वामी	रक्षा लेखा नियंत्रक, अन्य रैंक, दक्षिण, मद्रास	1-1-80
150.	श्री के० वेंकटसुब्रमनियम	रक्षा लेखा नियंत्रक, अन्य रैंक, दक्षिण, मद्रास	1-1-80
151.	श्री बी० एस० निवालकर	लेखा नियंत्रक, फैंक्टरीज, कलकत्ता	1-1-80

1	2	3	4
152.	श्री एन० श्री निवासन-II	रक्षा लेखा नियंत्रक, पेंशन, इलाहाबाद	1-1-80
153.	श्री पी० श्री० वेंकटेश्वरन	रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्यम कमान, मेरठ	1-1-80
154.	श्री किशन लाल बुझी	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना	1-1-80
155.	श्री टी० बी० वासुदेवन	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिण कमान, पुणे	1-1-80
156.	श्री सीताराम बंसल	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना	1-1-80
157.	श्री पी० एस० रामन	रक्षा लेखा नियंत्रक, अन्य रैंक, दक्षिण, मद्रास	1-1-80
158.	श्री एन० आर० नवीनतम	लेखा नियंत्रक, फैक्टरीज, कलकत्ता	1-1-80
159.	श्री बाई० सत्यानारायणा	रक्षा लेखा नियंत्रक, वायु सेना, देहरादून	1-1-80
160.	श्री बी० ए० बेलुहे	रक्षा लेखा नियंत्रक, अफसर, पुणे	1-1-80
161.	श्री रवीन्द्र कुमार	रक्षा लेखा नियंत्रक, पेंशन, इलाहाबाद	1-1-80
162.	श्री बासु देब	रक्षा लेखा नियंत्रक, वायु सेना, देहरादून	1-1-80
163.	श्री टी० के० चटर्जी	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना	1-1-80
164.	श्री टी० सी० पाण्डेय	रक्षा लेखा नियंत्रक, अन्य रैंक, उत्तर, मेरठ	1-1-80
165.	श्री जी० पी० स्वामीनाथन	लेखा नियंत्रक, फैक्टरीज, कलकत्ता	1-1-80
166.	श्री टी० आर० कृष्णामूर्ति	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पुणे	1-1-80
167.	श्री जियालाल बसु	रक्षा लेखा नियंत्रक, उत्तरी कमान, जम्मू	1-1-80
168.	श्री राम नाथ गुप्ता	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ	1-1-80
169.	श्री एस० बी० जोष	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना	1-1-80
170.	श्री कृपा राम	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ	1-1-80
171.	श्री रूमासंकर	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना	1-1-80
172.	श्री तेजपाल सिंह हरीत	रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान, मेरठ	1-1-80
173.	श्री शिव प्रसाद धुसिमा	रक्षा लेखा नियंत्रक, वायु सेना, देहरादून	1-1-80
174.	श्री बंसी लाल	रक्षा लेखा नियंत्रक, पेंशन, इलाहाबाद	1-1-80
175.	श्री बिहारी लाल	रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान, मेरठ	1-1-80
176.	श्री बालक राम	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना	1-1-80
177.	श्री तुलसी राम	रक्षा लेखा नियंत्रक, पेंशन, इलाहाबाद	1-1-80
178.	श्री काले सिंह	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना	1-1-80
179.	श्री महाराम सिंह	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना	1-1-80
180.	श्री खचेरू बल	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना	1-1-80
181.	श्री हरि चन्द	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना	1-1-80
182.	श्री चन्द्र पाल सिंह	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना	1-1-80

आर० एल० बक्षी,
[रक्षा लेखा अपर महानियंत्रक (प्रशा०)]

रक्षा मंत्रालय

भारतीय आर्डनेन्स फैक्टरियां सेवा

आर्डनेन्स फैक्टरी बोर्ड

कलकत्ता, दिनांक 16 सितम्बर, 1980

सं० 62/80-जी०—राष्ट्रपति महोदय, श्री सनत् कुमार रथ को सहायक प्रबन्धक (परखावधि) के पद पर, दिनांक 16 जुलाई, 1979 (पूर्वाह्न) से नियुक्त करते हैं।

बी० के० महता, सहायक महानिदेशक
आर्डनेन्स फैक्टरीयां

नई दिल्ली, दिनांक 15 सितम्बर 1980

सं० 6/927/71-प्रशासन (राज०) 5514—सेवा नियुक्ति की आयु होने पर, संयुक्त मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात के कार्यालय कलकत्ता में श्री एस० एन० सेन, नियंत्रक, आयात-निर्यात ने 31 जनवरी, 1980 के अपराह्न से उसी कार्यालय में अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया।

प्र० च० भटनागर,
उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात
कृते मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

धन मंत्रालय

(धन ध्युरो)

शिमला-171004, दिनांक 14 अक्टूबर 1980

सं० 23/3/80 सी० पी० आई०—अगस्त, 1980 में औद्योगिक अमियों का अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार वर्ष 1980=100) जुलाई, 1980 के स्तर से तीन शंक बढ़ कर 397 (तीन सौ सत्तानवे) रहा है। अगस्त 1980 माह का सूचकांक आधार वर्ष 1949=100 पर परिवर्तित किए जाने पर 483 (चार सौ तिरासी) आता है।

आनन्द स्वरूप भास्कराज,
संयुक्त निदेशक

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 10 सितम्बर 1980

आयात-निर्यात व्यापार नियंत्रण
(स्थापना)

सं० 1-2-80-प्रशा० (राज०) 5478—राष्ट्रपति, श्री एम० एम० हलदर, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के अनु-भाग अधिकारी वर्ग के स्थायी अधिकारी और नियंत्रक, आयात-निर्यात को अगला आदेश होने तक, 18 फरवरी, 1980 (पूर्वाह्न) से मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात के कार्यालय, नई दिल्ली में उसी सेवा के वर्ग I में तथा उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के रूप में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

2. केन्द्रीय सचिवालय सेवा के वर्ग I में तथा उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के रूप में श्री एम० एम० हलदर की उपर्युक्त नियुक्ति श्री एस० एस० शर्मा एवं अन्य बनाम भारत संघ द्वारा उच्चतम न्यायालय में प्रस्तुत की गई 1979 की रिट याचिका नं० 626-630 के अन्तिम निर्णय के अधीन है।

3. यह आदेश इस कार्यालय की अधिसूचना सं० 1/12/80-प्रशा० (राज०)/3155, दिनांक 20 मई, 1980 का अधिक्रमण करता है।

मणि नारायण स्वामी,
मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 17 सितम्बर, 1980

सं० 12/379/63-प्रशासन (राजपत्रित)—राष्ट्रपतिजी, लघु उद्योग सेवा संस्थान, श्रीनगर के श्री पी० एम० रावल, सहायक निदेशक, ग्रेड-I (रसायन) को दिनांक 21 अगस्त, 1980 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक, विकास आयुक्त (लघु उद्योग), नई दिल्ली के कार्यालय में तदर्थ आधार पर उप निदेशक (रसायन) के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ए० 19018/87/73-प्रशा० (राज०)—राष्ट्रपतिजी, लघु उद्योग सेवा संस्थान, लुधियाना में सहायक निदेशक, ग्रेड-I (रसायन) श्री मथुरा प्रसाद को दिनांक 30 अगस्त, 1980 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक लघु उद्योग सेवा संस्थान, कानपुर में तदर्थ आधार पर उप निदेशक (रसायन) नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-19018(229)/75-प्रशा० (राज०)—खंड-II—भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली में उत्पादन अधिकारी के पद पर नियुक्ति हो जाने पर श्री एस० जी० प्रसाद ने विकास आयुक्त (लघु उद्योग), नई दिल्ली के कार्यालय में तदर्थ सहायक संपादक (हिन्दी) के पद का कार्यभार दिनांक 30 अगस्त, 1980 (पूर्वाह्न) से छोड़ दिया।

दिनांक 18 सितम्बर 1980

सं० ए० 19018/110/73-प्रशा० (राज०)—राष्ट्रपति-जी, श्री एच० श्रीनागेश्वर को दिनांक 14 अगस्त, 1980 (अपराह्न) से अगले आदेशों तक, क्षेत्रीय परीक्षण केन्द्र, बम्बई में उप निदेशक (वैद्युत) के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 19 सितम्बर, 1980

सं० ए०-19018/64/73-प्रशा० (राज०)—राष्ट्रपति जी, औद्योगिक विस्तार केन्द्र, भावनगर के श्री ए० एन० गणादा, सहायक निदेशक, ग्रेड-I (यांत्रिक) को 30 जून, 1980 पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक, शाखा लघु उद्योग सेवा संस्थान, राजकोट में तदर्थ आधार पर उप निदेशक (यांत्रिक) के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ए० 19018/435/79-प्रशा० (राज०)—राष्ट्रपतिजी श्री के० एस० नटराजन को दिनांक 21 अगस्त, 1980 (अपराह्न) से अगले आदेशों तक लघु उद्योग सेवा संस्थान, मद्रास में उप निदेशक (यांत्रिक) के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ए० 19018/485/80-प्रशा० (राज०)—राष्ट्रपतिजी, योजना आयोग, गोहाटी के श्री ए० के० नियोग, परियोजना मूल्यांकन अधिकारी, (पी० ई० ओ०) को दिनांक 20 अगस्त, 1980 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक, लघु उद्योग सेवा संस्थान, गोहाटी में उपनिदेशक (आर्थिक अन्वेषक) के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 20 सितम्बर 1980

सं० 12/450/64-प्रशासन (राज०)—राष्ट्रपति जी, स्थाई लघु उद्योग संवर्द्धन अधिकारी (वैद्युत्) एवं स्थानापन्न सहायक निदेशक, ग्रेड 1 (वैद्युत्) श्री ए० सोमसुन्दरम को दिनांक 27 अगस्त, 1980 (अपराह्न) से अगले आदेशों तक, लघु उद्योग सेवा संस्थान, मद्रास में उप निदेशक (वैद्युत्) के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-19018(III)/75-प्रशा० (राज०)—राष्ट्रपति जी, विकास आयुक्त (लघु उद्योग), नई दिल्ली के कार्यालय श्री एस० एम० अग्रवाल, सहायक निदेशक, ग्रेड 2 को दिनांक 27 अगस्त, 1980 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक, इसी कार्यालय में तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक, ग्रेड 1 (आर्थिक अन्वेषण उत्पादन सूचकांक) के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ए० 19018/420/79-प्रशासन (राज०)—अर्थ एवं सांख्यिकी निदेशालय, कृषि एवं सहकारिता विभाग, नई दिल्ली में अर्थ एवं सांख्यिकी उप सलाहकार के रूप में नियुक्ति होने पर भारतीय अर्थ सेवा के ग्रेड 3 अधिकारी श्री एम० ल० भारद्वाज ने दिनांक 8 सितम्बर, 1980 (पूर्वाह्न) से विकास आयुक्त (लघु उद्योग), नई दिल्ली के कार्यालय के उप निदेशक (आर्थिक अन्वेषण पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ए० 19018/438/79-प्रशा० (राज०)—राष्ट्रपति जी, विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय, नई दिल्ली के स्थाई लघु उद्योग संवर्द्धन अधिकारी श्री आर० एस० पाण्डे को दिनांक 18 अगस्त, 1980 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक, लघु उद्योग सेवा संस्थान, गोहाटी में सहायक निदेशक ग्रेड 1 (खाद्य/फल संरक्षण) के रूप में नियुक्त करते हैं।

महेन्द्र पाल गुप्त,
उप निदेशक (प्रशा०)

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय
(प्रशासन अनुभाग-1)

नई दिल्ली, दिनांक 11 सितम्बर 1980

सं० प्रा/1(1107)कनिष्ठ प्रगति अधिकारी के पद पर अवनति होने पर श्री जैसी राम ने 30-8-1980 के अपराह्न से

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में सहायक निदेशक (ग्रेड II) का पद भार छोड़ दिया।

सं० प्र० 1/1(1157)—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद् द्वारा निरीक्षण निदेशक मद्रास के कार्यालय में अधीक्षक श्री श्री एम० डी० कुल शेखरम को दिनांक 1-8-80 के पूर्वाह्न से उसी कार्यालय में सेवा निवृत्त सहायक निदेशक (प्रशासन) ग्रेड II श्री पाल जेतियर के स्थान पर नियमित आधार पर स्थानापन्न सहायक निदेशक (प्रशासन) (ग्रेड I) के रूप में नियुक्त करते हैं।

श्री कुलशेखरम् को 1-8-80 से दो वर्ष की अवधि के लिए परीक्षाधीन रखा जायेगा।

दिनांक 18 सितम्बर, 1980

सं० प्र०-1/1(1154)80—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान, निरीक्षण निदेशक बम्बई के कार्यालय में अधीक्षक श्री मनोहर लाल जे० ताहिल्यानी को दिनांक 28-8-80 के पूर्वाह्न से पूर्ति तथा निपटान निदेशक बम्बई के कार्यालय में सहायक निदेशक, पूर्ति ग्रेड II के रूप में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

2. श्री मनोहर लाल जे० ताहिल्यानी की सहायक निदेशक, पूर्ति (ग्रेड II) के रूप में नियुक्ति पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ आधार पर होगी और उनसे अन्यथा वरिष्ठ अधिकारियों के हक पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा और वर्तमान स्थानापन्न व्यवस्था के आधार पर भविष्य में उन्हें पदोन्नति का दावा करने का कोई हक नहीं होगा।

सं० प्र०-1/1(1156)/80—महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान एतद् द्वारा निरीक्षण निदेशक बम्बई के कार्यालय में अधीक्षक श्री टी० डी० पोटे की दिनांक 1-9-80 के पूर्वाह्न से पूर्ति निदेशक (वस्त्र) बम्बई के कार्यालय में तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक ग्रेड II के रूप में नियुक्त करते हैं।

सहायक निदेशक (ग्रेड II) के रूप में श्री पोटे की पदोन्नति पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ आधार पर होगी और उनसे अन्यथा वरिष्ठ अधिकारियों के अधिकार पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा और उन्हें वर्तमान स्थानापन्न व्यवस्था के आधार पर भविष्य में पदोन्नति का दावा करने का हक नहीं होगा।

कृष्ण किशोर,
उप निदेशक (प्रशासन)
कृते महानिदेशक

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 9 सितम्बर 1980

सं० 6652B/ए०-32014 (1-सहायक वैज्ञानिक)/78-19ए
—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक
(भूविज्ञान) श्री बी० एम० दत्त को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप
में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-
द० रो०—35-880-40-1000-द० रो०—40-1200 रु० के
वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आवेश होने तक 30
जून, 1980 के पूर्वाह्न से पवोन्नति पर नियुक्त किया जा रहा है।

बी० एस० कृष्णस्वामी,
महानिदेशक

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 12 सितम्बर 1980

सं० ए०-18012(209)/79-स्थापना ए०—डायरेक्टोरेट
जनरल आफ माइन्स सेफ्टी, धनबाद में डेप्यूटी डायरेक्टर आफ
माइन्स सेफ्टी के पद पर चुनाव होने पर भारतीय खान ब्यूरो
के श्री के० आर० रेड्डी, कनिष्ठ खनन इंजीनियर (तदर्थ आधार
पर) का नाम इस विभाग से 22-3-1980 के अपराह्न से काट
दिया है।

एस० बी० अली,
कार्यालय अध्यक्ष
भारतीय खान ब्यूरो

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग

राष्ट्रीय एटलस संस्था

कलकत्ता, दिनांक 17 सितम्बर 1980

सं० 35-2/80/स्था०—श्री एस० एस० विस्वास राष्ट्रीय
एटलस और थिमैटिक मानचित्रण संगठन में 11-9-1980
पूर्वाह्न से प्रशासनिक अधिकारी (समूह व वेतनमान रु० 650-
1200) के पद पर मौलिक रूप से नियुक्त किए जाते हैं।

एस० पी० दासगुप्त,
निदेशक

भारतीय प्राणि सर्वेक्षण विभाग

कलकत्ता-12, दिनांक सितम्बर 1980

सं० एफ० 92-170/80-स्थापना/15567—डा० विजय
कुमार बिषवास को, भारतीय प्राणि सर्वेक्षण के कलकत्ता स्थित

मुख्यालय में सहायक प्राणि वैज्ञानिक (ग्रुप 'बी' वेतनमान रु०
650-1200) के पद पर, अस्थाई आधार पर 10 सितम्बर, 1980
(पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों तक नियुक्त किया जा रहा है।

डा० के० के० तिवारी,
निदेशक
भारतीय प्राणि सर्वेक्षण

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 15 सितम्बर 1980

सं० 2/29/80-एस० दो—महानिदेशक, आकाशवाणी,
एतद्वारा श्री टी० एन० सिन्हा, मुख्य लिपिक, दूरदर्शन केन्द्र,
लखनऊ को 29-7-80 (पूर्वाह्न) से प्रशासनिक अधिकारी
तदर्थ आधार पर, आकाशवाणी, एच० पी० टी०, अलीगढ़, के पद
पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 17 सितम्बर 1980

सं० 4(43)/80-एस०-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी,
एतद्वारा श्री धीरेन्द्र कुमार राभा को आकाशवाणी, गौहाटी में
27-8-80 से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर
अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० 4(64)/80-एस०-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी,
एतद्वारा कुमारी प्रयाग वेदवती को आकाशवाणी, विजयवाड़ा
में 30-8-80 से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद
पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० 4(65)/80 एस०-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी,
एतद्वारा श्री पी० मधुसूदनराव को आकाशवाणी, हैदराबाद में
22-8-80 से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर
अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० 4(66)/80-एस०-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी,
एतद्वारा श्री बी० मिमैया को आकाशवाणी, हैदराबाद में
23-8-80 से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर
अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० 4(76)/80-एस०-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी,
एतद्वारा श्री एच० बी० कृष्णमूर्ति को आकाशवाणी, मैसूर में
30-8-80 से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर
अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० 4(78)/80-एस०-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी,
एतद्वारा श्री आर० एन० त्यागराजन को आकाशवाणी, मैसूर
में 28-8-80 से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर
अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० 4(86)/80-एस०एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री यूसुफ ए० शेख को आकाशवाणी, पणजी में 28-8-80 से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 18 सितम्बर 1980

सं० 4(30)/80-एस०एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्रीमती अर्चना राजकुमार को आकाशवाणी भोपाल में 30-8-80 से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० 4(46)/80-एस०एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्रीमती नैयर सदरुद्दीन को आकाशवाणी, भोपाल में 4-9-80 से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 22 सितम्बर 1980

सं० 4(17)/80-एस०एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री अरुण मोहन सकट को आकाशवाणी, नई दिल्ली में 30-8-80 से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० 4(39)/80-एस०एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा कु० उषा पुरी, को आकाशवाणी, नई दिल्ली में 5-9-80 से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

हरीश चन्द्र जयाल
प्रशासन उपनिदेशक
कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 18 सितम्बर 1980

सं० ए-12020/3/79-एस०-2 —लेखा महानियंत्रक कार्यालय, वित्त मंत्रालय, व्यय विभाग, नई दिल्ली के निम्न-लिखित अधिकारियों को लेखा अधिकारी के पद पर रु० 840-1200 के वेतनमान में उनके सामने दी गई तिथि से व उनके नामों के आगे उल्लिखित कार्यालयों में उन्हें दो वर्षों की अवधि हेतु प्रतिनियुक्त के आधार पर नियुक्त किया जाता है :—

क्र० सं०	नाम	कार्य ग्रहण की तारीख	कार्यालय
1	2	3	4
1.	श्री राम बाबू	14-7-80 (पूर्वाह्न)	दूरदर्शन विज्ञापन नियंत्रक का कार्यालय, नई दिल्ली।

1	2	3	4
2.	श्री ए० एल० सिंगोल	1-8-80 (पूर्वाह्न)	केन्द्र अभियन्ता का कार्यालय, केन्द्रीय क्रय एवं भंडार, दूरदर्शन, नई दिल्ली।

उपर्युक्त अधिकारियों के वेतन व भत्ते का निर्धारण वित्त मंत्रालय (व्यय विभाग), के समय-समय पर संशोधित कार्यालय आपन सं० 10(24) ई-3/60, दिनांक 4 मई, 1961 के अनुसार किया जाएगा।

सी० एल० आर्य,
उपनिदेशक प्रशासन,
कृते महानिदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 15 सितम्बर 1980

सं० ए० 19012/2/80-स्टोर-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री पी० एम० पथारे को 19 अगस्त, 1980 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक सरकारी चिकित्सा सामग्री-भण्डार डिपू बम्बई में सहायक डिप्टी मैनेजर के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

शिव दयाल
उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 16 सितम्बर 1980

सं० ए० 12023/1/80-प्रशासन-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री टी० के० एम० पिल्ले को 25 अगस्त, 1980 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक कलावती शरण बाल अस्पताल, नई दिल्ली में प्रशासन अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

सं० ए० 12026/7/77-(एन० टी० आई०)/प्रशासन-I—श्री आर० पलानीस्वामी ने 22 अगस्त, 1980 अपराह्न को राष्ट्रीय क्षयरोग संस्थान, बंगलौर से कनिष्ठ जीवाणु-विज्ञानी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

दिनांक 18 सितम्बर 1980]

सं० ए० 12025/10/79(सी० एल० टी० आर० आई०)/प्रशासन-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री पी० गोपालाकृष्णन को 1 अगस्त, 1980 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक केन्द्रीय कुष्ठ शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, चिगलपुट में प्रशासनिक अधिकारी के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

दिनांक 20 सितम्बर 1980

सं० ए० 12026/16/79-(सी० आर० आई०)/प्रशासन-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने हिमाचल प्रदेश एवं चण्डीगढ़

के महालेखापाल का कार्यालय शिमला, के अनुभाग अधिकारी श्री सोभा राम काशिव को 29 अगस्त, 1980 की पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक केन्द्रीय अनुसंधान संस्थान, कसौली में सहायक लेखा अधिकारी (कास्टिंग) के पद पर नियुक्त किया है।

शाम लाल कुठियाला
उप निदेशक प्रशासन

6. श्री आर० सेलवराज

7. श्री हरदयाल सिंह

दिनांक 16 सितम्बर 1980

सं० ए-19025/51/80-प्र०-III—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री भरत मूर्ति मेहरोत्रा को इस निदेशालय के अधीन नागपुर में तारीख 1-8-80 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग 1) के रूप में नियुक्त किया गया है।

दिनांक 17 सितम्बर 1980

ग्रामीण पुजीनिर्माण मंत्रालय

विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 15 सितम्बर 1980

सं० ए०-19023/3/78-प्र०-III—सेवा निवृत्ति की आयु पूर्ण करने पर फरीदाबाद में इस निदेशालय के विपणन अधिकारी श्री स्वदेश पाल भसीन तारीख 31-8-80 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

सं० ए०-19023/4/80-प्र०-III—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री बी० डी० शेरकर सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग I), को इस निदेशालय के अधीन नागपुर में तारीख 3-7-80 के पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न विपणन अधिकारी (वर्ग I) नियुक्त किया जाता है।

विपणन अधिकारी के रूप में नियुक्ति होने पर श्री शेरकर ने तारीख 3-7-80 के पूर्वाह्न में नागपुर में सहायक विपणन अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

सं० ए-19025/25/80-प्र०-III—विभागीय पदोन्नति समिति (वर्ग "ब") की संस्तुतियों के अनुसार श्री बी० एल० माथुर वरिष्ठ निरीक्षक को इस निदेशालय के अधीन खण्डवा में तारीख 14-8-80 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग I) नियुक्त किया गया है।

सं० ए-19025/32/80-प्र०- —विभागीय पदोन्नति समिति (वर्ग ब) की सिफारिशों के अनुसार निम्नलिखित अधिकारियों को तारीख 11-8-80 से अगले आदेश होने तक नियमित आधार पर स्थानापन्न सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग 1) के रूप में नियुक्त किया गया है :—

1. श्री बी० बी० पाटिल
2. श्री सी० बी० सिंह
3. श्री एन० जी० मणि
4. श्री अब्दुल रहीम
5. श्री टी० वेकटेश्वरलु

सं० ए-19025/38/80-प्र०-III—विभागीय पदोन्नति समिति (वर्ग ब) की सिफारिशों के अनुसार निम्नलिखित अधिकारियों को, जो तबर्ध आधार पर स्थानापन्न सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग 1) के रूप में काम कर रहे हैं, तारीख 9-8-80 से अगले आदेश होने तक नियमित आधार पर स्थानापन्न सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग 1) नियुक्त किया गया है :—

1. श्री के० पी० तिवारी
2. श्री वी० एम० हदाऊ

दिनांक 18 सितम्बर 1980

सं० ए० 19026/2/79-प्र०-II—श्री आई० एन० चहण्डे, अनुभाग अधिकारी (के० सं० सेवा) की मंडी विनियोजन और डिजाइन केन्द्र नागपुर में प्रतिनियुक्ति आधार पर प्रशासन अधिकारी के पद पर नियुक्ति को 5-9-80 से आगे तक और जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाता है, बढ़ाया गया है।

बी० एल० मनीहार
निदेशक प्रशासन
कृते कृषि विपणन सलाहकार

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र

कार्मिक प्रभाग

बम्बई-400085, दिनांक 3 सितम्बर 1980

सं० पी० ए०/61 (2)/80 आर०-IV—परमाणु ऊर्जा विभाग के राजस्थान परमाणु बिजली परियोजना से स्थानांतरण होने पर, नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, राजस्थान परमाणु बिजली परियोजना में अर्धस्थायी सब आफीसर श्री राधेश्याम सिंह को, दिनांक 27 अगस्त, 1980 पूर्वाह्न से अग्रिम आदेशों तक भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र में स्टेशन आफीसर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 6 सितम्बर, 1980

सं० बी ए आर सी/चिकित्सालय/जी/66—सक्षम अधिकारी, डा० (श्रीमती) पूर्णिमा कृष्णमूर्ती को इस अनुसंधान केन्द्र के आयुर्विज्ञान प्रभाग में दिनांक 27 अगस्त, 1980 पूर्वाह्न से 26 सितम्बर, 1980 अपराह्न तक पूर्णतः अस्थाई रूप से निवासी चिकित्सा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० बी ए आर सी/चिकित्सा/एच/67—सक्षम अधिकारी, डा० (कु०) सावंत ऊषा रघुनाथ को इस अनुसंधान केन्द्र के आयुर्विज्ञान प्रभाग में दिनांक 18 अगस्त, 1980 पूर्वाह्न से 15 नवम्बर, 1980 अपराह्न तक पूर्णतः अस्थाई रूप से निवासी चिकित्सा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

ए० एस० वीक्षित,
उप स्थापना अधिकारी

बम्बई-400085, दिनांक 18 सितम्बर 1980

सं० एम/1921/एफएसएस/स्था० 11-नियंत्रक—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, श्री आर० पी० मलहोत्रा अस्थायी स्टेशन आफीसर द्वारा इस अनुसंधान केन्द्र में प्रदत्त सेवाओं से दिये गये त्यागपत्र को 5-7-1980 अपराह्न से स्वीकार करते हैं।

कु० एच० बी० विजयकर
उप स्थापना अधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग

क्रय एवं भंडार निदेशालय

मद्रास-6, दिनांक 11 सितम्बर 1980

सं० एम आर पी यू/200(18)/80-प्रशासन—इस कार्यालय की दिनांक 28 अप्रैल, 1980 की समसंख्यक अधिसूचना के क्रम में, अस्थायी भंडारी श्री बी० दण्डपानी की सहायक भंडार अधिकारी के रूप में नियुक्ति की अवधि को 9 मई, 1980 तक बढ़ाया जाता है।

सं० एम आर पी यू/200(150)/80-प्रशासन—क्रय और भंडार निदेशालय के निदेशक ने अस्थायी भंडारी श्री पी० वी० प्रभाकरन को 13 मई, 1980 से 21 जून, 1980 तक की अवधि के लिए उसी निदेशालय के रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र के भंडार में रुपये 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से सहायक भंडार अधिकारी नियुक्त किया है।

टी० एस० वी० अय्यर
प्रशासन अधिकारी-II

बम्बई-400001, दिनांक सितम्बर 1980

सं० डी पी एस/23/3/79/ई एस आई—निदेशक, क्रय एवं भंडार निदेशालय परमाणु ऊर्जा विभाग, श्री के० पी० रोईपोडे

को अवकाश स्वीकृत होने के कारण इस निदेशालय के अस्थायी भंडारी एल० एच० बागवे को स्थानापन्न रूप से सहायक भंडार अधिकारी पद पर रुपये 650-30-740-35-810-द० रो०-35-1000-द० रो०-40-1200 के वेतन क्रम में दिनांक 3 मार्च, 1980 से अप्रैल, 1980 तक तदर्थ रूप से इसी निदेशालय में नियुक्त करते हैं।

सी० वि० गोपालाकृष्णन
सहायक कार्मिक अधिकारी

मद्रास परमाणु विद्युत परियोजना

कलपाक्कम-603102, दिनांक 9 सितम्बर 1980

सं० एम ए पी पी/3(606)/72-प्रशासन—मद्रास परमाणु विद्युत परियोजना के अस्थायी वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर एस० बी० श्री वी० भास्करन ने, अपना त्यागपत्र स्वीकार कर लिया जाने पर, 'एस बी' ग्रेड में अपने पद का कार्यभार 16 अगस्त, 1980 के अपराह्न में छोड़ दिया।

आर० पी० हरन
प्रशासन अधिकारी

(परमाणु खनिज प्रभाग)

हैदराबाद-500016, दिनांक 16 सितम्बर 1980

सं० प ख प्र-4/2/80-भर्ती—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्वारा परमाणु खनिज प्रभाग के स्थायी ड्रिल प्रचालक एवं अस्थायी तकनीकी सहायक 'सी' (ड्रिलिंग) श्री ए० आर० खान को उसी प्रभाग में 1 अप्रैल, 1980 के पूर्वाह्न से लेकर अगले आदेश होने तक अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता ग्रेड एस बी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 18 सितम्बर 1980

सं० प ख प्र-1/6/79-प्रशासन—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्वारा राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना के स्थायी सिलेक्शन ग्रेड लिपिक श्री जी० सी० सक्सेना को परमाणु खनिज प्रभाग में 23-7-80 के पूर्वाह्न से लेकर अगले आदेश होने तक स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

एम० एस० राव
वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

भारी पानी परियोजना

दिनांक 19 सितम्बर 1980

बम्बई-दिनांक 18 सितम्बर 1980

सं० 05000/बा/141/41120—श्री कल्लिदैकुरिचि राम-कृष्णन बालसुब्रमणियम, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक को 25 जुलाई, 1980 (पूर्वाह्न) से आगे आदेश होने तक के लिए, भारी पानी परियोजना (मुख्य कार्यालय) में स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त किया जाता है।

के० शंकरनारायणन,
वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 16 सितम्बर 1980

सं० ए० 19012/1/80-हिन्दी—महानिदेशक नागर विमानन ने श्री बी० एन० सिंह को दिनांक 8 सितम्बर, 1980 (पूर्वाह्न) से अन्य आदेश होने तक नागर विमानन विभाग में तदर्थ आधार पर हिन्दी अधिकारी के रूप में नियुक्त किया है और उन्हें क्षेत्रीय निदेशक, बम्बई क्षेत्र, नागर विमानन विभाग, बम्बई के कार्यालय में तैनात किया गया है।

हरबंस लाल कोहली,
निदेशक, प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 12 सितम्बर 1980

सं० ए० 44013/1/80-ई० डब्ल्यू०—नेशनल थर्मल पावर कॉर्पोरेशन लिमि० में प्रतिनियुक्ति की समाप्ति पर श्री विश्राम सिंह ने दिनांक 5 जुलाई, 1980 से इस विभाग में सहायक अग्निशमन अधिकारी के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

श्री विश्राम सिंह को उसी तारीख से क्षेत्रीय निदेशक, कलकत्ता क्षेत्र, कलकत्ता एयरपोर्ट कलकत्ता-52 के कार्यालय में तैनात किया गया है।

विश्व विनोद जोहरी,
उप निदेशक, प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 12 सितम्बर 1980

सं० ए० 32013/4/79-ई० एस०—राष्ट्रपति ने सर्वश्री एन० जयसिन्हा और आर० सी० गुप्ता की वरिष्ठ विमान निरीक्षक के पद पर की गई तदर्थ नियुक्ति को दिनांक 13-2-80 के बाद दिनांक 13-8-1980 तक जारी रखने की अनुमति दी है।

सं० ए० 32013/5/79-ई० सी०—इस विभाग की दिनांक 19 जुलाई, 1980 की अधिसूचना संख्या ए० 32013/8/79-ई० सी० और दिनांक 29 अगस्त, 1980 की अधिसूचना संख्या ए० 32013/2/80-ई० सी० के क्रम में, राष्ट्रपति ने निम्नलिखित सहायक तकनीकी अधिकारियों को जो फिलहाल तदर्थ आधार पर स्थानापन्न तकनीकी अधिकारी हैं, दिनांक 2-7-80 से तथा अन्य आदेश होने तक नियमित आधार पर तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है।

क्रम सं०	नाम	तैनाती स्टेशन
1.	श्री बी० सी० रेड्डी	वै० सं० स्टेशन, हैदराबाद
2.	श्री टी० आर० शास्त्री	वै० सं० स्टेशन, बम्बई
3.	श्री एम० अरुणदोस	वे० सं० स्टेशन, मद्रास
4.	श्री जे० एल० पूरी	वे० सं० स्टेशन, नई दिल्ली
5.	श्री के० चन्द्राचूदन	रे० नि० एवं विकास एकक, नई दिल्ली।
6.	श्री एन० आर० एन० अयंगर	रे० नि० एवं विकास एकक, नई दिल्ली
7.	श्री सी० एल० मलिक	वै० सं० स्टेशन, बम्बई
8.	श्री के० एन० एस० मनी	वै० सं० स्टेशन, मद्रास
9.	श्री एच० ए० शेट्टी	वै० सं० स्टेशन, बैलगांव
10.	श्री बी० के० डे	रे० नि० एवं विकास एकक, नई दिल्ली
11.	श्री ए० सामामूष्म	वै० सं० स्टेशन, मद्रास
12.	श्री के० आर० रामानुजम	वे० सं० स्टेशन, बम्बई
13.	श्री ओ० पी० छाबरा	वै० सं० स्टेशन, पालम
14.	श्री बी० एस० मित्रा	रे० नि० एवं विकास एकक, नई दिल्ली
15.	श्री के० रंगाचारी	वै० सं० स्टेशन, मद्रास
16.	श्री एम० एल० धर	के० रे० भं० डिपो, नई दिल्ली
17.	श्री बी० सुब्रामनियम	क्षे० नि०, बम्बई

आर० एन० दास,
सहायक निदेशक, प्रशासन

वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

देहरादून, दिनांक 18 सितम्बर 1980

सं० 16/24 7/76-स्थापना-I—श्री सिद्दीक अहमद (रा० व० से० गुजरात), सहायक शिक्षक, केन्द्रीय वन राजिक महा-

विद्यालय, चम्पूर, महाराष्ट्र की सेवायें दिनांक 30-6-80 के अपराह्न से राज्य सरकार को पुनः सौंपी गई।

र० न० महत्ती
कुल सचिव
वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, एवं सीमाशुल्क समाहर्तालय

बड़ीदा, दिनांक 15 सितम्बर 1980

सं० 9/80—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, अहमदाबाद—III के सहायक समाहर्ता के अधीन कार्यरत, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के वर्ग “ ” के अधीक्षक श्री एच० जे० मेहता वृद्धावस्था पेंशन की आयु प्राप्त होने पर दिनांक 31-8-1980 के अपराह्न से निवृत्त हो गये हैं।

सं० 10/80—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, मुख्यालय के उप समाहर्ता के अधीन कार्यरत, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के वर्ग “ ” के अधीक्षक श्री ज० अं० सुर्वे वृद्धावस्था पेंशन की आयु प्राप्त होने पर दिनांक 31-8-80 के अपराह्न से निवृत्त हो गये हैं।

बी० बी० कुमार,
समाहर्ता;
केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, बड़ीदा

बम्बई, दिनांक 9 सितम्बर 1980

सं० II/3 ई-6/80—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालय, बम्बई-II के समूह “ख” के अधीक्षक श्री ए० डी० तर्खडकर का दिनांक 28-6-80 को देहावसन हो गया।

सं० II/3 ई-6/80—श्री व्ही० ए० सहस्त्रबुद्धे, कार्यालय अधीक्षक ने पदोन्नति पर केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालय बम्बई-II में प्रशासनिक अधिकारी वर्ग “ख” के रूप में 17-5-1980 पूर्वी में कार्यभार सम्भाल लिया है।

सं० II/3 ई-6/80—निम्नलिखित वरिष्ठ श्रेणी निरीक्षकों ने उनके पदोन्नति पर बम्बई केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालय-II में स्थानापन्न अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समूह “ख” के रूप में उनके नामों के आगे अंकित तिथियों से कार्यभार सम्भाल लिया है।

क्रम संख्या	नाम	कार्यभार सम्भालने की तारीख
1.	श्री डी० सी० वायेंडे	11-2-80 मध्याह्न से
2.	श्री व्ही० एल० सावंत	24-1-80

क्रम सं०	नाम	कार्यभार सम्भालने की तारीख
3.	श्री ए० डी० हवाल	30-1-80
4.	श्री डी० एन० पिलाई	30-1-80 मध्याह्न से
5.	श्री डी० एन० गोगर्ट	25-1-80
6.	श्री डी० की० वाघ	25-1-80
7.	श्री के० एस० सालवी	24-1-80
8.	श्री बी० एल० विजलानी	24-1-80
9.	श्री व्ही० सी० सालगांवकर	3-7-80
10.	श्री पी० ओ० जोसेफ	4-7-80
11.	श्री के० एन० चैनी	3-7-80
12.	श्री एन० एच० दलाल	15-7-80
13.	श्री एम० आर० केकरे	29-8-80
14.	श्री एम० जे० मिरचंदानी	11-7-80
15.	श्री एस० जी० बागले	10-7-80
16.	श्री आर० एन० स्वामी	23-8-80 मध्याह्न से
17.	श्री बी० ए० नांहुडीकर	23-7-80
18.	श्री एफ० ए० सिकवेरिया	4-7-80
19.	श्री एस० आर० गणफुले	4-7-80
20.	श्री के० एम० जोशी	10-7-80
21.	श्री एम० एन० मोरगांवकर	21-7-80
22.	श्री जी० व्ही० कुडचडकर	7-7-80
23.	श्री एस० बी० सावंत	14-7-80
24.	श्री व्ही० जी० आठवले	15-7-80
25.	श्री एस० वाय गडकरी	15-7-80
26.	श्री आर० एस० कनाल	17-7-80

सं० II/3 ई-6/80—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालय बम्बई-II के निम्नलिखित समूह “ख” के राजपत्रित अधिकारी सहायक मुख्य लेखा अधिकारी अधिवाषिक/स्वैच्छिक आधार पर उनके नामों के आगे अंकित तिथियों को अप० में सेवा निवृत्त हो गये हैं।

क्रम सं०	नाम तथा पदनाम	सेवा निवृत्ति की तिथि	
1	2	3	4
1.	श्री एल० एल० अडवानी, अधीक्षक	2-1-80	स्वेच्छा से
2.	श्री एम० के० विजयकर, अधीक्षक	31-1-80	
3	श्री डी० जे० मालवणकर, अधीक्षक	31-1-80	
4.	श्री एस०जी० रिजबूड, अधीक्षक	31-1-80	
5.	श्री पी० एन० अलोनी, अधीक्षक	29-2-80	

1	2	3	4
6.	श्री एच० एम० दादलानी, अधीक्षक	4-3-80	स्वेच्छा से
7.	श्री आर० जी० देशपाण्डे, अधीक्षक	30-4-80	
8.	श्री व्ही० जी० निमकर, अधीक्षक	31-5-80	
9.	श्री व्ही० सी० तांबड़, अधीक्षक	31-5-80	
10.	श्री व्ही० डी० नाडकर, स०मु० ले०अ०	31-5-80	
11.	श्री एम० बी० सोगवसन, अधीक्षक	1-6-80	स्वेच्छा से पूर्वा०
12.	श्री व्ही० ए० महस्त्रबुखे, प्रशासनिक अधिकारी	31-7-80	

विजयकुमार गुप्ता,
समाहर्ता,
के० उ० ण०, बम्बई-II

मद्रास-1, दिनांक 13 जून, 1980

सीमाशुल्क/मिम्बन्दी

सं० 4/80:—सर्वश्री जि० केशवन, आर० एफ० राज्ञियस, जे० संतानम, आर० बालकृष्णन, सी० ई० एतिराजन, जे० ए० एस० तवपालन को ता० 2-6-1980 के पूर्वाह्न से मद्रास सीमाशुल्क घर में सीमाशुल्क अध्यक्ष (निवारक) के पद पर नियमित रूप में पदोन्नत किया जाता है।

दिनांक 30 जुलाई 1980

सं० 8/80:—सर्वश्री वि० जयरामन और एम० गोपाल को ता० 27-6-80 के पूर्वाह्न से स्थानापन्न अध्यक्ष के रूप में पदोन्नत किया जाता है।

श्री एन० सुन्दरराजन मूल्यनिरूपक को जो पदावनति पर निवारक केडर में हैं, ता० 27-6-1980 से सीमाशुल्क अध्यक्ष के पद पर नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 10 सितम्बर 1980

सीमाशुल्क/स्थापना

सं० 9/80—श्री पि० रत्नास्वामी को संघ लोक सेवा आयोग के उम्मीदवार 5-9-80 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक, अस्थायी रूप से सीमाशुल्क घर में मीथी भर्ती अप्रेसर, (गैर-विशेषज्ञ) नियुक्त किया जाता है। वे दो साल तक परखाधीन काल में रहेंगे।

दिनांक 15 सितम्बर 1980

सं० 10/80—सीमाशुल्क घर, मद्रास के अस्थायी मूल्यनिरूपक (विशेषज्ञ नहीं) श्री आर० मुरलीदर ने 12-9-1980 के अपराह्न से मूल्यनिरूपक के पद से त्याग पत्र दे दिया।

ए० सी० सल्डाना,
सीमाशुल्क समाहर्ता

3-276GI/80

इन्दौर, दिनांक 16 सितम्बर, 1980

सं० 16/80—उद्योग मंत्रालय, नई दिल्ली के कनिष्ठ लेखा अधिकारी श्री जे० आर० लारोइया ने केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सीमा शुल्क समाहर्तालय इन्दौर की भुगतान तथा लेखा शाखा में भुगतान तथा लेखा अधिकारी के पद पर नियुक्ति होने के फलस्वरूप दिनांक 11 जुलाई, 1980 के पूर्वाह्न में भुगतान तथा लेखा अधिकारी के पद का कार्यभार संभाल लिया।

एस० के० घर,
समाहर्ता

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली-110022, दिनांक 18 सितम्बर 1980

सं० ए०-32014/1/80—प्रशा० पांच :—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग निम्नलिखित अधिकारियों को अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर (इंजीनियरी) के ग्रेड में रु० 650-30-740-35-810-द०रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में पूर्णतया अस्थाई एवं तदर्थ आधार पर उनके नाम के सामने दी गई तिथियों से छः माह की अवधि के लिए अथवा इन पदों को नियमित रूप से भरे जाने तक, इसमें जो भी पहले हो, एतद्वारा नियुक्त करते हैं :—

क्रम सं०	अधिकारी का नाम एवं पदनाम	अ० सं० निदेशक/सहा० इंजीनियर के रूप में कार्य-भार ग्रहण की तारीख
----------	--------------------------	---

1	2	3	4
सर्वश्री			
1.	पी० पी० सिंह, पर्यवेक्षक	5-9-80	(पूर्वाह्न)
2.	मदन लाल सोनी, अभिकल्प सहायक	5-9-80	(पूर्वाह्न)
3.	प्रमोद कुमार, अभिकल्प सहायक	5-9-80	(पूर्वाह्न)
4.	उमेश कुमार, अभिकल्प सहायक	8-9-80	(पूर्वाह्न)
5.	मंगल वत्त, अभिकल्प सहायक	5-9-80	(पूर्वाह्न)
6.	हेमंत कुमार, अभिकल्प सहायक	5-9-80	(पूर्वाह्न)
7.	विनय कुमार शर्मा, अभिकल्प सहायक	5-9-80	(पूर्वाह्न)
8.	वो० के० मिश्रा, अभिकल्प सहायक	5-9-80	(पूर्वाह्न)
9.	जे० एस० तनेजा, अभिकल्प सहायक	5-9-80	(पूर्वाह्न)
10.	नकुल देव, अभिकल्प सहायक	6-9-80	(पूर्वाह्न)
11.	एम० के० बब्बर, अभिकल्प सहायक	5-9-80	(पूर्वाह्न)
12.	आर० के० बाथला, अभिकल्प सहायक	5-9-80	(पूर्वाह्न)
13.	वी० के० मलहोत्रा, अभिकल्प सहायक	5-9-80	(पूर्वाह्न)
14.	टी० सी० सिक्कार, अभिकल्प सहायक	5-9-80	(पूर्वाह्न)

1	2	3
सर्वश्री		
15. देवकुमार सिंह, अभिकल्प सहायक	8-9-80 (पूर्वाह्न)	
16. बी० जी० दिवानी, मुख्य प्रारूपकार	5-9-80 (पूर्वाह्न)	
17. कली राम गुप्ता, पर्यवेक्षक	5-9-80 (पूर्वाह्न)	
18. एस० के० चकलादार, पर्यवेक्षक	5-9-80 (पूर्वाह्न)	
19. एस० डी० एस० हौडा, पर्यवेक्षक	5-9-80 (पूर्वाह्न)	
20. कान्ता प्रकाश, पर्यवेक्षक	8-9-80 (पूर्वाह्न)	
जे० के० साहा, अवर सचिव		

पूर्ति एवं पुनर्वास मंत्रालय

(पूर्ति विभाग)

राष्ट्रीय परीक्षण गृह, अलीपुर

कलकत्ता-27, दिनांक 21 अगस्त 1980

सं० जी०-65/बी० (गोपनीय)—महानिदेशक, राष्ट्रीय परीक्षण गृह, अलीपुर, कलकत्ता, श्री राजल घोष दस्तीदार, वैज्ञानिक सहायक (भौतिकी), राष्ट्रीय परीक्षण गृह, कलकत्ता, को दिनांक 30-6-80, पूर्वाह्न से इसी कार्यालय में, वैज्ञानिक अधिकारी (भौतिकी) के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० जी०-65/बी० (गो०)—महानिदेशक, राष्ट्रीय परीक्षण गृह, अलीपुर, कलकत्ता, श्री प्रशान्त कुमार कुन्डू वैज्ञानिक सहायक (रसायन) राष्ट्रीय परीक्षण गृह, अलीपुर, कलकत्ता को दिनांक 30-6-80 पूर्वाह्न से इसी कार्यालय में वैज्ञानिक अधिकारी (रसायन) के पद पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 2 सितम्बर 1980

सं० जी०-318/ए०—महानिदेशक राष्ट्रीय परीक्षण गृह अलीपुर कलकत्ता श्री बी० के० माइन, प्रधान लिपिक, राष्ट्रीय परीक्षण गृह, अलीपुर, कलकत्ता, को इसी कार्यालय में दिनांक 20-8-1980 (पूर्वाह्न) से सामयिक रूप से सहायक निदेशक (प्रशासन) (ग्रेड-II) के पद पर नियुक्त करते हैं।

ए० बनर्जी,
उपनिदेशक (प्रशासन)
कृते महानिदेशक,
राष्ट्रीय परीक्षण गृह

विधि, न्याय एवं कम्पनी कार्य मंत्रालय
(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 एवं मेसर्स पेरेमाउन्ट बीजेनेस सर्विसेज प्रायवेट लिमिटेड के विषय में
बम्बई, दिनांक 5 सितम्बर 1980

सं० 14470/560 (3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मेसर्स पेरेमाउन्ट बीजेनेस सर्विसेज प्रायवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण वर्णित न किया गया हो तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं मेसर्स हुसेनी सिल्क एन्ड सिल्क पावरलूम ओनर्स, एसोसिएशन (बोम्बे) लिमिटेड के विषय में

बम्बई, दिनांक 6 सितम्बर 1980

सं० 9832/560 (5) कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मेसर्स हुसेनी सिल्क एन्ड सिल्क पावरलूम ओनर्स एसोसिएशन (बोम्बे) लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

एस० सी० गुप्ता,
कम्पनियों का अतिरिक्त रजिस्ट्रार,
महाराष्ट्र

कम्पनी अधिनियम 1956 और सिमका आटो प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

नई दिल्ली, दिनांक 10 सितम्बर 1980

सं० एच०/6320—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर सिमका आटो प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण वर्णित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और सुशम फार्मिन्स कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

नई दिल्ली, दिनांक 17 सितम्बर 1980

सं० एच०-2648:—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर सुशम फार्मिन्स कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायगी।

जी० बी० सक्सेना,
सहायक कम्पनी रजिस्ट्रार,
दिल्ली एवं हरियाणा

कम्पनी अधिनियम, 1956 और डोलागुरी काथोनी दि स्टेट प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 16 सितम्बर, 1980

सं० 16162/560 (3):—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर डोलागुरी काथोनी दि स्टेट प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और उड्स एजेन्सीज प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 16 सितम्बर 1980

सं० 25587/560(3):—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर उड्स एजेन्सीज प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और नियोगी केमिकल्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 16 सितम्बर 1980

सं० 28227/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर नियोगी केमिकल्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और बंगाल इलेक्ट्रो क्राफ्ट प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 16 सितम्बर, 1980

सं० 29229/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर बंगाल इलेक्ट्रो क्राफ्ट प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और सिनडि हार्डि कारबनस् लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 16 सितम्बर 1980

सं० 29265/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर सिनडि हार्डि कारबनस् लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और पारेस कुटी (वेस्ट) लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 16 सितम्बर, 1980

सं० 29794/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि पारेस कुटी (वेस्ट) लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

ए० वि० विसाम
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार
पश्चिम बंगाल

कम्पनी अधिनियम 1956 और ईश्वरदास फार्मिन्स एण्ड इन्वेस्टमेंट प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

कानपुर, दिनांक 8 सितम्बर 1980

सं० 9297/1035-एस० सी०—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि ईश्वरदास फार्मिन्स एण्ड इन्वेस्टमेंट प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित कर दी गयी है।

ओ० पी० चट्टा
रजिस्ट्रार आफ कम्पनीज
यू० पी०, कानपुर

आय-कर अपील अधिकरण,

बम्बई-400020, दिनांक 16 सितम्बर, 1980

सं० एफ० 48-ए डी (ए टी)/80—श्री नारंजन दास, स्थाना-पन्न सहायक अधीक्षक, आय-कर अपील अधिकरण, दिल्ली न्यायपीठ, नई दिल्ली, जिन्हें आय-कर अपील अधिकरण दिल्ली न्यायपीठ, नई दिल्ली में तदर्थ आधार पर अस्थायी क्षमता में सहायक पंजीकार के पद पर दिनांक 17 अगस्त, 1980 से 16 सितम्बर, 1980 तक स्थानापन्न रूप से कार्य करने की अनुमति प्रदान की गई थी, देखिये इस कार्यालय के दिनांक 19 अगस्त, 1980 की अधिसूचना सं० एफ-48-AD (AT)/80 को अब आयकर अधिकरण दिल्ली न्यायपीठ नई दिल्ली में तदर्थ आधार पर अस्थायी क्षमता में सहायक

पंजीकार के पद पर और एक महीने की अवधि अर्थात् दिनांक 17 सितम्बर, 1980 से 16 अक्टूबर, 1980 तक या तबतक जबतक कि उक्त पद हेतु नियमित नियुक्ति संघ लोक सेवा आयोग द्वारा नहीं की जाती, जो भी शीघ्रतर हो, स्थानापन्न रूप से कार्य करते रहने की अनुमति दी जाती है।

उपयुक्त नियुक्ति तदर्थ आधार पर है और यह श्री नारंजन दास को उसी श्रेणी में अनियमित नियुक्ति के लिए कोई दावा प्रदान नहीं करेगी और उनके द्वारा तदर्थ आधार पर प्रदत्त सेवाएं न तो बरीयता के अभिप्राय से उस श्रेणी में परिगणित की जायेगी और न दूसरी उच्चतर श्रेणी में प्रोन्नत किये जाने की पात्रता ही प्रदान करेगी।

टी० डी० शुक्ला
अध्यक्ष

प्रकरण आई० टी० एन० एम०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बम्बई

बम्बई, दिनांक 26 सितम्बर 1980

निर्देश सं० ए०आर०-I/4356-14/जन.'80--अतः मुझे
सुधाकर वर्मा

आयकर अधिनियम, (1961 1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सी० एस० नं० 1125 है, तथा जो माल रोड,
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक
15-11-1980 विलेख नं० बम्बई/2101/79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

1. (1) वाली इब्राहिम पटेल,
(2) दाऊद मोहम्मद पटेल
वाली उमेरजी मुरावाला ।

(अन्तरक)

2. मिसेस अभिना अब्दुल्ला मुसा,
मिसेस रशीदा मोहम्मद अब्दुल्ला मुसा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० 2101/79/बम्बई उप-
रजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 15-1-1980 को रजिस्टर्ड
किया गया है।

सुधाकर वर्मा
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, बम्बई

तारीख : 26-9-1980
मोहर :

प्ररूप आर्ह. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 16 सितम्बर 1980

निदेश सं० एम० आर० एस०/12/80-81—अतः मुझे
गो० मि० गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 149 कनाल, 6 मरले है तथा
जो ग्राम चत्तरगढ़ तहसील सिरसा में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुमूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय सिरसा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक जून, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्ति्यों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
योजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. सर्वश्री शान्ति प्रसाद, सत नारायण
पुत्रान श्री गंगा विमान गोयल,
निवासी गली जसनाका वाली, सिरसा।

(अन्तरक)

2. दी सिरसा प्रेम नगर को० प्रापरेटिव हाउस बिल्डिंग
सोसायटी लिमिटेड, सिरसा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
व्यवसाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

संपत्ति भूमि क्षेत्रफल 149 कनाल 6 मरले सहित द्यूब-
बैल, जोकि ग्राम चत्तरगढ़ (सिरसा) में स्थित है तथा जिसका
और अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता सिरसा के कार्यालय में
रजिस्ट्री क्रमांक 2111, दिनांक 11-6-1980 में दिया गया
है।

गो० मि० गोपाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 16-9-1980
मोहर:

प्राकृत्य प्राई० टी० एन० एस०—

पायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 16 सितम्बर, 1980

निदेश सं० एच० एन० एस०/1/80-81—अतः मुझे गो० सि० गोपाल,

पायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सजम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि रकबा 85 कनाल 5 मरले है, तथा जो ग्राम धिराये तहसील हांसी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हांसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अप्रैल, 1980

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य

प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाग नया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य प्राप्तिथों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री फतन पुत्र श्री दाता राम पुत्र श्री माई धन, निवासी धिराये, तहसील हांसी।

(अन्तरक)

2. श्री होशियार सिंह पुत्र श्री रलदु राम निवासी ग्राम धिराये, हाल आबाद नमाना तहसील हिसार।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करवाई हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्रुतवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रोड्युक्शरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें ग्युक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि रकबा 85 कनाल 8 मरले, जोकि ग्राम धिराये, तहसील हांसी में स्थित है तथा जिसका और अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता हांसी के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 96, दिनांक 10-4-1980 में दर्ज है।

गो० सि० गोपाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 16-9-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 16 सितम्बर 1980

निदेश सं० जे० डी० आर./21/79-80—अतः मुझे गो० सि० गोपाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें अपने पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० मकान तथा प्लॉट नं० 20-ए, व 19 है, तथा जो प्रोफेसर कालोनी, यमुनानगर, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जगाधरी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकृत के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उक्त दृश्यमान प्रतिकृत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकृत का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अन्तर, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से स्थित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तिथों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्, :—

1. सर्वश्री अर्जन दास खुराना तथा हरबन्स लाल खुराना पुत्रान श्री भगवान दास खुराना निवासी ए-2/66, जनकपुरी, नई दिल्ली, मार्फत : श्री चमनलाल पुत्र श्री राज चन्द मकान नं० 61-बी, शिवाजी पार्क, यमुनानगर।

(अन्तरक)

2. (1) श्री रविन्द्र कुमार पुत्र श्री नन्द लाल

(2) श्रीमती हरबन्स देवी पत्नी श्री नन्द लाल निवासी प्रोफेसर कालोनी, यमुनानगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में नमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र के प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति मकान जो प्लॉट नं० 20-ए तथा 19 पर बना है तथा जो प्रोफेसर कालोनी, यमुनानगर में स्थित है तथा जिसका और अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 4929 दिनांक 30-1-1980 में दिया गया है।

गो० सि० गोपाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 16-9-1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 16 सितम्बर 1980

निदेश सं० के एन एल/50/79—80 अतः मुझे गो० मि०
गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 109 कनाल 12 मरले है तथा
जो मुंडी गढ़ी, तहसील करनाल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय करनाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से उचित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्व आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति, अर्थात्:—

4—276GI/80

1. श्री बसीटा पुत्र श्री निजामुद्दीन,
निवासी गढ़ी मुंडी, तहसील करनाल।

(अन्तरक)

2. श्री अर्जुन दास पुत्र श्री तथा राम
निवासी बरसत, तहसील करनाल।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिर्मा करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाओप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि रकबा 101 कनाल 12 मरले जोकि ग्राम मुंडी
गढ़ी तहसील करनाल में स्थित है तथा जिसका और अधिक
विवरण रजिस्ट्रीकर्ता करनाल के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक
2415 दिनांक 28-1-1980 में दिया गया है।

गो० मि० गोपाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, रोहतक

तारीख: 16-9-1980

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 19 जुलाई, 1980

निदेश सं० ए० पी० नं० 2161—यतः मुझे बी० दम०
दहिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है

और जिसकी सख्या जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जोकि
फिरोजपुर शहर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
फिरोजपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख फरवरी, 1980 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐश अन्तरण के लिए नय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
छद्म से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण सहुइ किसी आय की बाबत, उक्त आध-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती सत्यवन्ती पत्नी हरीचन्द पुत्र शंकर दास
वासी फिरोजपुर शहर।

(अन्तरक)

2. (1) कुलदीप राज बहल वकील रमेश कुमार सुपुत्र
दिवान चन्द वासी फिरोजपुर शहर 1/2 हिस्सा।

(2) अमरीक राय, कबल नरैण कपूर, सुपुत्र डालीराम
वासी फिरोजपुर शहर।

(अन्तरिती)

3. श्री गुरबख्श सिंह पुत्र बहाल सिंह वासी बसती सुनवावाली,
फिरोजपुर शहर।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता कि है वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे।

स्वच्छोत्तरगः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 5351 दिनांक
फरवरी 1980 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिरोजपुर लिखा है।

बी० एस० दहिया

समक्ष अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, जालन्धर

तारीख : 19-7-1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 19 जुलाई 1980

निदेश नं० ए० पी० नं० 2162—यतः मुझे बी० एस०
दहिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो कि
फिरोजपुर शहर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
फिरोजपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख फरवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती सत्यवन्ती पत्नी हरीचन्द पुत्र शंकर दास
वासी फिरोजपुर शहर

(अन्तरक)

2. (1) कुलदीप राज बहल वकील, रमेश कुमार सुपुत्र
दिवान चन्द वासी फिरोजपुर शहर 1/2 हिस्सा।

(2) अमरीक राय, कंवल नरैण कपूर सुपुत्र डालीराम
वासी फिरोजपुर शहर।

(अन्तरिती)

3. श्री गुरबखश सिंह पुत्र बहाल सिंह वासी बसती सुनवावाली
फिरोजपुर शहर।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 5397 दिनांक
फरवरी, 1980 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिरोजपुर में लिखा
है।

बी० एस० दहिया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर,

तारीख : 19-7-1980

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 22 अगस्त, 1980

निदेश नं० ए० सी० नं० 2187—यतः मुझे बी० एस० वहिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो कश्मीरी बाजार, होशियारपुर में स्थित है (और इससे उपान्वद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय होशियारपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यन्त्रपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चद्व प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी, करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रणीतः—

1. श्री मोहर सिंह पुत्र सतनाम सिंह पुत्र जयराम सिंह मोहल्ला शेरवा, हुशियारपुर याबुट शाप नं० बीआठ एम० सी० एच० 495 कश्मीरी बाजार, हुशियारपुर (अन्तरक)
2. श्री प्रीतम सिंह पुत्र गंगा सिंह पुत्र अन्तर सिंह गली नं० 3 मोहल्ला कमासपुर हुशियारपुर। (अन्तरिती)
3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 3862 जनवरी, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हुशियारपुर में लिखा है।

बी० एस० वहिया
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, जालन्धर

तारीख : 22-8-1980
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 25 अगस्त, 1980

निदेश सं० ए० पी० नं० 2188—यतः मुझे बी० एस० दहिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गली तहसील बारावाली, फिरोजपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फिरोजपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक फरवरी, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री बाहुल सिंह पुत्र सौदागर सिंह
वासी तहसील बारावाली, फिरोजपुर शहर।
(अन्तरक)

2. श्री खान चन्द पुत्र गहला राम और ओमप्रकाश पुत्र माहला राम वासी गली तहसील बारावाली, फिरोजपुर शहर।
(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 5629 फरवरी, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिरोजपुर ने लिखा है।

बी० एस० दहिया
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, जालन्धर

तारीख : 25-8-1980
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 25 अगस्त, 1980

निदेश सं० ए० पी० नं० 2189—यतः मुझे बी० एस०
दहिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो समाधि
रोड, जीरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जीरा
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक जनवरी, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति
के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री बवरी दास पुत्र सुन्दर दास वासी जीरा अब
लुधियाना । (अन्तरक)

2. श्री गनेशीलाल पुत्र शांती प्रकाश, युधिष्ठिर लाल पुत्र
तारा चन्द, केवल कृष्ण पुत्र जगदीश चन्द और
राजीव कुमार उर्फ खजान चन्द पुत्र भोमप्रकाश और
श्रीमती कुशलिया देवी पत्नी लोक राम पुत्र फकीर चन्द,
वासी जीरा, जिला फिरोजपुर । (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है ।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है ।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 5790 दिनांक
जनवरी 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जीरा ने लिखा
है ।

बी० एस० दहिया
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 25-8-1980
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 25 अगस्त 1980

निवेश सं० ए० पी० नं० 2190—यतः मुझे बी० एस० दहिया भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव भालाना, जिला कपूरथला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कपूरथला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के बन्धु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या धन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती हरबन्स कौर बिधवा लाल सिंह, गांव भालाना जिला कपूरथला ।

(अन्तरक)

2. श्री दर्शन सिंह, निशान सिंह बलवंत सिंह सुपुत्र सरदारसिंह वासी भालाना, जिला कपूरथला ।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो ।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जायबाद तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख नं० 2997 जनवरी, 1980 का रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कपूरथला ने लिखा है ।

बी० एस० दहिया

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 25-8-1980

मोहर :

प्रकट आई० टी० एम० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 28-8-1980

निर्देश सं० ए० पी० 2191—यतः मुझे बी० एस० दहिया,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
र० से अधिक है

और जिसकी संख्या जसा कि अनुसूची में है लिखा है तथा जो
अबोहर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अबोहर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
फरवरी, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित छद्म से उक्त अन्तरण लिखित में
अस्वीकृत रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. शान्ती देवी पत्नी मनोहर लाल ग्राहुजा
वासी तहसील रोड, अबोहर।
(अन्तरक)

2. श्री नरिजन सिंह टेक सिंह, हरनेक सिंह, सुपुत्र करनैल
सिंह, वासी सामने उनदीप थियेटर, मकान नं० 6806,
थाना रोड, अबोहर।
(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के धर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किचे जा सकेंगे।

स्वीकृतिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख नं० 2599, फरवरी,
1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अबोहर में लिखा है।

बी० एस० दहिया
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, जालन्धर

तारीख 28-8-1980
मोहर:

प्रारूप आई०टी०एन०एस०.....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 25 अगस्त 1980

निदेश सं० ए० पी० नं० 2192—यतः मुझे बी० एस०
दहिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गली
नं० 17-बी मण्डी, अबोहर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय अबोहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक जनवरी, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों धर्थात् :—

5-276GI/80

1. पूरनचन्द पुत्र चन्द्र भान
वासी गली नं० 1-बी, मण्डी, अबोहर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती चन्द रानी पत्नी राज किशन
वासी सरकूलर रोड, अबोहर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति के द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख नं० 2490, जनवरी,
1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अबोहर में लिखा है।

बी० एस० दहिया
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख 25-8-1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 1 सितम्बर 1980

निदेश सं० ए० पी० नं० 2193—यस० मुखे, बी० एस० दहिया आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में दर्ज है तथा जो भटिण्डा में स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक फरवरी, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए लय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मोहन लाल नानक चन्द और लक्ष्मी वाई वासी गेट, हाजी रतन, भटिण्डा ।

(अन्तरक)

2. (1) श्रीमती करमेल कौर पत्नी धमन सिंह पुत्र थागरसिंह 1/2 हिस्सा
(2) आतमसिंह पुत्र बचन सिंह 1/4 हिस्सा
(3) मोहिन्दर कौर परनी दरबारा सिंह 1/4 हिस्सा वासी भटिण्डा ।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 पर लिखा है ।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो ।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख नं० 4666 फरवरी, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिण्डा में लिखा है ।

बी० एस० दहिया
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, जालन्धर

तारीख: 1-9-1980
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जलन्धर, दिनांक 3 सितम्बर 1980

निवेश सं० ए० पी० नं० 2194—यतः मुझे बी० एस० दहिया आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव मीरापुर, तहसील फिल्लौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फिल्लौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अप्रैल, 1980

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय रखा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री करतार सिंह पुत्र मंगल सिंह, जी० ए० बलकार सिंह पुत्र मंगल सिंह गांव पदी, जगीर तह० फिल्लौर।
(अन्तरक)
2. श्री गुरनाम सिंह पुत्र निरन्जन सिंह गांव पदी, जगीर, फिल्लौर।
(अन्तरिती)
3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख की 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख नं० 123 अप्रैल 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिल्लौर में लिखा है।

बी० एस० दहिया
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जलन्धर
तारीख : 3-9-1980
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 3 सितम्बर 1980

निदेश सं० ए० पी० नं० 2195—यतः मुझे बी० एस० दहिया आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो सुलतानपुर रोड, कपूरथला में स्थित है (और इससे उपायद्व अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कपूरथला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए।

नतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री अर्जुन सिंह पुत्र इन्द्र सिंह
वासी सुलतानपुर रोड, कपूरथला।
(अन्तरक)
2. श्री राम नाथ, ज्ञान चन्द हरी कृष्ण, रमेश कुमार,
सपुत्र छज्जू राम वासी कपूरथला।
(अन्तरिती)
3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में हथि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि भाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 3137 जनवरी, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कपूरथला में लिखा है।

बी० एस० दहिया
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, जालन्धर

तारीख 3-9-1980
मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 3 सितम्बर, 1980

निदेश सं० ए०पी० नं० 2196—यतः मुझे, बी० एस० वहिया,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो माडल
टाउन, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
जनवरी, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनाधे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री नगिन्द्र सिंह एडवोकेट पुत्र गुरशरण सिंह
वासी कोटला तह० नकोबर, जिला जालन्धर।
(अन्तरक)
2. श्री तेग बहादुर सिंह पुत्र नगिन्द्र सिंह वासी
496-आर, माडल टाउन, जालन्धर।
(अन्तरिती)
3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिमोग में सम्पास है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध में है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के प्रचलन
के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संपत्ति तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख नं० 7543, दिनांक
जनवरी, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के जालन्धर में
लिखा है।

बी० एस० वहिया,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, जालन्धर

तारीख : 14 अस्त, 1980
मोहर :

प्रकृष धार्ई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 4 सितम्बर 1980

निर्देश सं० ए० पी० नं० 2197—यत्. मुझे बी० एस०
दहिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जी० टी०
रोड, जालन्धर, में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
तारीख जनवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उस
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री कर्नल सिंह पुत्र भगत सिंह
वासी गांव रमीदां, जिला कपूरथला।

(अन्तरक)

2. मै० हंस राज महाजन एण्ड सन्स प्राइवेट लिमिटेड
जी० टी० रोड, जालन्धर, द्वारा सतीश कुमार
महाजन, डाइरेक्टर कम्पनी।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त अधिनियम के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के अन्तर में या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 7516 दिनांक
जनवरी, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में
लिखा है।

बी० एस० दहिया

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 4-9-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 4 सितम्बर 1980

निदेश सं० ए० पी० नं० 2198—यतः मुझे, बी० एस०
दहिया

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जी०
टी० रोड, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
जालन्धर में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक जनवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की नाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वापिसव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्राय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
14 में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. संतोख सिंह पुत्र भगत सिंह
बासी गांव रमीदी, जिला कपूरथला।
(अन्तरक)
2. मैसर्स हंस राज महाजन सन्स, प्राईवेट लिमिटेड
जी० टी० रोड, जालन्धर
द्वारा सतीश कुमार महाजन, डारेक्टर कम्पनी
(अन्तरिती)
3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में पमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख नं० 7517 दिनांक
जनवरी, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा
है।

बी० एस० दहिया
सक्षम अधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 4-9-1980
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 4 सितम्बर, 1980

निदेश नं० ए० पी० नं० 2199—यतः मुझे, बी० एस० वहिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जी० टी० रोड, जालन्धर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए घमराने की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमा करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती हरनाम कौर विधवा भगत सिंह
नासी गांव रमीदी, जिला कपूरथला।

(अन्तरक)

2. मैसर्स हंसराज महाजन एण्ड सन्स, प्राइवेट लिमिटेड
जी० टी० रोड, जालन्धर

द्वारा सतीश कुमार महाजन, डायरेक्टर कम्पनी

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख नं० 7518 दिनांक जनवरी, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

बी० एस० वहिया

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख : 4-9-1980

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 4 सितम्बर, 1980

नितेश सं० ए० पी० नं० 2200—यतः मुझे बी० एस० दहिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जी० टी० रोड, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1980 (1980 का 16) के अधीन दिनांक मार्च 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रदर्शित की गई है और मुझे यह निष्कर्ष करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्त्यिक रूप से कथित नहीं किया गया है --

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रत्यक्ष यास्तिर्यों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

6-276GI/80

1. श्री गुरबचन सिंह पुत्र भगत सिंह
वासी गांव रमीदी, जिला कपूरथला।

(अन्तरक)

2. मैसर्स हंस राज, महाजन एण्ड सन्स, प्राईवेट लिमिटेड
जी० टी० रोड, जालन्धर द्वारा सतीश कुमार
महाजन, डाइरेक्टर कम्पनी

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशंका :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे

स्पष्टीकरण -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का अर्थ अधिनियम के अन्वये 10-11-1980 में निर्धारित है, जो उस अधिनियम में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख नं० 8886 मार्च, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

बी० एस० दहिया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जालन्धर

तारीख : 4-9-1980

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 4 सितम्बर, 1980

निदेश सं० ए० पी० नं० 2201—यतः मुझे बी० एस०
दहिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
हमके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सश्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो शिव
कालोनी नजदीक बरनाला, रोड, भटिण्डा, में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवर, 1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से उचित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या किया जाना चाहिए या, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनु-
सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा-
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती इन्द्रजीत कौर पत्नी सवरनजीत सिंह साही
वासी टी-15, रेलवे कालोनी, भटिण्डा।

(अन्तरक)

2. श्रीमती राजरानी पत्नी गोपाल कृष्ण
वासी मकान नं० 4695 नजदीक एस० डी० गर्ल्स स्कूल
भटिण्डा।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रहि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख नं० 4208 जनवरी
1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिण्डा ने लिखा है।

बी० एस० दहिया

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 4-9-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 4 सितम्बर, 1980

निदेश सं० ए० पी० नं० 2202—यतः मुझे बी० एस०

दहिया

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो शिव कालोनी, नजदीक बरनाला, रोड, भटिण्डा में स्थित है (और इससे उपाध्व अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय का किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती इन्द्रजीत कौर पत्नी सवरनजीत सिंह सोढी वासी टी-15, रेलवे कालोनी, भटिण्डा ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती राज रानी पत्नी गोपाल कृष्ण वासी मकान नं० 4695 नजदीक एस० डी० गर्ल्स स्कूल, भटिण्डा ।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो ।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करना हैं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधेप ---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में प्राप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख नं० 4456 फरवरी, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिण्डा ने लिखा है ।

बी० एस० दहिया

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 4-9-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 4 सितम्बर, 1980

निर्देश सं० ए० पी० नं० 2203—यतः मुझे बी० एस०
दहिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिण्डा
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिण्डा में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
जनवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात् :-

1. श्री बनता सिंह पुत्र बुधा सिंह
वासी भटिण्डा।

(अन्तरक)

2. श्री मलकियत सिंह, गुरबखश सिंह, बलदेव सिंह,
सुखदेव सिंह, गुरमेल सिंह, गुरतेज सिंह सुपुत्र जगीर सिंह
पुत्र भाग सिंह वासी 8040 सिरकी बाजार,
भटिण्डा।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर न० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन को अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति और व्यक्ति, जैसा कि विलेख न० 4037 दिनांक
जनवरी, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिण्डा में लिखा
है।

बी० एस० दहिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 4-9-1980

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 4 सितम्बर, 1980

निदेश सं० ए० पी० नं० 2204—यतः मुझे बी० एस०
दहिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और सिजकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिण्डा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यवहियों, अर्थात्:-

1. बन्ता सिंह पुर बुधा सिंह
वासी भटिण्डा।

(अन्तरक)

2. श्री मलकियत सिंह, गुरबख्श सिंह, बलदेव सिंह, सुखदेवसिंह
गुरमेल सिंह, गुरतेज सिंह सुपुर जगीर सिंह पुत्र भाग सिंह
वासी 8040 सिरकी बाजार, भटिण्डा।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जनाता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखत में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

व्यक्ति, तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 4075 दिनांक जनवरी, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिण्डा ने लिखा है।

बी० एस० दहिया

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 4-9-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 4 सितम्बर, 1980

1. श्रीमती प्रकाशकौर पत्नी श्री फकीर सिंह
वासी बुडलाडा ।

(अन्तरक)

2. श्री बलविन्द्र कुमार, पुत्र प्रकाश चन्द
वासी बुलाडा ।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो ।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)निदेश सं० एसे पी० नं० 2205—यतः मुझे बी० एस०
दहियाआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

25,000 से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो वार्ड
नं० II/159, बुडलाडा, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय बुडलाडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी, 1980को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
इसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसारण
में से, उक्त अधिनियम का धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

प्रमुखी

सम्पत्ति और व्यक्ति, जैसा कि विलेख नं० 1575, दिनांक
जनवरी, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बुडलाडा में लिखा
है ।बी० एस० दहिया
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 4-9-1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 5 सितम्बर, 1980

निदेश सं० ए० पी० नं० 2206—यतः सुझे बी० एस०
दहिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव
आवन खालसा, तहसील नकोदर में स्थित है (और इससे उपाख्य
अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय नकोदर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख जनवरी, 1980

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आब या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री रामप्रकाश पुत्र श्री वीवान चन्द
गांव रहीमपुर, तहसील दृशियारपुर द्वारा श्री बाबा सिंह
(अन्तरक)
2. श्री प्यारा सिंह पुत्र बाबा सिंह और लक्ष्मी विधवा
गुरमेल सिंह गांव आवन खालसा तहसील नकोदर ।
(अन्तरिती)
3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है ।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो वक्त सम्पत्ति में रुचि रखता हो ।
(वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख नं० 2612 दिनांक
जनवरी, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नकोदर में लिखा
है।

बी० एस० दहिया
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर ।

दिनांक : 5-9-1980
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 5 सितम्बर, 1980

निदेश सं० ए० पी० नं० 2207—यतः मुझे बी० एस०
दहिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव
मण्डी तहसील फिल्लौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और जो पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय फिल्लौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन दिनांक जनवरी, 1980

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
कार्यत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसारण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री मीहां सिंह उर्फ सरवन सिंह पुत्र मोती
गांव मण्डी, तहसील फिल्लौर ।

(अन्तरक)

2. श्री चुहंड सिंह, जसविन्द सिंह, सपुत्र मीहां सिंह
गांव मण्डी तहसील फिल्लौर ।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो ।

(वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है
कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख नं० 4110,
जनवरी, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिल्लौर ने
लिखा है ।

बी० एस० दहिया

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 5-9-1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 9 सितम्बर, 1980

निर्देश सं० ए० पी० न० 2208—यत मुझे बी० एम० दहिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो तकी मोहल्ला, फगवाडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फगवाडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (190 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्री रामप्रकाश पुत्र किशन दयाल
बामी मोहली गेट फगवाडा ।

(अन्तरक)

2 श्री ऊजागर सिंह पुत्र नन्द सिंह
मकान न० 36, गुरदेव नगर, लुधियाना ।

(अन्तरिती)

3 जैसा कि ऊपर न० 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4 जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख न० 2111 दिनांक जनवरी, 1980 को रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी फगवाडा में लिखा है ।

बी० एस० दहिया,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, तसर

तारीख : 9-9-1980
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 10 सितम्बर, 1980

निदेश सं० ए० पी० न० 2209—यतः मुझे बी० एम०
दहिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/-
रुपए से अधिक है

और जिसको सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव
वनजोको मरवु में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
जीरा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक जनवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक में हुई किसी आय को वापस, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमो करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए,
और/या;

(ज) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, य
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति, अधीन :—

1. श्री हंस राज पुत्र नागर मल
बासी लाधुका मडी तहसील फाजिल्का,
श्री महिनाब सिंह पुत्र दरबारा सिंह बासी
चन्डीगढ़ मारफत किशोर चन्द मिलयामत राय
बासी फाजिल्का मुहल्ला-ग-ग्राम
(अन्तरक)

2. मैसर्स गुरु राम दास राईस, जनरल
मिल्लस मरवु द्वारा राजकुमार
हिस्सेद।
(अन्तरिती)

3. जैसा कि न० 2 पर लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बचने के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लेषणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख न० 5821 दिनांक
जनवरी, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जीरा में लिखा है।

बी० एस० दहिया
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 10-9-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 10 सितम्बर, 1980

निवेश सं० ए० पी० सं० 2210—यतः मुझे बी० एस०
दहिया

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव
वनजोकी सरखु में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रिकर्ता अधिकारी के कार्यालय जीरा
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
जनवरी, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात् :—

1. श्री हंसराज पुत्र नागर मल
वासी लाडुका मंडी, तहसील फाजिल्का
महिताब सिंह पुत्र दरबारा सिंह
वासी चन्डीगढ़ मार्फत किशोर चन्द पुत्र नयामन राय
वासी फाजिल्का मुह्तयार-ए-आम ।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स गुरु राम दास राईस एण्ड जनरल मिल्स
द्वारा राज कुमार हिसार ।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर न० 2 में लिखा है ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो ।

(वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख न० 5878 दिनांक
जनवरी, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जीरा में लिखा है ।

बी० एस० दहिया

सक्षम अधिकारी

सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 10-9-1980

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.—-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 10 सितम्बर, 1980

निपूण सं० ए० पी० न० 2211—यतः मुझे बी० एस०
दहिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269
ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव
वतजोकी भखु में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
जीरा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक जनवरी, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीमत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 691-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री हंस राज पुत्र नागर मल
वासी लाडुका मंडी तहसील फाजिल्का
श्री महिताब रिसह पुत्र दरबारा सिंह
वासी चन्डीगढ़ मार्फत किशोर चन्द पुत्र नयामत राम
वासी फाजिल्का मुह्तयार-ए-ग्राम ।
(अन्तरक)
2. मंसूर गुरु राम दास राईस एण्ड जनरल मिल्स
भखु द्वारा राज कुमार हिस्सेदार
(अन्तरिती)
3. जैसा कि ऊपर न० 2 में लिखा है ।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो ।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख न० 5972, जनवरी
1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जीरा में लिखा है।

बी० एस० दहिया
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 10-9-1980
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस० —

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 सितम्बर, 1980

निदेश सं० ए० पी० नं० 2212—यतः मुझे बी० एस०
वहिया

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
नकोदर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
नकोदर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख जनवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री गुरदयाल सिंह पुत्र बूटा सिंह
गांव अलोवाल ।

(अन्तरक)

2 श्री तीरथ राम पुत्र तेजू राम, प्रीतम सिंह टाईगर पुत्र
मन्ता सिंह, जसपरीत सिंह पुत्र प्रीतम सिंह, श्रीमती
शशीकान्ता सन्धू पत्नी कलवन्त सिंह नकोदर ।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4 जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो ।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2646 दिनांक
जनवरी 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नकोदर में लिखा
है ।

बी० एस० वहिया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 11-9-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 सितम्बर, 1980

निदेश सं० ए० पी० नं० 2213—यतः सुभे बी० एस०
दहिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है,

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव
अबथ तहसील नकोदर में स्थित है (और इससे उपाय अन्तर्ग्राही में
और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय नकोदर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक जनवरी, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य धास्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्ग्राही में,
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. कुमारी बन्नी पुत्री बुझा
गांव व डाकखाना बाथ तहसील नकोदर ।
(अन्तरक)
2. श्री जोगिन्दर सिंह पुत्र करम सिंह
गांव व डाकखाना पंडोरी खास,
तहसील नकोदर ।
(अन्तरिती)
3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है ।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो ।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेषः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि बाध में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20A में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति और व्यक्ति, जैसा कि विलेख नं० 2709
जनवरी, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नकोदर ने लिखा है ।

बी० एस० दहिया
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 11-9-1980
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 सितम्बर, 1980

निदेश सं० ए० पी० नं० 2214—मन मुझे जे० एम०
आहलूवालिया,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के
अधीन सशम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव
कोहाला, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय
जालन्धर में रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक जनवरी, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) का उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मुन्गा सिंह पुत्र चन्दा सिंह
गांव कोहाला, तहसील जालन्धर ।

(अन्तरक)

2. श्री जगजित सिंह, मुरजित सिंह, जसवन्त सिंह, बलवीर
सिंह, मलकियत सिंह सुपुत्र अर्जन सिंह
गांव नारावाल, तहसील जालन्धर ।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर न० 2 में लिखा है ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो ।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरों
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धारणा :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति, तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख न० 7395 दिनांक
जनवरी, 1980 को रजिस्ट्रार अधिकाारी जालन्धर में
लिखा है ।

जे० एम० आहलूवालिया

सशम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख 12-9-1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 सितम्बर, 1980

निदेश सं० ए० पी० नं० 2215--यन. मुझे जे० एम०
आहलुवालिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव
पूरनपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार/अधिकारी के कार्यालय
जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक जनवरी, 1980 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों वर्णित :—

1. श्री पूरन सिंह पुत्र धन सिंह, जो० ए० हजूर सिंह मन्तोख
सिंह, मकरन सिंह सुपुत्र धन्ना सिंह गांव पूरनपुर ।
(अन्तरक)

2. श्री गुरपरीत सिंह पुत्र मोहिन्दर सिंह
बासी पूरनपुर, तहसील जालन्धर ।
(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।]
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को पद पूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाओप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख नं० 7556 दिनांक
जनवरी, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा
है।

जे० एम० आहलुवालिया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, जालन्धर

तारीख : 12 सितम्बर 1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 सितम्बर, 1980

निदेश सं० ए० पी० नं० 2216—यत मुझे जे० एम० आहलुवालिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूच में लिखा है तथा जो शास्वी नगर, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचों में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार/कर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रार/कर्ता अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसूच में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः:—

8—276 GI-80

1. श्री सरलोचन चन्द पुत्र करतार सिंह
वास: नकोदर रोड, जालन्धर।

(अन्तरक)

2. श्री मन्तनाम सिंह पुत्र गधुबंजर सिंह
वास: पारगंटा, फगवाड़ा।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिनके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख नं० 7140 दिनांक जनवरी, 1980 को रजिस्ट्रार/कर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

जे० एम० आहलुवालिया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख: 12-9-1980

मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एन०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेड् जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 सितम्बर, 1980

निदेश सं० ए० पी० नं० 2217—यत्. मुझे जे० एम०
आह्लुवालिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसका सं० जैमा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव
कोट कला में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अर्धान दिनांक जनवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकल के लिये प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि पचापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित
वृहत्तय से सक्षम अन्तरण अधिनियम में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्रीमती चनन कौर विधवा प्रीतम सिंह
गांव कोट कला, तहसील जालन्धर ।

(अन्तरक)

2. दिनेश्वर सिंह, गुरद प सिंह, गुरवर्तन सिंह, सरजोत सिंह
आत्मा सिंह, मुखवर्जीत सिंह सुपुत्र साधु सिंह
वामा गांव कोट कला, तहसील जालन्धर ।

(अन्तरितों)

3. जैमा कि ऊपर न० 2 में लिखा है ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो ।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अड्डाय 20-क में परिभाषित
ह, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैमा कि विलेज 7142 दिनांक
जनवरी, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में
लिखा है ।

जे० एम० आह्लुवालिया

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेड्, जालन्धर

तारीख : 12 सितम्बर, 1980

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 25 सितम्बर 1980

निर्देश सं० ए० पी० न० 2218—यत मुझे आर० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो पट्टी छोटी, भटिण्डा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी, 1980

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल केन्द्रित प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. इकबाल सिंह पुत्र करतार सिंह भटिण्डा ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती जसवन्ती देवी पुत्री सत राम, सत्या देवी पुत्री भागमल, हंस राज पुत्र किशोर चन्द, प्यारा लाल पुत्र मुन्शी राम, बिरला मिलज क्लौनी मारफत मैसर्स मफत लाल ग्रुप आफ मिल्स कला मंदिर, धोनी बाजार, भटिण्डा ।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि न० 2 में लिखा है ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो ।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धावेपः—

(क) इस सूचना के सम्बन्ध में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्विगुण किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैसा कि बिलेख न० 3956 दिनांक जनवरी, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिण्डा ने लिखा है ।

आर० गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख 25-9-1980
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 25 सितम्बर 1980

निर्देश सं० ए० पी० न० 2219—यत मुझे, आर० गिरधर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव मानसा खुर्द में स्थित है (और इससे उपायद्व अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मानसा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1 कुमारी मोहिन्द्र कौर पुत्री टेक सिंह पुत्र बख्शीश सिंह वासी मानसा खुर्द, द्वारा अर्जन सिंह मुक्तयार-ए-आम।
(अन्तरक)
- 2 श्री सुखविन्द्र सिंह मनदीप सिंह सुपुत्र गुरिन्दर सिंह पुत्र इन्द्र सिंह वासी मानसा कलां।
(अन्तरिनी)
- 3 जैसा कि न० 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4 जा व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानना है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख न० 3800 दिनांक जनवरी, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी ने लिखा है।

आर० गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख 25-9-1980
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 25 सितम्बर 1980

निर्देश सं० ए० पी० न० 2220—यतः मुझे, आर० गिरधर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा वह जो गांव फतेहगढ़, साहनेवाल, में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सरदुल गढ़, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी, 1980

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी (अन्तरितियों) के बीच एके अन्तरण के लिए नए पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मनी राम, देवी लाल, प्रमूराम सुपुत्र पत राम वासी साहनेवाली ।

(अन्तरक)

2. श्री विजय कुमार, विनोद कुमार, शीला देवी रामप्यारी, अमर नाथ

वासी फतेहगढ़, साहनेवाल ।

(अन्तरिनी)

3. जैसा कि न० 2 में लिखा है ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो ।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख न० 1306 दिनांक जनवरी, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सरदुलगढ़ में लिखा है ।

आर० गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 25 सितम्बर, 1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 8 सितम्बर, 1980

निर्देश सं० आई० टी० एन० एस०/एक्यू०/II/एस० आर०—II/1-80/
6126—अतः मुझे, कु० आर० के० चाहल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसका सं० 17-ई है तथा जो राजौरी गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देहली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत्, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मनोहर लाल खुराना, सन आफ साहिब सिंह खुराना ई-17, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली, कर्ता आफ एच० यू० एफ० ।

(अन्तरक)

(2) श्री बी० एम० वर्मा, सन आफ लेट प्यारा सिंह बग, 31/20, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली, कर्ता आफ एच० यू० एफ० ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

डेढ़ मन्जिल मकान जो कि प्लॉट नं० 17, ब्लॉक ई, राजौरी गार्डन गांव के इलाके बमई द्वारा पुई, दिल्ली स्टेट में स्थित है जिसका क्षेत्रफल 322 वर्ग गज है ।

कु० आर० के० चाहल,
सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रैज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 8-9-80.

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिन 8 मितम्बर, 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी० एक्चू/II/एम० आर०—I/1-80/6125—अतः मुझे, कु० आर० के चाहल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसका सं० 1351 है तथा जो वाई नं० III गली मुहम्मद जाफरिया पाठक हाविस खान दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचः में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिन तथा जनवरी, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चद्व प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित सहेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा के (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

(1) श्री शिव राम पुत्र राम पियारा मल द्वारा विनोद कुमार पुत्र श्री शिव राम निवासः 259 भौंद मल एा ग्रहाना रेलवे रोड, गाजियाबाद।
(अन्तरक)

(2) श्रीमति शाईदा खानून धर्मपति मोहम्मद अब्द निवासः 1202 बारादर, नवाब बजार पाठक हाविस खान दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-ह में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान नं० 1351 वाई नं० 111 गली मोहम्मद जाफरिया पाठक हाविस खान दिल्ली में स्थित है। जिसका क्षेत्रफल 43-1/3 वर्ग गज है।

कु० आर० के० चाहल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 8-9-80.

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली।

नई दिल्ली, दिनांक 8 मितम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/एस० आर०-I/1-80
6120—अतः मुझे, कु० आर० के० चाहल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 26 रोड न० 27 पंजाब बाग बमई दारापुर दिल्ली स्टेट दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूच में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवर, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री विजय दाम पुत्र श्री जगत राम 1186 आई० टी० एन० एस० न० 6 पंजाब बाग, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

(2) श्री मुख राज पुत्र जयन दाम, आसनि गांव, देवी उमका बरवाली और तीन लड़के हरि चन्द्र, सुभाष चन्द्र और रमेश चन्द्र सभी निवासों एफ० 13-ए सुदर्शन पार्क, नई दिल्ली।
(अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान न० 26 रोड न० 27 पंजाब बाग बमई दारापुर दिल्ली स्टेट दिल्ली में स्थित है।

कु० आर० के० चाहल,
सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-110001

तारीख 8-9-80
मोहर

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 सितम्बर 1980

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/एस० आर०-I/1-80/6117—प्रतः मुझे, कु० आर० के० चाहल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जे०/113 है तथा जो राजौरी गार्डन नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुपूर्व में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकार के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1980 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रातःफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में बंसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीनतः—

9-276GI/80

(1) श्री मदन लाल हाकिम पुत्र बकत राम और श्रामति लज्जयावती धर्मपरिन मदन लाल हाकिम निवासी बी०-3/412 पश्चिम पुरे, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री बलबीर सिंह पुत्र श्री बजौर चन्द जे-144, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान जो कि प्लॉट न० जे०/113, राजौरी गार्डन, गांव के इलाके बसई बारा पुर दिल्ली स्टेट दिल्ली में स्थित है। जिस का क्षेत्रफल 311.1 वर्ग गज है जो कि निम्नलिखित प्रकार से घिरा हुआ है :—

उत्तर : मकान न० जे०/131
दक्षिण : रोड
पूर्व : मकान न० जे०/112
पश्चिम : मकान न० जे०/114।

आर० के० चाहल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 8-9-80.

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एन०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, एच ब्लॉक, विकास भवन,

आई० पी० स्टेट नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 सितम्बर, 1980

निदेश सं० आई० ए० सी०/एचयू०/II/एस० आर०-I/1-80/
6109—अतः मुझे, कु० आर० के० चाहल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसको
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

श्रीर जिमकी सं० जी-20/2-ए, है तथा जो राजौरी गार्डन
नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपावय अनुसूची में श्रीर
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 5-1-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये भरतित हो गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किता भाव की बाबत उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के परिचय में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य चीजों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या इन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए
वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः—

(1) श्री भुला मन पुत्र श्री लुआ दाम निवासी जी-
20/3-ए, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री सुभाष चन्द्र व सत्या भूसन पुत्र श्री देवकी
नन्दन निवासी ई०-3, रस्त पार्क नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, पञ्चोदस्ताधरी के पाम लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के प्रमाण 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस प्रमाण में दिया गया है

अनुसूची

एक मकान जो कि प्लॉट नं० 2-ए ब्लॉक जी-20
(जी-20/2ए) कलोनी राजौरी गार्डन गांव के इलाके बसई
दारापुर दिल्ली स्टेट विल्डो में स्थित है। जिसका क्षेत्रफल 140
वर्ग गज है। जो कि निम्न लिखित प्रकार से घिरा हुआ
है :—

उत्तर : मकान प्लॉट नं० जी०-20/1-ए
दक्षिण : मकान जो कि प्लॉट नं० जी-20/3-ए
पूर्व : सर्विस लेन
पश्चिम : सर्विस लेन।

कु० आर० के० चाहल,

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 8-9-80.

मोहुर :

प्रकरण प्रार्थी० टी० कुं० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 सितम्बर, 1980

निदेश सं० प्रार्थी० ए० सी०/एक्यू/II/एम० आर०-1/1-86:—

6107:—अतः मुझे, कु० आर० के० चाहल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० डी-12 है तथा जो राणा प्रताप बाग दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4-1-1980

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब तक क्या प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अतः उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री राम रतन सिंह पुत्र स्वर्गीय म० आत्मा सिंह नामधारी डी०-35 राणा प्रताप बाग दिल्ली।

(अन्तरक)

2) श्री राम लाल कला पुत्र श्री पंजू राम ए-47, पेज-III, अशोक बिहार, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हस्तक्षेप किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अर्थात् स्थावरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान नं० डी-12 राणा प्रताप बाग, दिल्ली गांव सदोरा कलीनी दिल्ली में स्थित है। जो कि निम्नलिखित प्रकार से है।

उत्तर : रोड 30

दक्षिण : दोवार वॉर जैन कालोनी की।

पूर्व : लान

पश्चिम : प्लॉट नं० डी०/13

कु० आर० के० चाहल,

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);

अर्जन रेंज II, दिल्ली, नई दिल्ली-11000

तारीख : 8 सितम्बर, 1980।

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269B (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 मितम्बर 1980

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० /II/एम० आर०-I/1-80/6132:—अतः मुझे, कु० आर० के० चाहल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० XII/6514 है तथा जो डी-32, कमला नगर दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 22-1-1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269B की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1) श्रीमती सूरज बाई धर्मपत्नी श्री रतन लाल शर्मा
1040 माली बाड़ा नई मंडा, दिल्ली।

(अन्तरक)

2) श्रीमती राधा बाई धर्मपत्नी श्री बुधाराका दास
3/67 रूप नगर, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लैट जो कि पहली मंजिल में जिसका नं० XII/6514, प्लॉट नं० डी-32 कमला नगर में स्थित है।

कु० आर० के० चाहल,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 8-9-1980.

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 सितम्बर, 1980

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/एस० आर०-I/1-80-6142:—अतः मुझे, कु० आर० के० चाहल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 9697-9698 है तथा जो गली नीम वाली नवाब गंज दिल्ली, में स्थित है (और हमने उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री नंद लाल पुत्र श्री तरशोक चन्द निवासी 9694 गली नीम वाली नवाब गंज दिल्ली (2) श्री सुरेन्द्र नाथ पुत्र श्री नंद लाल निवासी 81 गुजरांवाला गहर पार्टी-II, जं० टी० करनाल रोड़, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री जगदीश प्रसाद पुत्र राम नाथ निवासी 6177 कुत्ता शिव मंदिर गली वातामा खारी बावली, दिल्ली-6,

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकानों की संख्या नं० 9697-9798 गली नीम वाली नवाब गंज दिल्ली में स्थित है।

कु० आर० के० चाहल,

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 8-9-1980.

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 सितम्बर, 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II, एस० आर०-I/1-80/6160:—अतः मुझे, कु० आर० के० चाहल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसका सं० एच/90-ए है, तथा जो कीर्ति नगर नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1980 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्लिखित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अर्थ आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री मोहन सिंह पुत्र श्री लाख सिंह निवासी एम०-3ई कीर्ति नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती अनीता रानी धर्मपत्नी अरविश पाल सिंह दुगल निवासी 13-ए/21, डब्ल्यू ई० ए०, करोल बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृष्टावरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाई मंजिला मकान जोकि प्लॉट नं० 90-ए, ब्लॉक एच, कीर्ति नगर, गांव के इलाके बसई दारापुर दिल्ली स्टेट दिल्ली में स्थित है।

कु० आर० के० चाहल,

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रेंज II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 8 सितम्बर, 1980।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 सितम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/एस०आर०-I/1-80/
6170—अतः मुझे, कु० आर० के० चाहल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० XII/9120 है तथा जो नवाब गंज आजाद
मार्केट दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
दिल्ली, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री कृष्ण लाल पुत्र बंसदा राम 9119-20, नवाब
गंज दिल्ली अपने प्राप और जर्नेल अटौरनी श्री
भगवान दास और संत लाल बंसदाराम।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती कौशल्या रानी विधवा राम सरन भाटिया
निवासी XII/9120 (जी० एक०) नवाब गंज
दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताखरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक जायात नं० /9120, नवाब गंज आजाद मार्केट
दिल्ली में स्थित है। जिस का क्षेत्रफल 132 वर्ग गज है।

कु० आर० के० चाहल,
सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज , दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 8-9-80.

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 सितम्बर 1980

निदेश सं० आई० ए० सी०/एन्यू/II/एस० आर०-I/1-80/

6174:—अतः मुझे, कु० आर० के० चाहल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० 2/3 का XI है तथा जो 3630 सरक नकार खाना पटौदी हाउस दरया गंज दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30-1-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं उक्त अधिनियम की धारा की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती प्रेम कौर धर्मपत्नी स्वर्गीय बकशी गुरचरण सिंह (2) बकशी अलामगीर सिंह पुत्र स्वर्गीय बकशी गुरचरण सिंह (3) बकशी दीरी रंग सिंह (4) बकशी जगतार सिंह पुत्र स्वर्गीय श्री गुरचरण सिंह निवासी लाल कोठी दरया गंज दिल्ली, (5) श्रीमति अमर कौर धर्मपत्नी चौधरी बरकत सिंह ऐडवोकेट निवासी चौक फरीद, अमृतसर। (6) बकशी अफताब सिंह पुत्र स्वर्गीय बकशी गुरचरण सिंह जिला और सेशन जज गुरदासपुर (7) श्री गुरपरीत सिंह पुत्र बकशी अफताब सिंह (8) मास्टर बीरेंद्र परीत सिंह और मास्टर हरेन्द्र सिंह माईनर उसके पिता द्वारा श्री बकशी अफताब सिंह जिला और सेशन जज गुरदासपुर (पंजाब)। (अन्तरक)

(1) स० साधू सिंह पुत्र स० भगत सिंह निवासी ई-155 अकत नई दिल्ली-17, (2) श्री ईशर सिंह पुत्र स० कृपाल सिंह निवासी 265 सेक्टर 15 फरीदाबाद, हरियाणा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

2/3 हिस्सा कोठी का लाल कोठी वैरिडिंग म्यूनिसिपल नं० XI/3830 सरक नकार खाना पटौदी हाउस दरया गंज दिल्ली में स्थित है। जोकि निम्न लिखित प्रकार से है।

उत्तर : नकार खाना रोड।

दक्षिण : डेविट स्ट्रीट।

पूर्व : बिल्डिंग जानी जाती है हैगिंग ब्रिज (भंडारी होमयोपैथस)।

पश्चिम : लाल कोठी का बचा हुआ 1/3 हिस्सा।

कु० आर० के० चाहल

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 8-9-1980

मोहर :

प्रकट आई० टी० एन० एस्०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 सितम्बर 1980

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/II/एस० आर०-II/1-80/3045:—अतः मुझे, कु० आर० के० चाहल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इससे पहले पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो 18 बीघा 6 बिघवानी और 4 बीघा और 2 बिघवा गांव नंगली पूना दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाय अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी, 1980

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन:—

10—276GI/80

(1) श्री लखीराम पुत्र श्री अभय राम निवासी गांव नंगली पूना दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स के० के० रबड़ इंडिया कम्पनी लिमिटेड सेमीपुरा बावली, दिल्ली-42।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताखती को प्राप्त लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जो कि खसरा नं० 20/7(18) बिघवा 6 बिघवानी और खसरा नं० 20/6 (4 बीघा 2 बिघवा गांव नंगली पूना, दिल्ली।

आर० के० चाहल

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 8-9-1980.

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)^k

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 सितम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/II/एस आर-II/1-80
3060:—अतः मुझे, कु० आर० के० चाहल,
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० ए०-1/49 है तथा जो पंखा रोड, रेजीडेन्सीयल
स्कीम में स्थित है (और इससे उपायद अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जनकपुरी,
में नई दिल्ली रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख जनवरी, 1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उमके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री चितन्या कुमार रामपाल सन आफ हंस राज राम
पाल ए-1/49 पंखा रोड, रेजीडेन्सीयल स्कीम,
जनकपुरी, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री सुशील कुमार एण्ड उमेश कुमार सन आफ शादी
लाल साहनी बी०-4/8, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय-20क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डबल स्टोरी बिल्डिंग जो की प्लॉट नं० 49, ब्लॉक नं०
ए-1, पंखा रोड, रेजीडेन्सीयल स्कीम, जनकपुरी, नई दिल्ली
में स्थित है जिसका क्षेत्रफल 126 वर्ग मीटर है।

कु० आर० के० चाहल

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 8-9-1980.

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०

(1) श्री हरिन्द्र सिंह पुत्र श्री करतार सिंह बी०-70
फतेह नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना(2) श्रीमती कुलराज कौर धर्मपत्नी श्री गुरवक्ष सिंह
6444-41, बागीची ईश्वरी प्रसाध बारा हिन्दु
राष्ट्रो, दिल्ली।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 सितम्बर 1980

निदेश सं० आई० ए० सी०/एन्यू/II/एस० आर०-II/1-80/

3073:—अतः मुझे, कु० आर० के० चाहल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० बी०-70 है तथा जो फतेह नगर मोहल्ला गुरु
नानक पुरा नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची
में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
दिल्ली में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख 22-1-1980को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब को उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा:—को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्यमान
गया है।

अनुसूची

एक मकान म्यूनिसिपल नं० बी-70 फतेह नगर नई
दिल्ली में स्थित है। जिस का क्षेत्रफल 200 वर्ग गज है जो कि
निम्नलिखित है।

उत्तर : राड 15' चौड़ी।

दक्षिण : रोड 25' चौड़ी

पश्चिम : बना हुआ मकान जो प्लॉट नं० 69

पूर्व : बना हुआ मकान जो प्लॉट नं० 71।

कु० आर० के० चाहल,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण,

अर्जन रेंज II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 8-9-1980

मोहर :

रूप आई. टी. ए. ई.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 सितम्बर 1980

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/II/एस० आर०-II/1-80/

3081:—अतः मुझे, कु० आर० के० चाहल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सी०-75 है तथा जो इंद्र पुरी नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जनवरी,
1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री मेजर के० सी० आनन्द पुत्र श्री चानन दास
आनन्द जी०-210 मालविया नगर ऐक्सटेंशन,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती चन्द्र कान्ता धर्मपत्नी श्री पी० सी० चौधरी
मार्फत के० सी० पुरी 55/1, पुराना राजिन्द्र नगर,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि का एक हिस्सा जो कि प्लॉट नं० सी०-75 इन्द्र
पुरी कालोनी नई दिल्ली में स्थित है जोकि निम्नलिखित
प्रकार से है। जिसका क्षेत्रफल 500 वर्ग गज है।

पूर्व : प्लॉट नं० सी०-74
पश्चिम : मकान प्लॉट नं० सी०-76
उत्तर : लेन
दक्षिण : रोड

कु० आर० के० चाहल
सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 8-9-1980.

मोहर :

प्ररूप आई० डी० एन० एच०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 सितम्बर 1980

निदेश सं० आई० ए० सी० एच०/II/एस० आर०-II/1-80/3081:—अतः मुझे, कु० आर० के० चाहल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० 20/44 है तथा जो पंजाबी बाग नई दिल्ली में स्थित है और (इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐत दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

(1) सं० निर्मल सिंह पुत्र सं० गंगा सिंह कापसहेड़ा, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री सुरेन्द्र मोहन अरोड़ा पुत्र श्री मोती राम अरोड़ा, 20/44 पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जेन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जेन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित से किये जा सकेंगे।

संशुद्ध करण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मंजिल भवन नं० 20 रोड नं० 14 पंजाबी बाग नई दिल्ली में स्थित है। जिस का क्षेत्रफल 277.80 वर्ग गज है।

कु० आर० के० चाहल

सक्षम प्राधिकारी;

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जेन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 8-9-1980.

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 सितम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सं०/एक्यू/II/एस० आर०-II/1-80/

3083:—यतः मुझे, कु० आर० के० चाहल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी ग० ए०-208 है तथा जो हरी नगर कलाक टावर, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिधारा के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नाराख जनवरी, 1980

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीष्ट नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वारस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के धारित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिधारा:—

(1) श्री महिन्द्र नाथ, सन आफ माधु राम, नय्यर, 7/7, रेलवे क्वार्टर किशन गंज, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री केशर सिंह सन आफ सन्ता सिंह, मकान नं० 16/139, गलानं० 2, टेन्क रोड, करोल बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लॉट जिनका नं० 203, गेट नं० ए०, हरी नगर कलाक टावर में स्थित है जिसका क्षेत्रफल 220 वर्ग मीटर है।

कु० आर० के० चाहल,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 8-9-1980

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 सितम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/II/एस० आर०-II/1-80/

3084:—यतः मुझे, कु० आर० के० चाहल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 53-बी/2 (हिस्सा) है तथा जो पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रिकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री सोहन सिंह एण्ड चरण दाम, सन आफ हजारी, मल, 83, पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री रोशन लाल, सन आफ धीरत राम, डब्ल्यू०-124, ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान जिसका नं० 2 है जो कि रोड नं० 53-बी०, पंजाबी बाग, मादीपुर स्टेट में स्थित है।

कु० आर० के० चाहल,

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 8-9-1980

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 सितम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एन०-II/एस० आर०-I/1-80/
6115:—यतः मुझे, कु० आर० के० चाहल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० के०-4/20 है तथा जो माडल टाऊन, दिल्ली में स्थित है (और हमने उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिनियम, तारीख 8-1-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के फट्टे प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कचित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या;

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या सन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री पुनीत कुमार अग्रवाल पुत्र श्री इन्द्र जीत अग्रवाल बा०-49, गुजरी बाजा टाऊन-I, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री मुरजीत मलोत्रा, श्रीमति मोहनी मलोत्रा, और श्रीमति उषा मलोत्रा निवासी के०-4 (के-4) माडल टाऊन, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक फ्री होल्ड प्लॉट नं० 20 ब्लॉक के०-14 जो कि माडल टाऊन कालीनी के नाम से जानी जाती है, गांव के इलाके मल्लकपुर वगैरही दिल्ली स्टेट विल्डो में स्थित है। जो कि निम्नलिखित प्रकार से घिरा हुआ है:—

ऊपर : प्लॉट नं० के-4/21

दक्षिण : प्लॉट नं० के-4/19

पूर्व : रोड

पश्चिम : प्लॉट नं० के-4/17

कु० आर० के० चाहल,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 8-9-1980.

मोहर :

प्रारूप आर्. टी. एन. ए. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 सितम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/एस० आर०-I/1-80/6146:—यतः मुझे, कु० आर० के० चाहल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० डी०-1/5 बी है तथा जो राणा प्रताप बाग दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्व संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्दूक प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसार, जो, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

11—276 GI/80

(1) श्री गुरचरण सिंह पुत्र फूला सिंह 5560 गली नं० 4, चन्द्रावल रोड, सब्जी मण्डी, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सावित्री देवी धर्मपत्नी तुलसी राम गुप्ता नं० 3 2657 बसती पंजाबी बाग, सब्जी मण्डी, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० डी-1/5 का आधा हिस्सा जो कि हम नम्बर से डी-1/5 बा से जाना जाता है। गांव सदौरा कलान महाल वार गाँव आबादी राणा प्रताप बाग दिल्ली में स्थित है। जो कि निम्नलिखित प्रकार में विभाजित है:—

उत्तर : रोड

दक्षिण : मकान आंमति लीला बती।

पूर्व : मकान नं० डी-16

पश्चिम : प्लॉट नं० डी-1/5 का आधा हिस्सा।

कु० आर० के० चाहल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 3-9-1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 3 सितम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/एस० आर०-1/1-80/6147—अतः मुझे कु० आर० के० बाहल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० डी०-1/5-ए है तथा जो राणा प्रताप बाग दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में स्थित रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से रूप के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कायम नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिम्मे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1 श्री गुरचरण सिंह पुत्र श्री फूला सिंह नं० 5560 गली नं० 4, नई चद्रावल सब्जी मण्डी दिल्ली।

(अन्तरक)

2 श्रीमती पुष्पा देवी पत्नी गौरी शंकर जिंदल 2675 बन्ती पंजाबिन सब्जी मण्डी दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संक्षेपण -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक फ्रीहोल्ड नं० डी-1/5-ए गांव सदौरा कलान, महासदार गार्डन आवदी राणा प्रताप बाग में स्थित है। जिसका क्षेत्रफल 148 वर्ग गज है जो कि निम्नलिखित प्रकार से घिरा हुआ है।

कु० आर० के० बाहल

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-II दिल्ली, नई दिल्ली-10002

तारीख: 3-9-1980

मोहर:

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 8 सितम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/एस० आर०-I/
1-80/6155—अतः मुझे, कु० आर० के० चाहल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन मसम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 9062 का आधा हिस्सा राम बाग रोड
दिल्ली में स्थित है (और इसे सपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय देहली में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन दिनांक 18 जनवरी 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है -

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य वास्तव्यों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स बर्तानिया इण्डस्ट्रीज लिमिटेड श्री पी० सी०
खन्ना डायरेक्टर के द्वारा, 15 तारातोला रोड कलकत्ता
(अन्तरक)

2. श्री संवल राम गुप्ता पुत्र श्री हरदुमारी लाल
निवासी बी-2/17 अशोक विहार फेज-II, नई
दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन
की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में कि जा सकेंगे।

स्वध्वीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक मकान नं० 9062 का आधा हिस्सा राम बाग रोड
दिल्ली में स्थित है। जिस का क्षेत्रफल 2151.50 वर्ग मीटर
है।

कु० आर० के० चाहल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 8-9-1980

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज II, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 8 सितम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/एस० आर०-1/
1-80/6156—यतः मुझे, कु० आर० के० चाहल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सशम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि व्यापार सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 1/2 हिस्सा 9062 का राम बाग रोड
दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन दिनांक 18 जनवरी 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
सबसे दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण निश्चित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की वास्तव उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाविल्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) किसी किसी धाय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा
के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित शक्तियों, अर्थात् :—

1 मैसर्स बर्तानिया इंडस्ट्रीज लिमिटेड पी० सी० खासा
डायरेक्टर के द्वारा 15 तारासोला रोड, कलकत्ता ।
(अन्तरक)

2. श्री सुरेन्द्र गुप्ता एच०-22 अशोक विहार, दिल्ली-
52 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के धर्जन के लिए
कार्यवाही कराई जावे।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्समंती व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त व्यापार सम्पत्ति में
हितवश किसी धर्म्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक मकान नं० 9062 का आधा हिस्सा जो कि राम
बाग रोड दिल्ली में स्थित है जिसका क्षेत्रफल 2151 वर्ग
मीटर है।

कु० आर० के० चाहल

सशम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 8-9-1980

मोहर:

प्रत्येक आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 सितम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/एस० आर०-1/
1-80/6159—यतः, मुझे कु० आर० के० चाहल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० बी०-72 है, तथा जो सी० सी० कालोनी
राणा प्रताप बाग दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी 1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा की 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्री अमरीक सिंह पुत श्री हजूर सिंह निवासी 72-
बी० सी० सी० कालोनी अपोजिट राणा प्रताप
बाग, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती चन्द्रकला धर्मपत्नी श्री उमा शंकर 790
कमला नगर, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रजन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजन के सम्बन्ध में कोई भी धात्रेय :—

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, यप्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक सिगल मकान नं० 72 बी० सी० सी० कालोनी
अपोजिट राणा प्रताप बाग में स्थित है। जिसका क्षेत्रफल
84 वर्ग गज है।

कु० आर० के० चाहल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 6-9-1980

मोहर :

प्ररूप आई टी. एन एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 10 सितम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-III/1-
80/892—यतः, मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० खाली भूमि है तथा जो 5 बीघा गांव खानपुर
देवली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती
(अन्तरितीया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसारण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा:—

(1) सुदर्शन जोहर धर्मपत्नी बिगेडियर आई० जे० एस०
जोहर राबिन्द्र पाल सिंह जोहर पुत्र बिगेडियर
आई० जे० एस० जोहर और श्रीमती रोहनी
जोहर पुत्री बिगेडियर आई० जे० एस० जोहर
सी०-150 डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती गुलशन कौर पुत्री श्री ज्ञान सिंह धर्म-
पत्नी श्री अमरजीत सिंह निवासी आर-211
मेटर कैलाश-I, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 5 बीघा खसरा नं० 594 ऐरिया 3 बीघा
18 बिस्वा खसरा नं० 601 ऐरिया 10 बीघा 2 बिस्वा
गांव खानपुर देवली, नई दिल्ली में स्थित है।

आर० बी० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 10-9-1980

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 10 सितम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-I/एस० आर०-III/

1-80/891—यतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो 5 बीघा गांव खानपुर देवली, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमती सुदर्शन जौहर धर्मपत्नी त्रिगेडियर आई० जे० एस० जौहर, राबिन्द्रपाल सिंह जौहर पुत्र त्रिगेडियर आई० जे० एस० और श्रीमती रोहनी जौहर पुत्री त्रिगेडियर आई० जे० एस० जौहर, निवासी सी०-105, डिफेंस कालोनी नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती प्रकाश कौर पुत्री मनी सिंह धर्मपत्नी जय सिंह, आर-211, ग्रेटर कैलाश-I, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जिस का क्षेत्रफल 5 बीघा कम पैरिजिंग पार्ट का हिस्सा नं० 601 ऐरिया 3 बीघा 14 बिस्वा खसरा नं० 602 ऐरिया 1 बीघा 6 बिस्वा, गांव खानपुर देवली, दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 10-9-1980

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 10 सितम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-III/

1-80/889—यतः, मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो 19 बीघा 19 बिस्वा गांव खानपुर नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी 1980

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किस्त, शेष या किसी नए या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमती सुदर्शन जोहर धर्मपत्नी त्रिगेडियर आई० जे० एस० जोहर श्री रविंद्र पाल सिंह जोहर पुत्र त्रिगेडियर आई० जे० एस० जोहर और श्रीमती रोहनी जोहर पुत्री त्रिगेडियर आई० जे० एस० जोहर निवासी सी०-105 डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती जिन्दर कौर पुत्री श्री भवतार सिंह निवासी आर-211 ग्रेटर कैलाश नई दिल्ली और सं० मनमोहन सिंह आर-211 ग्रेटर कैलाश-I, नई दिल्ली और धर्मवीर सिंह पुत्र श्री नारायण सिंह ई०-141 ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

(अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अयोग्यताधारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि गांव खानपुर देवली नई दिल्ली में स्थित है जिसका क्षेत्रफल 19 बीघा 19 बिस्वा है।

आर० बी० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 10-9-80

मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 सितम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-1/एस० आर०-II/1-80/899—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० ई-170 है तथा जो कालका जी नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23 जनवरी 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सत्या देव, ई-170, ग्रेटर कैलाश-I, नई दिल्ली। (अन्तरक)
2. श्री बलवंत सिंह नाग, ई-170, कालकाजी, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1 1/2 मजिल मकान जो कि फ्री होल्ड नं० ई०-170 कालकाजी, नई दिल्ली में स्थित है जो कि निम्न प्रकार से घिरा हुआ है।

East : 30 ft. wide lane
West : Park & lane
North : House No. E-171
South : House No. E-169

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

दिनांक : 10-9-1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 10 सितम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-1/एस० आर०-III/
1-80/886—यतः, मुझे, आर० बी० एस० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ए-193 है तथा जो डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 18 जनवरी 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री राज के मेहरा पुत्र श्री सर्व दयाल, सी०-18-9, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. डाक्टर आशा प्रकाश, ए-193 डिफेंस कालोनी नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान नं० ए०-193, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली में स्थित है जिसका क्षेत्रफल 216.66 वर्ग गज है। जोकि निम्न लिखित प्रकार से है।

आर० बी० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 10-9-1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 10 सितम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-I/एस० आर०-III

1-80/875—यतः, मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० एस-264 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-II, नई
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 15 जनवरी 1980

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती आशा मेहता, के०-9, कृष्णा नगर, दिल्ली उसके
जनरल अटोरनी श्री दीपक मलोत्रा, निवासी 4/12
निवासी 4/12 सर्व प्रिया बिहार, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री अनील कुमार उपल, निवासी एच-17/5, मालवीया
नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पस लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक प्लॉट नं० 264, ब्लॉक एस०, ग्रेटर कैलाश-II, नई
दिल्ली में स्थित है। जिस का क्षेत्रफल 299 वर्ग गज है। जो-
कि निम्न लिखित प्रकार से है।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 10-9-1980

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 10 सितम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-III/
1-80/867—यतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० I/45 है तथा जो जंगपुरा, नई दिल्ली में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 14 जनवरी 1980

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

1. श्रीमती धर्म देवी मेहता, ए-15/2, वसंत विहार, नई
दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री लाल चंद, फ्लैट नं० 23, जंगपुरा मार्केट, जंगपुरा
एक्शटेन्शन, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

2½ मंजिल बिल्डिंग म्यूनिसिपल नं० I-45, जंगपुरा
एक्शटेन्शन, नई दिल्ली में स्थित है जो कि निम्न प्रकार से है:—

पूर्व:—सर्विस लेन

पश्चिम:—रोड

दक्षिण:—सर्विस लेन

उत्तर:—मकान नं० I-44।

आर० बी० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 10-9-80

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

गण्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 10 सितम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-I/एस० आर० III/
1-80/885—यत्., मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इनके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० सी०-443 है तथा जो डिफेंस कालोनी, नई
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक 10 जनवरी 1980 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चह प्रतिशत अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है :—

(क) अन्तरण के दृष्टिकोणों और बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या एकम अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री किशन कुमार धर 159-डी, राजपुर रोड, देहरादून
(यू० पी०)।

(अन्तरक)

2. श्री के० प्रकाश आनन्द और श्रीमती एस० रानी,
दोनों निवासी 35/14 ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

2½ मजिल बिल्डिंग जमा एक गैरज और नौकर
क्वाटर, प्लॉट नं० सी०/433, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 10-9-1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 10 सितम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी० ए० यू०-1/एस० आर०-III

1-80/883—यतः मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एग्रीकल्चरल है तथा जो 5 बीघा 7 बिघवा, गांव होज रानी, तहसील महरोली नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी 1980

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री नवाब पुत्र मोजी, निवासी गांव होज रानी, तहसील महरोली, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मैसर्स जी० एस० दुगल व कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड, ए-12, बस्ट एराड नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि खसरा नं० 407(2-05), 408(2-09), 1/24th (0-04) और 1/2 423 (3-10) 1-15 और पूरा हिस्सा 420(3-08) जमा 5-07 गांव होज रानी तहसील महरोली, नई दिल्ली में स्थित है।

आर० बी० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण,

अर्जन रेंज-I दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 10-9-1980

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 10 सितम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-III
1-80/854---यतः, मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एस-42 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-II, नई
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायय अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 8 जनवरी 1980

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यहाँ विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमती रीटा आनन्द धर्मपत्नी श्री वेद प्रकाश आनन्द
निवासी Nil-74/A, मालवीया नगर
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री गुरबीन्द्रा सिंह खुराना, निवासी ई-118, ईस्ट ग्रेटर
कैलाश, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक फ्री होल्ड प्लॉट नं० 42 ब्लॉक नं० एस०, ग्रेटर कैलाश-II
नई दिल्ली में स्थित है। जिसका क्षेत्रफल 300 वर्ग गज
है।

पूर्व: सर्विस लेन

पश्चिम: रोड

उत्तर: प्लॉट नं० एस-40

दक्षिण: प्लॉट नं० एस-49।

आर० बी० एल० अग्रवाल,
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 10-9-1980

मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 सितम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/I/एस० आर०-III 1-80/858—यतः मुझे आर० वी० एल० अग्रवाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० I है तथा जो सैकिड फ्लोर कमर्शियल कम्प्लेक्स ग्रेटर कैलाश II, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1980

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 9 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त घन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) घन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के घन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा-269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मैसर्स डी० एल० एफ० विल्डट 21-22 नरेन्द्रा प्लेश पार्लियामेंट स्ट्रीट नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. डी० इन्दरी प्राइवेट लिमिटेड डब्ल्यू०-I, ग्रेटर कैलाश-I, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 1, सैकिड फ्लोर कमर्शियल कम्प्लेक्स ग्रेटर कैलाश II, नई दिल्ली।

आर० वी० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

'सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण

अर्जन रेंज I, नई दिल्ली

तारीख: 8-9-1980।

मोहर:

प्राप्त आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, एच ब्लॉक, विकास भवन, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 सितम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी० एक्स० II/एस० आर-III/80
857—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिस की सं० फ्लैट सं० 1 है तथा जो सैंफिड फ्लोर कमर्शियल
कम्प्लेक्स ग्रेटर कैलाश-II नई दिल्ली में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी 1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उपमे बढ़ने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

13—276GI/80

(1) डी० एल० एफ० बिलडर

21-22 नरणा प्लेश पार्लियामेंट स्ट्रीट नई दिल्ली
(अन्तरक)

(2) दी इवरी प्राईवेट लिमिटेड

डब्ल्यू-I, ग्रेटर कैलाश-I नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं० 6 सैंफिड फ्लोर कमर्शियल कम्प्लेक्स ग्रेटर कैलाश-II
नई दिल्ली ।

आर० बी० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली

दिनांक : 8 सितम्बर 1980

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, एच ब्लॉक विकास भवन आई०पी०ईस्टेट नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 8 सितम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/एस० आर०-III/1-80/
861—यतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सख्त प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्यावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
र० से अधिक है

और जिसकी सं० वैशमैट नं० 2 है तथा जो वैशमैट फ्लोर
कमर्शियल कम्प्लेक्स ग्रेटर कैलाश-II में स्थित है (और इससे
उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
जनवरी 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है ।--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित में कभी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपावे में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उप-धारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

1. मैसर्स डी० एल० एक० बिल्डर्स 21-22 मैरेन्डा
पलेश पार्लियामेंट स्ट्रीट नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. दी इन्दरी प्राइवेट लिमिटेड डब्ल्यू-I, ग्रेटर कैलाश-II,
नई दिल्ली ।

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ।--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्यावर संपत्ति में
नितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही पर्य्य होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

वैशमैट नं० 2 ; वैशमैट फ्लोर कमर्शियल कम्प्लेक्स ग्रेटर
कैलाश-II, नई दिल्ली ।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 8-9-1980
मोहर:

प्रारूप आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 सितम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-III

1-80/896—यतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो 17 बिघा 18 बिघा गांव सतवारी तहसील महरोली नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी 1980

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन:—

1. श्री अशोक कुमार थापर पुत्र श्री प्रेम नाथ थापर और प्रेम नाथ थापर पुत्र श्री कुंज बिहारी थापर निवासी अशोक थापर फार्म छत्तर पुर, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री अमृत लाल सरना पुत्र डाक्टर विद्या प्रकाश सरना निवासी बी०-4/39 सफवरजंग इनकलेव नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि खसरा नं० 518 (4—16) 519 (4—16) 520 (4—16) 523/2 (3—12) i.e. 17 बीघा 18 बिघा उसके साथ ट्यूबवैल गांव सतवारी तहसील महरोली नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 10-9-1980

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 सितम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/I/एस० आर०-III/

1-80/890—यतः, मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि 5 बीघा गांव खानपुर देवली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाय अन्तर्दूरी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसूच में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्रीमती सुदर्शन जीहर धर्मपत्नी विग्रेडयर आई० जी० एस० जीहर राविन्द्रपाल सिंह जीहर पुत्र विग्रेडयर आई० जी० एस० जीहर व रोहिन्दा जीहर पुत्री विग्रेडयर आई० जी० एस० जीहर निवासी सी-105 डिफेन्स कालोनी, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्रीमती हरदीत कौर पुत्री धर्म सिंह धर्मपत्नी नारायण सिंह ई-141 ग्रेटर कैलाश-I नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 5 बीघा कमपराईजिंग खसरा का हिस्सा सं० 593 एरिया 3 बीघा 11 बिस्वा खसरा नं० 605 एरिया 1 बीघा 9 बिस्वा गांव खानपुर देवली में स्थित है।

आर० बी० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक 10 सितम्बर 1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, एन ब्लॉक

नई दिल्ली-110002, दिनांक 8 सितम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-II/एस० आर०-III/1-80

869—अतः मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिस की सं० एन-16 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-I, नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 15-10-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उस के
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात्मक
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाता था, ठिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-अ के अनु-
सूचन में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री आर० एम० भन्डारी निवासी-140 ग्रेटर कैलाश
पार्ट-I, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री रविन्द्र सिंह टंडन नं० 16 ग्रेटर कैलाश-I, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अचन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक संजिल मकान जो कि प्लॉट नं० 16 ब्लॉक एन ग्रेटर
कैलाश-I नई दिल्ली में स्थित है। जिसका क्षेत्रफल 635 वर्ग
गज है। जो कि निम्नलिखित प्रकार से घिरा हुआ है।

आर० बी० एल० अग्रवाल

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 8 सितम्बर 1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 सितम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-III/

1-80/897—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बी-45 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-I नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक 22 जनवरी 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) तृप्ति किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1),
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमती चन्द्र ठांडा निवासी 654/1 गुरुदेव नगर
पखोवाल, लुधियाना

(अन्तरक)

2. मैसर्स दिलजीत एक्सपोर्ट्स (इण्डिया) प्राइवेट लिमिटेड
5/70 डब्ल्यू एफ० ए० करोल बाग, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० बी-45 ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली में स्थित है। जिसका
क्षेत्रफल 500 वर्ग गज है।

आर० बी० एल० अग्रवाल,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, विकास भवन एच ब्लॉक,

इन्द्र प्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 8 सितम्बर 1980

मोहर :

प्ररूप आर्द्द. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 सितम्बर 1980

निर्देश सं० आर्द्द० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-III/1-80/

876—अतः मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० 9 बीघा 9-2/3 बिस्वा (कृषि भूमि) गांव देवली तहसील में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली महारौली दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 16-1-80

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित ढङ्ग से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री साहिब सिंह पुत्र श्री नेकी निवासी गांव देवली तहसील महारौली, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री हरविंद पाल सिंह पुत्र श्री सोहन सिंह आनन्द एन-3 एन० डी० एस० ई० पार्ट-I नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शङ्कोपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि गांव देवली तहसील महारौली नई दिल्ली जिसकी आख्या निम्नलिखित है।

रेजूलेशन नं० रैक्ट नं० खसरा नं० एरिया बीघा बिस्वा

18/114	50	3	4	15
		4	4	10
		5	4	12
		6	4	16
		7	4	15
		8	4	16
		26	0	05
			28	09

1/3rd share being 9 Bigha 9-2/3 biswas

आर्द्द० बी० एल० अग्रवाल

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, विकास भवन, एच ब्लॉक,

इन्द्रप्रस्थ इस्टेट दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीखः 10-9-1980

मोहरः

प्रकाश आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 10 सितम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एम० आर०-III/1-80/877—यतः, मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1931 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो 1 बीघा 9-2/3 बिस्वा गांव देवली तहसील महरोली, नई दिल्ली में स्थित है (और इनसे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 16 जनवरी 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बावत्त्व से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री मोहिंद्र सिंह कन्स्टीट्यूट अटारनी करतार सिंह गांव देवली तहसील महरोली, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री हरविन्द्र पाल सिंह आनन्द एन०-3, एन० डी० एस० ई० पार्ट-I, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करवा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोवृत्ताश्रय के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि गांव देवली तहसील महरोली, नई दिल्ली जिस की आख्या निम्नलिखित है :—

रेजूलेशन नं०	रेक्टर नं०	खसरानं०	बीघा एरिया	बिस्वा
18/114	50	3	4	15
		4	4	10
		5	4	12
		6	4	16
		7	4	15
		8	4	16
		26	0	05

28 09

1/3rd share being 9 बीघा 9-2/3 बिस्वा

आर० बी० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली-110002

तारीख: 10-9-1980

मोहर:

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 10 सितम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-I/एस० आर०-III/

1-80/878—यतः मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो 9 बीघा 9-2/3 बिस्वा गांव देवली तहसील महरोली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 16 जनवरी 1980

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री जीत सिंह पुत्र श्री नेकी निवासी गांव देवली तहसील महरोली दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री हरविद्र पाल सिंह पुत्र मोहन सिंह आनन्द एन०-3 एन० डी० एम० ई०-1 नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि गांव देवली तहसील महरोली नई दिल्ली में है। जिसकी आख्या निम्नलिखित है:—

रैजुलेशन	रैक्ट नं०	खसरा नं०	बीघा	बिस्वा
18/114	50	3	4	15
		4	4	10
		5	4	12
		6	4	16
		7	4	15
		8	4	16
		26	0	05
			28	09

1-3rd share being 9 bigha 9-2/3 biswas

आर० बी० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

तारीख: 10-9-80

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 10 सितम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-/एस० आर०-
III/1-80/1734—यतः, मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके द्वारा 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25 000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० कृषि योग्य भूमि (8 बिघा 16 बि०) है
तथा जो मुलतानपुर तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित
है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक 28 जनवरी 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरक लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उसमें बचते में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

1. श्री बलबीर सिंह मेहराज सिंह, आशा राम पुत्र श्री
राम लाल गांव मुलतानपुर तहसील महरौली,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री प्रेम चन्व गुप्ता पुत्र श्री नथू राम केयर आफ
इन्डो स्वीस टाईम लि० गांव डूंडेरा, गुड़गांव
(हरयाणा)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि का उत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अघोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही पर्यं होगा, जो उन अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि योग्य भूमि जिसका क्षेत्रफल 8 बिघा और 16
बिस्वा खसरा नं० 64 जोकि गांव मुलतानपुर तहसील
महरौली, नई दिल्ली में स्थित है।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली-110002

तारीख : 10-9-1980
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 10 सितम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-III/1-80/1731—यतः मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि योग्य भूमि है तथा जो 19 बिघा 16 बिस्वा है तथा जो गांव मुलतानपुर तहसील महरोली नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16), के अधीन, दिनांक 25 जनवरी 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रामजी लाल पुत्र श्री नाथन सिंह गांव सुखतान पुर नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री प्रेम चन्द गुप्ता पुत्र श्री नथू राम केयर आफ इन्डो स्वीस टाईम लि० गांव डूडेहरा गुड़गांव (हरियाणा)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि योग्य भूमि जिसका क्षेत्रफल 9 बिघा 18 बिस्वा खसरा नं० 65 है तथा जो गांव मुलतानपुर तहसील महरोली नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 10-9-1980

मोहर :

प्रारूप आई०टी०एन०एस०—

1. डाक्टर कंवर सैन और श्रीमती शुशीला देवी नं० 126 पंचशीला पार्क नई दिल्ली।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली 110002, दिनांक 8 सितम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/एस० आर०-II/

1-80/1760—यतः मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 17 है जो कि स्ट्रीट नं० 1, शान्तिपथ एक्जटेंशन नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की व्यवस्था (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

2. श्रीमती सुधा जजोदिया धर्मपत्नी श्री एम० के० जजोदिया व सनदीप कुमार जजोदिया पुत्र एट० के० जजोदिया बी०-62 पश्चमी मार्ग वसंत विहार नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक सकान नं० 17 स्ट्रीट नं० -1 शान्ती पथ एक्जटेंशन नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 8-9-1980
मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

1. मैसर्स डी० एल० एफ० बिल्डर्स 21-22 नरेन्द्र प्लेस पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मैसर्स डिजाइन (नई दिल्ली) प्राइवेट लिमिटेड डब्ल्यू-1, ग्रेटर कैलाश-I, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अग्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किया जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक फ्लैट नं० 9 से 11, फस्ट फ्लोर कमर्शियल कम्प्लेक्स ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 सितम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-1/एस० आर०-III/1-80/866—यतः, मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० फ्लैट सं० 9 से 11 फस्ट फ्लोर कमर्शियल कम्प्लेक्स ग्रेटर कैलाश-II नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत्त में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यर्थात् :—

तारीख : 8-9-1980

मोहर :

आर० बी० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली

प्रकृति आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली-110002,

नई दिल्ली-110002 दिनांक 8 सितम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-I/एस० आर०-III/

1-80/865—अतः, मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 17 है, तथा जो ग्राऊंड फ्लोर कर्मशियल कम्प्लेक्स ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्वय में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मैसर्स डी० एल० एफ० बिल्डर्स 21-22, नई दिल्ली, पालियामेट स्ट्रीट, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मैसर्स डिजाईन (न्यू दिल्ली) प्राइवेट लिमिटेड कम-शियल कम्प्लेक्स, ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक दुकान नं० 17 ग्राऊंड फ्लोर, कर्मशियल कम्प्लेक्स, ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 8-9-1980

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

1. मैसर्स डी० एल० एफ० बिल्डर्स 21-22 नरेन्द्रा प्लेस पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 8 सितम्बर 1980

2. मैसर्स डिजाईन (नई दिल्ली) प्राइवेट लिमिटेड, डब्ल्यू-1, ग्रेटर कैलाश-I, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप: --

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०- / 1-80/864—यतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक है।

और जिसकी मं० प्लेट नं० 7 व 8 फस्ट फ्लोर है तथा जो कर्मशियल कम्पलैक्स ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उगाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; के लिए;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लेट नं० 7 व 8 फस्ट फ्लोर कर्मशियल कम्पलैक्स ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल,
सक्षम प्राधिकारी,सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

उक्त अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसारण है। मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्--

तारीख: 8-9-1980

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज I, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 8 सितम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू-/एस० आर०-III/
1-80/862/ —यतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 7 है तथा जो सैकिड फ्लोर कम-
शियल कम्प्लेक्स ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक जनवरी 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. मैसर्स डी० एल० एफ० बिल्डर्स 21-22, नरेन्द्र
प्लैश पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मैसर्स डिजाइन (न्यू दिल्ली) प्राइवेट लिमिटेड डब्ल्यू०-
I, ग्रेटर कैलाश-I, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 7 सैकिड फ्लोर, कमशियल कम्प्लेक्स ग्रेटर
कैलाश-II, नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 8-9-1980

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजंन रेंज-I, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 8 सितम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/एस० आर०-III/

1-80/863—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसको पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बैसमेंट नं० -1 बैसमेंट फ्लोर कमर्शियल कम्प्लेक्स ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उदाहरण में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जीद्द/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिओं, धर्मात् 1—

15-276 GI/80

1. मैसर्स डी० एल० एफ० बिल्डर्स 21-22 नरेन्द्र प्लेश पार्कियामैट स्ट्रीट, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मैसर्स डिजाईन (न्यू दिल्ली) प्राइवेट लिमिटेड इन्ड्यू०, ग्रेटर कैलाश-I नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान बैसमेंट नं०-1 बैसमेंट फ्लोर कमर्शियल कम्प्लेक्स ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजंन रेंज I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 8-9-1980

मोहर:

प्रकृप आई० टी० पुन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 8 सितम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-I/एस० आर०-III/

1-80/860—यतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सभ्य प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपय से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 1 है तथा जो सैकिड फ्लोर कर्मि-
शन कम्प्लेक्स ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है (और
इसमें उपावृद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
जनवरी 1980 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चदश प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के किए
तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तिनों
को जिनमें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. मैसर्स डी० एल० एफ० बिलडर्स 21-22, नरेन्द्र पलैस
पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. वी इनड्योर प्राइवेट लिमिटेड डल्ल्यू०-1, ग्रेटर कैलाश-I,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, जघोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पत्रों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 1 ए० सैकिड फ्लोर कर्मिशन कम्प्लेक्स, ग्रेटर
कैलाश-II, नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल,
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 8-9-1980

मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एन०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
289-घ (1) के अधीन सूचना

प्रत्यक्ष सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 8 सितम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/I/एस० आर०-JII/

1-80/859—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, (1961 1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
289-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्यावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 3 है तथा जो सैकिड फ्लोर कम-
मिशनल कम्प्लेक्स ग्रेटर कैलाश-II नई दिल्ली में स्थित है (और
इससे उपासद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
जनवरी 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिफल अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निहित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी धारा की राशत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उसे इतने में बुद्धि के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 289-घ के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 289-घ की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मैसर्स डी० एल० एफ० बिल्डर्स 21-22, नरेन्द्र पलेस
पालियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. दी इंदुरी प्राइवेट लिमिटेड डब्ल्यू०-I, ग्रेटर कैलाश-I,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्यावर संपत्ति में वित्त-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के धार्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

एक फ्लैट नं० 3, सैकिड फ्लोर कममिशनल कम्प्लेक्स
ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 8-9-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 10 सितम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-III/
1-80/1703—यतः, मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिस की सं० 7/21 बी है तथा जो नई रोहतक रोड नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक
5-1-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐम अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित शक्तियों, प्रणीतः—

(1) श्री चन्नुलाल 7/21 बी नई रोहतक रोड
नई दिल्ली-5।

(अन्तरक)

(2) वैश को० ए० आदर्श बैंक लि०
3-नेताजी सुभाष मार्ग नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक आई मंजिला मकान जो प्लॉट नं० 7 ब्लाक नं० 21-बी
पर बना है क्षेत्रफल 315 वर्ग गज है नई रोहतक रोड नई दिल्ली में
निम्न प्रकार स्थित है।

उत्तर : मेन रोहतक रोड

दक्षिण : पार्क व सर्विस लेन

पूर्व : प्लॉट नं० 6

पश्चिम : प्लॉट नं० 8

आर० बी० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 10 सितम्बर 1980

मोहर :

प्रकरण आई० डी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 सितम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० 1/एस० आर० III/1-80/
1735—यतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिस की सं० 169 है तथा जो गोल्फ लिक्स नई दिल्ली में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक
जनवरी 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धन की वास्तव उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती शकुन्तला भंडारी, ए-274 न्यू फरेन्स कालोनी
नई दिल्ली व कुसुम लता चोपड़ा एच-4/9 माडल
टाउन दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) भारत कन्सल्टेंट्स प्रा० लि० 15/96 सिविल लाइन्स
कानपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाखेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित सैं किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

लीजहोल्ड प्लॉट व विल्डिंग नं० 169 गोल्फ लिक्स नई दिल्ली

आर० बी० एल० अग्रवाल

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 10-9-80

मोहर :

प्रकरण आई०डी० एन० एल०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर, आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 सितम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० -/एस० आर० IV/1-80/
1277—प्रतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० डी० 3/20 है तथा जो कृष्ण नगर नई दिल्ली
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुमूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक
23-1-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, से निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी डन या अन्य वास्तवों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रसारित :-

(1) श्रीमती दुर्गा मेहता पत्नी हरीश मेहता डी-3/20
कृष्ण नगर नई दिल्ली-51 (अन्तरक)

(2) श्रीमती शीला बन्ती पत्नी कीमती लाल 322 रामनगर
दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करना हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित रख किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान प्लॉट नं० 20, क्षेत्रफल 200 वर्ग गज ब्लॉक डी-3,
कृष्ण नगर नई दिल्ली में निम्न प्रकार स्थित है।

उत्तर : सड़क

दक्षिण : सर्विस लेन

पूर्व : मकान नं० डी-3/21

पश्चिम : मकान नं० डी-3/19

आर० बी० एल० अग्रवाल

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 10 सितम्बर 1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 सितम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/-I/एस० आर० IV/
1-80/1285—यतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 6 है तथा जो चन्द्रावली कबूल नगर शाहदरा में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
जनवरी 1980

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाधित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्त-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती आशारानी पत्नी सुभाष चन्द निवाकी 6791
बी/1 कबूल नगर शाहदरा दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सतोष कुमारी जैन पत्नी रमेश कुमार जैन
2367 छत्ता शाहजी चावड़ी बाजार दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दो मंजिला मकान जो प्लॉट नं० 6 क्षेत्रफल 200 वर्ग गज,
खसरा नं० 1919/26 खेबट नं० 1734 खतूनी नं० 1882 पर
बना है गांव चन्द्रावली, कबूल नगर शाहदरा दिल्ली में स्थित
है।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 10 सितम्बर 1980

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 10 सितम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-
1-80/1761—यतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एल०-18 है तथा जो एन० डी० एस० ई०
भाग II नई दिल्ली में स्थित है (और इस से उपायद्व अनुसूची
में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिनांक 30 जनवरी 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
ने क्षिप्त, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या द्रव्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथावत:—

1. श्रीमती जसवन्त सैनी पत्नी श्री जगदीश सैनी निवासी
मुकरेन जिला होशियारपुर (पंजाब)
(अन्तरक)

2. श्री रघुबीर सिंह पुत्र जोध सिंह निवासी 674 नार्थ
ब्रिज रोड सिगापुर और श्रीमती भगवन्त कौर
पत्नी रघुबीर सिंह एल० 18 डी०एस०ई०, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशने की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश
किसी द्रव्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किप जा सके।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उप अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक ढाई मजिला मकान नं० एल०-18 जिसका क्षेत्रफल
500 वर्गगज है तथा जोकि नई दिल्ली साउथ एक्सटेन्शन भाग-II
नई दिल्ली में स्थित है।

पूर्व—सर्विस लेन

पश्चिम—रोड

उत्तर—प्लॉट नं० एल०/18 ए

दक्षिण—रोड

आर० बी० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 10-9-1980

मोहर :

प्रमाण आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 10 सितम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-1-80/1702—यतः मुझे, आर० बी० एल० अप्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि योग्य भूमि (18 बीघा 4 बिस्वा) है तथा जो गांव छत्तर पुर नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 11 जनवरी 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या प्रत्येक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्वय में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्ति, अर्थात् :—

16—276GI/80

1. श्री प्रेम कुमार सहगल पुत्र स्व० महेर चन्द सहगल निवासी बी-3 महारानी बाग नई दिल्ली।
(अन्तरक)

2. श्री रेनु नारायण पत्नी श्री अमरीत नारायण मास्टर तख्त सेठमास्टर वस्नन सेठ दोनों पुत्र श्री अनिल सेठ केयर आफ/1ए राजहंस 33 पृथ्वी रोड नई दिल्ली।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 26-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि योग्य भूमि जोकि 18 बिघा 4 बिस्वा खसरा नं० 727, 728, 729 और 730 जोकि गांव छत्तर पुर में स्थित है।

आर० बी० एल० अप्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 10-9-1980

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 10 सितम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-III
1-80/1713—यतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० XVI/10272 है तथा जो डब्ल्यू० ई० ए०
करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख 15 जनवरी 1980

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बर्ज़ार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
गन्वह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दाखिल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या, धिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती कृष्णा वस्ती पत्नी श्री महेर चन्द
1/50 डब्ल्यू० ए० करोल बाग और मोतिया देवी
पत्नी स्वी० श्री महेर चन्द सराफ 6/51 डब्ल्यू०
करोल बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. 1. श्री चुनी लाल पुत्र श्री रामलाल
(2) श्री हरिष
(3) श्री सुरेन्द्र कुमार और
(4) श्री राजेन्द्र पाल पुत्र श्री चुनी लाल निवासी
4868 गली नं० 36 रेगरपुरा करोल बाग
नई दिल्ली।

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धारणा :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पात
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक छोटी मंजिला मकान नं० XVI/10272 जो कि डब्ल्यू०
ई० ए० करोल बाग में स्थित है। जिसका क्षेत्रफल 234 वर्ग
गज है।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली

दिनांक : 10-9-1980
मोहर :

संघ लोक सेवा आयोग

नोटिस

भू-विज्ञानी परीक्षा, 1981

नई दिल्ली, दिनांक 11 अक्टूबर 1980

सं० 4/2/80-प I (ख)—भारत के राजपत्र दिनांक 11 अक्टूबर 1980 में इस्पात और खान मंत्रालय द्वारा प्रकाशित नियमों के अनुसार नीचे पैरा 2 में उल्लिखित पदों पर भर्ती के लिये संघ लोक सेवा आयोग द्वारा अमरतला, अहमदाबाद, एंजल, इलाहाबाद, बंगलौर, भोपाल, बम्बई, कलकत्ता, चण्डीगढ़, कोचीन, कटक, दिल्ली, बिसपुर (गोहाटी), हैदराबाद, इम्फाल, ईटानगर, जयपुर, जम्मू, जोरहाट, कोहिमा, लखनऊ, मद्रास, नागपुर, पणजी (गोवा), पटना, पोर्ट ब्लेयर, शिलांग, शिमला, श्रीनगर तथा त्रिवेन्द्रम में 24 मार्च, 1981 से एक प्रतियोगिता परीक्षा ली जायेगी।

आयोग यदि चाहे तो, परीक्षा के उपर्युक्त केन्द्रों तथा उसके प्रारम्भ होने की तारीख में परिवर्तन कर सकता है। परीक्षा में प्रवेश प्राप्त उम्मीदवारों को परीक्षा की समय सारणी तथा स्थान अथवा स्थानों के बारे में सूचित किया जायेगा (देखिये अनुबन्ध I पैरा 11)।

2. इस परीक्षा के परिणामों के आधार पर जिन पदों के वर्गों के लिये भर्ती की जाती है वे तथा विभिन्न पदों के लिये रिक्तियों की अनुमानित संख्याएँ नीचे दी जाती हैं:—

वर्ग I : (भारतीय भू विज्ञान सर्वेक्षण, इस्पात और खान मंत्रालय के पद)

(i) भू-विज्ञानी (कनिष्ठ) ग्रुप "क" 107 (इनमें अ० जा० के उम्मीदवारों के लिये 16 और अ० ज० जा० के लिये 8 आरक्षित रिक्तियाँ सम्मिलित हैं)।

(ii) सहायक भू-विज्ञानी ग्रुप "ख" 40 (इनमें अ० जा० के उम्मीदवारों के लिये 6 और अ० ज० जा० के लिये 3 आरक्षित रिक्तियाँ सम्मिलित हैं)।

वर्ग II : (केन्द्रीय भू-जल बोर्ड, कृषि मंत्रालय के पद) सहायक जल भू-विज्ञानी, ग्रुप "ख" 8 (इनमें अ० जा० के उम्मीदवारों के लिये 1 और अ० ज० जा० के लिये 1 आरक्षित रिक्ति सम्मिलित है)।

उपर्युक्त संख्याओं में परिवर्तन किया जा सकता है।

प्रारम्भ में नियुक्तियाँ अस्थाई आधार पर की जाएंगी। स्थाई रिक्तियाँ उपलब्ध होने पर उम्मीदवार अपने क्रमानुसार स्थाई रूप से नियुक्ति के पात्र होंगे।

3. उम्मीदवार उपर्युक्त पैरा 2 में उल्लिखित सभी या किसी एक पद पर नियुक्ति के लिये परीक्षा में प्रवेश हेतु आवेदन कर सकता है। उसे केवल उसी पद/उन्हीं पदों के लिये उम्मीदवार माना जायेगा जिसके/जिनके लिये वह आवेदन करेगा। एक बार आवेदन पत्र भेजे जाने के बाद सामान्यतः किसी प्रकार के परिवर्तन की अनुमति नहीं दी जायेगी।

यदि कोई उम्मीदवार एक से अधिक वर्ग के पदों के उम्मीदवार की हृसियत से प्रवेश पाना चाहता हो तो उसे भी एक ही आवेदन-पत्र भेजने की आवश्यकता है। नीचे पैरा 6 में उल्लिखित शुल्क भी उसे केवल एक बार देना होगा, उस प्रत्येक पद के लिये अलग-अलग नहीं जिसके लिये वह आवेदन कर रहा है।

ध्यान दें:—उम्मीदवारों से अपेक्षा की जाती है कि वे आवेदन-पत्रों में उन पदों का स्पष्टतया उल्लेख करें जिन पर वे वरीयता क्रम में विचार किये जाने के इच्छुक हों।

4. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को निर्धारित आवेदन-प्रपत्र पर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को आवेदन करना चाहिये। निर्धारित आवेदन-प्रपत्र तथा परीक्षा से संबंध पूर्ण विवरण दो रुपये देकर आयोग [से डाक द्वारा प्राप्त किये जा सकते हैं। यह राशि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को मनीआर्डर द्वारा या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली प्रधान डाक घर पर देय भारतीय पोस्टल आर्डर, द्वारा भेजी जानी चाहिये। मनीआर्डर/पोस्टल आर्डर के स्थान पर चैक या करेंसी नोट स्वीकार नहीं किये जायेंगे। ये आवेदन-प्रपत्र आयोग के काउंटर पर नकद भुगतान द्वारा भी प्राप्त किए जा सकते हैं। दो रुपये की यह राशि किसी भी हालत में वापस नहीं की जायेगी।

टिप्पणी:—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे अपने आवेदन-पत्र भू-विज्ञानी परीक्षा, 1980 के लिये निर्धारित मुद्रित प्रपत्र में ही प्रस्तुत करें। भू-विज्ञानी परीक्षा, 1980 के लिये निर्धारित आवेदन-प्रपत्रों से इनर प्रपत्रों पर भरे हुए आवेदन-पत्रों पर विचार नहीं किया जायेगा।

5. भरा हुआ आवेदन पत्र आवश्यक प्रलेखों के साथ सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को 8 दिसम्बर, 1980 (8 दिसम्बर, 1980 से पहले की किसी तारीख से विदेशों में तथा अण्डमान एवं निकोबार द्वीप समूह, लक्षद्वीप, असम, मेघालय, अरुणाचल

प्रदेश, भिजोरम मणिपुर, नागालैंड, त्रिपुरा, सिक्किम और जम्मू काश्मीर के लद्दाख डिवीजन में रहने वाले उम्मीदवारों के मामले में 22 दिसम्बर, 1980) तक या उससे पहले डाक अवश्य भिजवा दिया जाये या स्वयं आयोग के काउंटर पर आकर जमा करा दिया जाये। निर्धारित तारीख के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जायेगा।

विदेशों में या अण्डमान एवं निकोबार द्वीप समूह, लक्षद्वीप, असम मेघालय अरुणाचल प्रदेश, भिजोरम, मणिपुर, नागालैंड, त्रिपुरा, सिक्किम और जम्मू एवं काश्मीर के लद्दाख डिवीजन में रहने वाले उम्मीदवारों से आयोग यदि चाहे तो उस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिये कह सकता है कि वह 8 दिसम्बर, 1980 से पहले की किसी तारीख से विदेशों में या अण्डमान एवं निकोबार द्वीप समूह, लक्षद्वीप, असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, भिजोरम मणिपुर, नागालैंड त्रिपुरा सिक्किम और जम्मू एवं काश्मीर के लद्दाख डिवीजन में रह रहा था।

6. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को भरे हुए आवेदन-पत्र के साथ आयोग को रु० 48.00 (अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों के मामले में रु० 12.00) का शुल्क भेजना होगा जो कि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली के प्रधान डाकघर पर देय रेखांकित भारतीय पोस्टल आर्डर या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को भारतीय स्टेट बैंक की मुख्य शाखा नई दिल्ली पर देय भारतीय स्टेट बैंक की किसी भी शाखा से जारी किये गये रेखांकित बैंक ड्राफ्ट के रूप में हों।

विदेश में रहने वाले उम्मीदवारों को निर्धारित शुल्क भारत के उच्च आयुक्त राजदूत या विदेश स्थित प्रतिनिधि जैसी भी स्थिति हो, के कार्यालय में जमा करना होगा ताकि वह "051 लोक सेवा आयोग परीक्षा शुल्क" के लेखाशीर्ष में जमा हो जाए और आवेदन-पत्र के साथ उसकी रसीद लगा कर भेजनी चाहिये।

जिन आवेदन-पत्रों में उक्त अपेक्षाये पूरी नहीं होगी उन्हें एक दम अस्वीकार कर दिया जायेगा। यह उन उम्मीदवारों पर लागू नहीं होता जो नीचे के पैरा 7 के अन्तर्गत निर्धारित शुल्क से छूट चाहते हैं।

7. आयोग यदि चाहे तो, उस स्थिति में निर्धारित शुल्क से छूट दे सकता है, जब वह इस बात से संतुष्ट हो कि आवेदक या तो 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि में भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से भारत आया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है या बर्मा से वास्तविक रूप में प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके बाद

भारत आया है या वह श्रीलंका से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति है जो अक्टूबर, 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के अन्तर्गत 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद भारत आया है या आने वाला है और निर्धारित शुल्क देने की स्थिति में नहीं है।

8. जिस उम्मीदवार ने निर्धारित शुल्क का भुगतान कर दिया है किन्तु उसे आयोग द्वारा परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया गया हो तो उसे रु० 30.00 (अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के मामले में रु० 8.00) की राशि वापस कर दी जाएगी किन्तु यदि नियम 7 के नीचे नोट 1 की शर्तों के अनुसार परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवार का आवेदन-पत्र यह सूचना प्राप्त होने पर अस्वीकार कर दिया जाता है कि वह अर्हक परीक्षा में असफल रहा है अथवा वह उपर्युक्त नोट के उपबन्धों की अपेक्षाओं का अन्यथा पालन नहीं कर सकेगा तो वह शुल्क वापसी का हक दान नहीं होगा।

उपर्युक्त उपबन्धों को छोड़कर अन्य किसी भी स्थिति में आयोग को भुगतान किए गए शुल्क की वापसी के किसी दावे पर न तो विचार किया जाएगा और न ही शुल्क को किसी अन्य परीक्षा या चयन के लिए आरक्षित रखा जा सकेगा।

9. यदि कोई उम्मीदवार 1980 में भू-विज्ञानी परीक्षा में बैठा है और अब वह इस परीक्षा में प्रवेश का इच्छुक हो, तो वह परीक्षा परिणाम का अथवा नियुक्ति प्रस्ताव का प्रतीक्षा किए बिना अपना आवेदन-पत्र निर्धारित तारीख तक आयोग के कार्यालय में प्रस्तुत कर दे। यदि 1980 के परीक्षा परिणाम के आधार पर नियुक्ति हेतु उनकी अनुशांसा हो जाती है, तो 1981 के लिए उनकी उम्मीदवारी उनके अनुरोध पर रद्द कर दी जाएगी और उन्हें परीक्षा शुल्क वापस कर दिया जाएगा, किन्तु शर्त यह है कि उम्मीदवारी रद्द करने तथा शुल्क वापसी के बारे में उनका अनुरोध आयोग के कार्यालय में 1980 की परीक्षा के अन्तिम परिणाम की घोषणा के 30 दिन के भीतर प्राप्त हो जाए।

10. आवेदन-पत्र प्रस्तुत करने के बाद उम्मीदवारी की वापसी के लिए उम्मीदवार के किसी प्रकार के अनुरोध पर किसी भी परिस्थिति में विचार नहीं किया जाएगा।

11. जैसाकि नियमावली के परिशिष्ट 1 में निर्दिष्ट है सभी विषयों के प्रश्नपत्र 'वस्तुपरक' होंगे। नमूने के प्रश्न सहित वस्तु परक परीक्षण से सम्बन्ध विवरण के लिए कृपया "उम्मीदवार सूचना विवरणिका" का अनुबन्ध II देख लिया जाए।

विजय झा, उप-सचिव,
संघ लोक सेवा आयोग

अनुबन्ध Iउम्मीदवारों को अनुदेश

1. उम्मीदवारों को चाहिए कि वे आवेदन-पत्र भरने से पहले नोटिस और नियमावली को ध्यान से पढ़कर यह देख लें कि वे परीक्षा में बैठने के पात्र भी हैं या नहीं, निर्धारित शर्तों में छूट नहीं दी जा सकती है।

आवेदन-पत्र भेजने से पहले उम्मीदवार को नोटिस के पैरा 1 में दिए गए केन्द्रों में से किसी एक को, जहाँ वह परीक्षा देने का इच्छुक है, अंतिम रूप से चुन लेना चाहिए। सामान्यतः चुने हुए स्थान में परिवर्तन से सबंध किसी अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा।

2. उम्मीदवार को आवेदन-पत्र तथा पावती कार्ड अपने हाथ से ही भरने चाहिए। अधूरा या गलत भरा हुआ आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है;

सभी उम्मीदवारों को चाहे व पहले से सरकारी नौकरी में हों या सरकारी औद्योगिक उपक्रमों में या इसी प्रकार के अन्य संगठनों में हो या गैर-सरकारी संस्थाओं में नियुक्त हों अपने आवेदन-पत्र आयोग को सीधे भेजने चाहिए अगर किसी उम्मीदवार ने अपना आवेदन-पत्र अपने नियोक्ता के द्वारा भेजा हो और वह सघ लोक सेवा आयोग में देर से पहुंचा हो तो उस आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा भले ही वह नियोक्ता को आखिरी तारीख के पहले प्रस्तुत किया गया हो।

जो व्यक्ति पहले से ही सरकारी नौकरी में आकस्मिक या दैनिक दर कर्मचारी से इतर स्थायी या अस्थायी हैसियत में कार्यप्रसारित कर्मचारियों की हैसियत से काम कर रहे हैं उन्हें यह परिचय (अंडरटेकिंग) प्रस्तुत करना होगा कि उन्होंने लिखित रूप से अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष को सूचित कर दिया है कि उन्होंने इस परीक्षा के लिए आवेदन किया है।

3. उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के साथ निम्नलिखित प्रलेख अवश्य भेजने चाहिए :—

- (i) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डर या बैंक ड्राफ्ट या शुल्क माफी हेतु दावे के समर्थन में प्रमाण पत्र की अभि-प्रमाणित/प्रमाणित प्रति (देखिए : नोटिस का पैरा 6 और 7 और नीचे पैरा 6)।
- (ii) आयु के प्रमाणपत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।
- (iii) शैक्षिक योग्यता के प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।

(iv) उम्मीदवार को अपने हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 से० मी० × 7 से० मी०) के फोटो की दो एक जैसी प्रतियां भेजनी चाहिए। इनमें से एक प्रति आवेदन-पत्र के पहले पृष्ठ पर चिपका देनी चाहिए और दूसरी प्रति उपस्थिति पत्रक पर निर्धारित स्थान पर चिपका देनी चाहिए।

(v) उपस्थिति पत्रक (आवेदन-पत्र के साथ सलग्न) विधिवत भरा हुआ।

(vi) लगभग 11.5 से० मी० × 27.5 से० मी० आकार के बिना टिकट लगे हुए दो लिफाफे जिनपर आपका पता लिखा हो।

(vii) जहां लागू हो वहां अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति का होने के दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नीचे पैरा 4)।

(viii) जहां लागू हो वहां आयु में छूट के दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए, नीचे पैरा 5)।

टिप्पणी :— उम्मीदवारों को अपने आवेदन-पत्र के साथ उपर्युक्त मद (ii), (iii), (vii) और (viii) में उल्लिखित प्रमाण-पत्रों की केवल प्रतियां ही प्रस्तुत करनी हैं जो सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी द्वारा अभिप्रमाणित हो अथवा स्वयं उम्मीदवारों द्वारा सही प्रमाणित हो। जो उम्मीदवार परीक्षा के लिखित भाग के परिणाम के आधार पर व्यक्तित्व परीक्षण हेतु उन्हें साक्षात्कार के लिए अर्हता प्राप्त कर लेते हैं उपर्युक्त प्रमाण-पत्र मूल रूप में प्रस्तुत करने होंगे। लिखित परीक्षा के परिणाम संभवतः जून, 1981 किए जाएंगे उन्हें अपने मूल प्रमाण-पत्र साक्षात्कार के समय प्रस्तुत करने के लिए तैयार रखने चाहिए। जो उम्मीदवार उस समय अपेक्षित प्रमाण पत्र मूल रूप में प्रस्तुत नहीं करेंगे उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी और उनका आगे विचार किए जाने का दावा स्वीकार नहीं होगा।

उपर्युक्त मद (i) से (iv) तक में उल्लिखित प्रलेखों के विवरण नीचे दिए गए हैं। और मद (vii) और (viii) में उल्लिखित प्रलेखों के विवरण पैरा 4 और 5 में दिए गए हैं—

- (i) (क) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित इंडियन-पोस्टल आर्डर—प्रत्येक पोस्टल आर्डर अनिवार्यतः रेखांकित होना चाहिए और उस पर “सचिव, सघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली के प्रधान डाकघर पर देय” लिखा जाना चाहिए।

किसी अन्य डाकघर पर देय पोस्टल आर्डर किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विरूपित या कटे-फटे पोस्टल आर्डर भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

सभी पोस्टल आर्डरों पर जारी करने वाले पोस्ट मास्टर के हस्ताक्षर और जारी करने वाले डाकघर की स्पष्ट मुहर होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को यह अवश्य नोट कर लेना चाहिए कि जो पोस्टल आर्डर न तो रेखांकित किए गए हों और न ही सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली के प्रधान डाकघर पर देय हों, उन्हें भेजना सुरक्षित नहीं है।

(ख) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित बैंक ड्राफ्ट

बैंक ड्राफ्ट भारतीय स्टेट बैंक की किसी शाखा से प्राप्त किया जाए और वह सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को भारतीय स्टेट बैंक की मुख्य शाखा नई दिल्ली में देय हो, तथा विधिवत रेखांकित किया गया हो।

किसी अन्य बैंक में देय बैंक ड्राफ्ट किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विरूपित या कटे-फटे बैंक ड्राफ्ट भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

(ii) आयु का प्रमाण-पत्र : आयोग सामान्यतः जन्म की वह तारीख स्वीकार करता है जो मैट्रिकुलेशन के प्रमाण-पत्र या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण-पत्र या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मैट्रिकुलेशन के समकक्ष माने गए प्रमाण-पत्र या किसी विश्वविद्यालय द्वारा सधारित मैट्रिक पास छात्रों के रजिस्टर के उद्धरण में दर्ज की गई हो और वह उद्धरण विश्व-विद्यालय के समुचित प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित हो। जिस उम्मीदवार ने उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या उसके समकक्ष उत्तीर्ण कर ली है, वह उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र या समकक्ष प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत कर सकता है।

अनुदेशों के इस भाग में आए मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र के वाक्यांश के अन्तर्गत उपर्युक्त वैकल्पिक प्रमाण-पत्र सम्मिलित है।

कभी-कभी मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र में जन्म की तारीख नहीं होती या आयु के केवल पूरे वर्ष या पूरे वर्ष और गहाने हो दिए होते हैं। ऐसे मामलों में उम्मीदवारों को मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र की 3 अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के अतिरिक्त उस संस्था के हैडमास्टर/प्रिंसिपल से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए जहाँ से उसने मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण की हो। इस प्रमाण-पत्र में उस संस्था के दाखिला रजिस्टर में दर्ज की गई उसकी जन्म की तारीख या वास्तविक आयु लिखी होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र के साथ इन अनुदेशों में निर्धारित आयु का पूरा प्रमाण नहीं भेजा गया तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है। उन्हें यह भी चेतावनी दी जाती है कि आवेदन-पत्र में लिखी जन्म की तारीख मैट्रिकुलेशन प्रमाण-पत्र/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र में दी गई जन्म की तारीख से भिन्न हो और इसके लिए कोई स्पष्टीकरण न दिया गया हो तो आवेदन-पत्र रद्द किया जा सकता है।

टिप्पणी 1 :—जिन उम्मीदवारों के पास पढाई पूरी करने के बाद माध्यमिक विद्यालय छोड़ने का प्रमाण-पत्र हो; उसे केवल आयु से सम्बन्ध प्रबिष्टि वाले पृष्ठ की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए।

टिप्पणी 2 :—उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि उनके द्वारा किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए जन्म की तारीख एक बार लिख भेजने और आयोग द्वारा उसके स्वीकृत हो जाने के बाद किसी अगली परीक्षा में उसमें कोई परिवर्तन करने की अनुमति सामान्यतः नहीं दी जाएगी।

(II) शैक्षिक योग्यता का प्रमाण-पत्र : उम्मीदवार को एक ऐसे प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि अवश्य भेजनी चाहिए जिससे इस बात का प्रमाण मिल सके कि नियम 7 में निर्धारित योग्यताओं में से कोई एक योग्यता उसके पास है। भेजा गया प्रमाण-पत्र उस प्राधिकारी (अर्थात् विश्वविद्यालय या किसी अन्य परीक्षा निकाय) का होना चाहिए जिसने उसे योग्यता विशेष प्रदान की हो। यदि ऐसे प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि न भेजी जाए तो उम्मीदवार को उसे न भेजने का कारण अवश्य बताना चाहिए और अपेक्षित योग्यता से सम्बन्ध अपने दावे के प्रमाण में किसी अन्य प्रमाण-पत्र की प्रतिलिपि भेजनी चाहिए। आयोग इस साक्ष्य पर उसकी गुणवत्ता के आधार पर विचार करेगा, किन्तु वह उसे पर्याप्त मानने के लिए बाध्य नहीं होगा।

टिप्पणी :—यदि कोई उम्मीदवार ऐसी परीक्षा में बैठ चुका हो जिसे उत्तीर्ण कर लेने पर वह इस परीक्षा में बैठने का पात्र हो जाता है पर अभी उसे परीक्षा के परिणाम की सूचना न मिली हो तो वह भी इस परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए आवेदन कर सकता है। जो उम्मीदवार इस प्रकार की अर्हक परीक्षा में बैठना चाहता हो वह भी आवेदन कर सकता है। यदि ऐसे उम्मीदवार अन्य शर्तें पूरी करते हों तो उन्हें परीक्षा में बैठने दिया जाएगा। परन्तु परीक्षा में बैठने की यह अनुमति अन्तिम मानी

जाएगी और यदि वे अर्हक परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण जल्दी से जल्दी और हर हालत में 31 जुलाई, 1981 से पहले प्रस्तुत नहीं करते तो यह अनुमति रद्द की जा सकती है।

(iv) फोटो की दो प्रतियाँ: उम्मीदवार को अपने हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सें० मी० × 7 सें० मी०) के फोटो की दो एक जैसी प्रतियाँ भेजनी चाहिए। इनमें से एक प्रति आवेदन-पत्र पर चिपका देनी चाहिए और दूसरी प्रति उपस्थितिपत्रक में निर्धारित स्थान पर चिपका देनी चाहिए। फोटो की प्रत्येक प्रति के ऊपर उम्मीदवार को स्वतः के हस्ताक्षर करने चाहिए।

ध्यान दें:—उम्मीदवारों को ज्ञातनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र के साथ ऊपर पैरा 3(II), 3(III) और 3(IV) में उल्लिखित प्रमाण-पत्र आदि में से कोई एक संलग्न न होगा और उसे न भेजने का उचित स्पष्टीकरण भी वहीं दिया गया होगा तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है और इस अस्वीकृति के विरुद्ध कोई अपील नहीं सुनी जाएगी।

4. यदि कोई उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का होने का दावा करे तो उसे अपने दावे के समर्थन में उस जिले के जिसमें उसके माता-पिता (या जीवित माता या पिता) अग्रम तौर से रहते हों, जिसका अधिकारी उप-मण्डल अधिकारी या किसी अन्य ऐसे अधिकारी से जैसा कि नीचे उल्लेख किया गया है, जिसे संबंध राज्य सरकार ने यह प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सक्षम अधिकारी के रूप में नामित किया हो, नीचे दिए गए फार्म में प्रमाण-पत्र लेकर उसकी एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए। यदि उम्मीदवार के माता और पिता दोनों की मृत्यु हो गई हो तो यह प्रमाण-पत्र उस जिले के अधिकारी से लिया जाना चाहिए जहाँ उम्मीदवार अपनी शिक्षा से भिन्न किसी अन्य प्रयोजन से आम तौर पर रहता है।

भारत सरकार के अधीन पदों पर नियुक्ति के लिए आवेदन करने वाले अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत किया जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म।

..... सुपुत्र/सुपुत्री* जो
प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी*
जन्म/कन्या*
..... जिला/मंडल
राज्य/क्षेत्र राज्य क्षेत्र के/की
निवासी हैं जाति/जन*

जाति के/की* जिसे निम्नलिखित के अधीन अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति के रूप में मान्यता दी गई है:—

अनुसूचित जातियाँ और अनुसूचित जन जातियाँ सूचियाँ (आशोधन) आदेश, 1956; बम्बई पुनर्गठन अधिनियम, 1960; पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1960; हिमाचल प्रदेश राज्य अधिनियम, 1970; उत्तरी-पूर्वी क्षेत्र (पुनर्गठन) अधिनियम, 1971; और अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन जातियों आदेश (संशोधन) अधिनियम, 1976 द्वारा यथा संशोधित संविधान (अनुसूचित जातियाँ) आदेश, 1950,* संविधान (अनुसूचित जन जातियों) आदेश, 1950,* संविधान (अनुसूचित जातियाँ) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951 संविधान (अनुसूचित जन जातियाँ) (संघ राज्य क्षेत्र), *आदेश, 1951, संविधान (जम्मू और काश्मीर) अनुसूचित जातियाँ आदेश, 1956* ।

अनुसूचित जातियाँ तथा अनुसूचित जन जातियाँ (संशोधन) अधिनियम, 1976 द्वारा यथा संशोधित।

संविधान (अन्धमान और निकोबार द्वीप-समूह) अनुसूचित जन जातियाँ आदेश, 1959*

संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जातियाँ आदेश, 1962*

संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जन जातियाँ आदेश, 1962*

संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जातियाँ आदेश, 1964*

संविधान (अनुसूचित जन जातियाँ) (उत्तर प्रदेश) आदेश, 1967*

संविधान (गोआ दमन और दियु) अनुसूचित जातियाँ आदेश, 1968*

संविधान (गोवा, दमन और दियु) अनुसूचित जन जातियाँ आदेश, 1968*

संविधान (नागालैंड) अनुसूचित जन जातियाँ आदेश, 1976*

2. श्री/श्रीमती/कुमारी*

और/या* उनका परिवार आमतौर से गाँव/कस्बा

जिला/मंडल*

राज्य/संघ राज्य क्षेत्र

में रहते/रहती* हैं।

हस्ताक्षर

*पदनाम

(कार्यलय की मोहर सहित)

स्थान

दिनांक

राज्य/संघ* राज्यक्षेत्र

*जो शब्द लागू न हों उन्हें क्षपण काट दें।

टिप्पणी :—यहां प्रयुक्त आमतौर से रहते/रहती हैं वाक्यांश का अर्थ वही होगा जो "रिप्रेजेंटेशन आफ वि पीपुल ऐक्ट, 1950" की धारा 20 में है।

****जातियां/जन जातियां प्रमाण-पत्र जारी करने के सक्षम प्राधिकारी**

- (i) जिला मैजिस्ट्रेट/अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट/क्लेक्टर/डिप्टी कमिशनर / ऐडीशनल डिप्टी कमिशनर/डिप्टी क्लेक्टर/प्रथम श्रेणी का स्टाइपेंडरी मैजिस्ट्रेट/सिटी मैजिस्ट्रेट/सब-डिवीजनल मैजिस्ट्रेट/ताल्लुक मैजिस्ट्रेट/एक्जीक्यूटिव मैजिस्ट्रेट/एक्स्ट्रा असिस्टेंट कमिशनर (*प्रथम श्रेणी के स्टाइपेंडरी मैजिस्ट्रेट से कम ओहदे का नहीं)।
- (ii) चीफ प्रेसिडेंसी मैजिस्ट्रेट/ऐडीशनल चीफ प्रेसिडेंसी मैजिस्ट्रेट/प्रेसिडेंसी मैजिस्ट्रेट।
- (iii) रेवेन्यू अफसर जिसका ओहदा तहसीलदार से कम न हो।
- (iv) उस इलाके का सब-डिवीजनल अफसर जहां उम्मीदवार और / या उसका परिवार आमतौर से रहता हो।
- (v) ऐडमिनिस्ट्रेटर/ऐडमिनिस्ट्रेटर का सचिव/डेवलपमेंट अफसर, लक्षद्वीप।

5. (i) नियम 6 (ख) के अन्तर्गत आयु में छूट का दावा करने वाले भारतीय भू-वैज्ञान सर्वेक्षण और केन्द्रीय भू-जल बोर्ड में नियोजित व्यक्तियों को अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष से निम्नलिखित रूप में प्राप्त मूल प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना चाहिए :—

भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण के उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत कए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म।

"प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी* ————— भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण/केन्द्रीय भू-जल बोर्ड में दिनांक ————— से ————— के स्थायी / अस्थायी पद पर कार्यरत हैं।"

हस्ताक्षर _____
पदनाम _____
मंत्रालय/कार्यालय _____

कार्यालय की मुहर

*जो लागू न हो उसे काट दें

(ii) नियम 6 (ग) () या 6(ग) () के अन्तर्गत निर्धारित आयु सीमा में छूट का दावा करने वाले और / या उक्त नोटिस के पैराग्राफ (7) के अधीन शुल्क से छूट का दावा करने वाले भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से बिस्थापित व्यक्ति

को निम्नलिखित प्राधिकारियों में से किसी एक से लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से आया हुआ वास्तविक बिस्थापित व्यक्ति है और 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि के दौरान प्रजनन पर भारत आया है :—

- (1) वंडकारण्य परियोजना के ट्रांजिट केन्द्रों अथवा विभिन्न राज्यों में स्थित राहत शिविरों के कैम्प कमांडेंट।
- (2) उस क्षेत्र का जिला मैजिस्ट्रेट जहां वह इस समय निवास कर रहा है।
- (3) अपने-अपने जिलों में शरणार्थी पुनर्वास के प्रभारी अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट।
- (4) स्वयं प्रभारित सब-डिवीजन का सब-डिवीजनल अफसर।
- (5) उप-शरणार्थी पुनर्वास-आयुक्त पश्चिम बंगाल/निदेशक (पुनर्वास), कनकता।

(iii) नियम 6 (ग) (iv) अथवा 6(ग) (v) के अन्तर्गत निर्धारित आयु में छूट का दावा करने वाले और/या उक्त नोटिस के पैराग्राफ (7) के अधीन शुल्क से छूट का दावा करने वाले श्रीलंका से प्रत्यावर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाले मूलतः भारतीय व्यक्ति को श्रीलंका में भारत के उच्च आयुक्त के कार्यालय से लिए गए इस आशय का प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो 1 अक्टूबर, 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद भारत आया है या आने वाला है।

(iv) नियम 6(ग) (vi) अथवा 6(ग) () के अन्तर्गत निर्धारित आयु सीमा में छूट का दावा करने वाले और / या उक्त नोटिस के पैराग्राफ (7) के अधीन शुल्क से छूट का दावा करने वाले बर्मा से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति को भारतीय राजदूतावास, रंगून द्वारा दिए गए पहिचान प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है, अथवा उसे जिस क्षेत्र का वह निवासी है उसके जिला मैजिस्ट्रेट से लिये गए प्रमाण-पत्र की अभि-प्रमाणित-प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह बर्मा से आया हुआ वास्तविक प्रत्या-वर्तित व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है।

(v) नियम 6(ग) (vi) के अन्तर्गत आयु में छूट चाहने वाले कीनिया, उगांडा, तथा संयुक्त गणराज्य तंजानिया से प्रजनन कर आए हुए या जाम्बिया, मलावी, जेरे तथा इथियोपिया से प्रत्यावर्तित हुए उम्मीदवार को उस क्षेत्र के

जिला मैजिस्ट्रेट से जहाँ वह इस समय निवास कर रहा है, लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह वास्तव में उपर्युक्त देशों में प्रव्रजन कर आया है।

(vi) नियम 6(ग) (ix) अथवा 6(ग) (x) के अन्तर्गत आयु-सीमा में छूट चाहने वाले ऐसे उम्मीदवार को, जो रक्षा सेवा में कार्य करते हुए विकलांग हुआ है, महानिदेशक, पुनर्स्थापन, रक्षा मंत्रालय, से निम्नलिखित निर्धारित फार्म पर इस आशय का एक प्रमाण-पत्र लेकर उसकी एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह रक्षा सेवा में कार्य करते हुए विदेशी शत्रु के साथ संघर्ष में अथवा अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुआ और परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुआ।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म :—

प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट _____ के
रैंक नं० _____ श्री _____ रक्षा
सेवाओं में कार्य करते हुए विदेशी देश शत्रु के साथ संघर्ष
में/अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग
हुए और उस विकलांगता के परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए।

हस्ताक्षर _____
पदनाम _____
दिनांक _____

*जो शब्द लागू न हों उसे कृपया काट दें।

(vii) नियम 6(ग) (xi) अथवा 6(ग) (xii) के अन्तर्गत आयु-सीमा में छूट चाहने वाले उम्मीदवार को, जो सीमा सुरक्षा दल, गृह में कार्य करते हुए विकलांग हुआ है महानिदेशक, सीमा सुरक्षा दल मंत्रालय से नीचे निर्धारित फार्म पर लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए 1971 के भारत-पाक संघर्ष के दौरान विकलांग हुआ और परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुआ।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण पत्र का फार्म :—

प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट _____ के
रैंक नं० _____ सीमा
सुरक्षा दल में कार्य करते हुए सन् 1971 के भारत-पाक
संघर्ष के दौरान विकलांग हुए और उस विकलांगता के
परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए।

हस्ताक्षर _____
पदनाम _____
दिनांक _____

(viii) नियम 6(ग) (xiii) के अन्तर्गत निर्धारित आयु सीमा में छूट का दावा करने वाले वियतनाम में प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति को फिलहाल जिस क्षेत्र का वह निवासी है, उसके जिला मैजिस्ट्रेट से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभि-प्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह वियतनाम से आया हुआ वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है और वियतनाम से जुलाई, 1975 से पहले भारत नहीं आया है।

6 जो उम्मीदवार ऊपर पैरा 5(ii), 5(iii) और 5(iv) में से किसी भी वर्ग से सम्बद्ध है तथा नोटिस के पैरा 6 के अनुसार शुल्क में छूट का दावा करता है, उसको किसी जिला अधिकारी या सरकार के राजपत्रित अधिकारी या संसद सदस्य या राज्य विधान मंडल के सदस्य से, यह दिखलाने के लिए कि वह निर्धारित शुल्क देने की स्थिति में नहीं है, इस आशय का एक प्रमाण-पत्र लेकर उसकी अभि-प्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी होगी।

7 जिस व्यक्ति के लिए पात्रता प्रमाण-पत्र आवश्यक हो उसे परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है। किन्तु उसे नियुक्ति प्रस्ताव भारत सरकार के इस्पात और खान मंत्रालय (खान विभाग) या कृषि मंत्रालय (कृषि तथा सहकारिता विभाग) जैसी भी स्थिति हो द्वारा आवश्यक पात्रता प्रमाण-पत्र जारी कर दिए जाने के बाद ही दिया जाएगा।

8 उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे आवेदन पत्र भरते समय कोई झूठा ब्योरा न दें अथवा किसी महत्वपूर्ण सूचना को न छिपाएं।

उम्मीदवारों को यह भी चेतावनी दी जाती है कि वे अपने द्वारा प्रस्तुत किए गए किसी प्रलेख अथवा उसकी प्रति की किसी प्रविष्टि को किसी भी स्थिति में न तोड़ोकर न उसमें कोई परिवर्तन करें और न कोई फेर बदल करें और न ही कोई फेर बदल किए गए/भूटे प्रलेख प्रस्तुत करें। यदि ऐसे दो या इससे अधिक प्रलेखों या उनकी प्रतियों में कोई अशुद्धि अथवा विसंगति होती विसंगति के संबंध में स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया जाए।

9. आवेदन-पत्र देर से प्रस्तुत किए जाने पर देरी के कारण के रूप में यह तर्क स्वीकार नहीं किया जाएगा कि आवेदन-पत्र ही असुक्त तारीख को भेजा गया था। आवेदन-पत्र का भेजा जाना ही स्वतः इस बात का सूचक न होगा कि आवेदन-पत्र पाने वाला परीक्षा में बैठने का पात्र हो गया है।

10 यदि उक्त परीक्षा से सम्बद्ध आवेदन-पत्रों की प्राप्ति की आखिरी तारीख से एक महीने के भीतर उम्मीदवार को अपने आवेदन पत्र की पावती की सूचना न मिले तो उसे पावती सूचना प्राप्त करने के लिए आयोग से तत्काल सम्पर्क करना चाहिए।

11. इस परीक्षा के प्रत्येक उम्मीदवार को उसके आवेदन-पत्र के परिणाम की सूचना यथाशीघ्र दे दी जाएगी। किन्तु यह नहीं कहा जा सकता कि परिणाम कब सूचित किया जाएगा। यदि परीक्षा के शुरु होने की तारीख से एक महीने पहले तक उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के परिणाम के बारे में संघ लोक सेवा आयोग से कोई सूचना न मिले तो परिणाम की जानकारी के लिए उसे आयोग से तत्काल सम्पर्क स्थापित करना चाहिए। यदि उम्मीदवार ने ऐसा न किया तो वह अपने मामले में विचार किए जाने के दावे से वंचित हो जाएगा।

12. भू-विज्ञानी परीक्षा, 1978 में इस परीक्षा की योजना में सम्मिलित समस्त प्रश्न-पत्रों के लिए वस्तुपरक प्रश्नों के लागू किए जाने पर इस परीक्षा के लिए नियमावली और प्रश्न-पत्रों सहित पुस्तिका का मुद्रण बंद कर दिया गया है। फिर भी जिन पुस्तिकाओं में नियमावली तथा पिछली परीक्षाओं 1977 तक भू-विज्ञानी परीक्षा के प्रश्न पत्रों का ब्यौरा सम्मिलित है, उनकी बिक्री प्रकाशन नियंत्रक, सिविल लाइन्स, दिल्ली-110054 के द्वारा की जाती है और उन्हें वहां से मेन आर्डर अथवा नकद भुगतान द्वारा सीधे प्राप्त किया जा सकता है। उन्हें (i) किताब महल, रिवोली सिनेमा के सामने एम्पोरियम बिल्डिंग, 'सी' ब्लॉक, बाबा खड़क सिंह मार्ग, नई दिल्ली-110011 और (ii) प्रकाशन शाखा का बिक्री काउंटर, उद्योग भवन, नई दिल्ली-110011 और (iii) गवर्नमेंट आफ इंडिया बुक डिपो, 8 के० ए० राय रोड, कलकत्ता-700001 से भी नकद पैसा देकर खरीदा जा सकता है। ये पुस्तिकाएं विभिन्न मुफ्तिसल नगरों में भारत सरकार के प्रकाशन एजेंटों से भी प्राप्त की जा सकती हैं।

13. आवेदन पत्रों से संबद्ध पत्र व्यवहार—आवेदन पत्रों से संबद्ध सभी पत्र आदि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, ग्राहजहां रोड, नई दिल्ली-110011 को भेजे जाएं तथा उनमें नीचे लिखा ब्यौरा अनिवार्य रूप से दिया जाए :—

- (i) परीक्षा का नाम।
- (ii) परीक्षा का महीना और वर्ष।
- (iii) उम्मीदवार का रोल नम्बर अथवा जन्म की तारीख, यदि रोल नम्बर सूचित नहीं किया गया है।
- (iv) उम्मीदवार का नाम (पूरा तथा बड़े अक्षरों में)।
- (v) आवेदन-पत्र में दिया गया पत्र व्यवहार का पता।

ध्यान दें (i):—जिन पत्रों आदि में उपर्युक्त ब्यौरा नहीं होगा, संभवतः उन पर ध्यान नहीं दिया जाएगा।

ध्यान दें (ii):—यदि परीक्षा की समाप्ति के बाद किसी उम्मीदवार से पत्र प्रेषण प्राप्त होता है तथा इसमें उसका पूरा नाम और अनुक्रमांक नहीं दिया गया है तो उस पर ध्यान नहीं दिया जाएगा और कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी।

14. पत्रों में परिवर्तन :—उम्मीदवार की इस बात की व्यवस्था कर लेनी चाहिए कि उसके आवेदन-पत्र में उल्लिखित पत्र पर भेजे गए पत्र आदि, आवश्यक होने पर, उसको बदले हुए पत्र पर मिल जाया करें। पत्रों में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर आयोग को उसकी सूचना उपर्युक्त पैरा 13 में उल्लिखित ब्यौरे के साथ, यथाशीघ्र दी जानी चाहिए। यद्यपि आयोग ऐसे परिवर्तन पर ध्यान देने का पूरा-पूरा प्रयत्न करता है किन्तु वह इस विषय में वह कोई जिम्मेदारी स्वीकार नहीं कर सकता।

अनुबंध II

उम्मीदवारों को सूचनार्थ विवरणिका

क वस्तुपरक परीक्षण

आप जिस परीक्षा में बैठने वाले हैं, उसको "वस्तुपरक परीक्षण" कहा जाता है। इस प्रकार के परीक्षा में आपको उत्तर फेलाकर लिखने नहीं होंगे। प्रत्येक प्रश्न (जिसको आगे प्रश्नांश कहा जाएगा) के लिए कई संभाव्य उत्तर दिए जाते हैं। उनमें से प्रत्येक के लिए एक उत्तर (जिसको आगे प्रत्युत्तर कहा जाएगा) आपको चुन लेना है।

इस विवरणिका का उद्देश्य आपको इस परीक्षा के बारे में कुछ जानकारी देना है जिससे कि परीक्षा के स्वरूप से परिचित न होने के कारण आपको कोई हानि न हो।

ख परीक्षण का स्वरूप

प्रश्न पत्र "परीक्षण पुस्तिका" के रूप में होंगे। इस पुस्तिका में क्रम संख्या 1, 2, 3 के क्रम में प्रश्नांश होंगे। हर प्रश्नांश के नीचे a, b, c क्रम में संभावित प्रत्युत्तर लिखे होंगे। आपको प्रत्येक प्रश्न के लिए एक सही तथा यदि एक से अधिक प्रत्युत्तर सही हैं तो उनमें से सर्वोत्तम प्रत्युत्तर का चुनाव करना होगा। (अंत में दिए गए नमूने के प्रश्नांश देख लें) किसी भी स्थिति में, प्रत्येक प्रश्नांश के लिए आपको एक ही प्रत्युत्तर का चुनाव करना होगा। यदि आप एक से अधिक चुन लेते हैं तो आपका उत्तर गलत माना जाएगा।

ग उत्तर देने की विधि

उत्तर देने के लिए आपका अलग से एक उत्तर पत्रक परीक्षा भवन में दिया जाएगा। आपको अपने उत्तर इस उत्तर पत्रक में लिखने होंगे। परीक्षण पुस्तिका में या उत्तर पत्रक को छोड़कर अन्य किसी कागज पर लिखे गए उत्तर जाचे नहीं जाएंगे।

उत्तर पत्रक में प्रश्नांशों की संख्या 1 से 200 तक चार खण्डों में छापी गई है। प्रत्येक प्रश्नांश के सामने a, b, c, d, e 3 के क्रम से प्रत्युत्तर छपे होंगे? परीक्षण पुस्तिका के प्रत्येक प्रश्नांशों को पढ़ लेने और यह निर्णय करने के बाद कि कौनसा प्रत्युत्तर सही वा सर्वोत्तम है, आपको उस प्रत्युत्तर के अक्षर को दर्शाने वाले आयत को पेसिल से काला बनाकर उसे अंकित कर देना है, जैसा कि सलग्न उत्तर पत्रक के नमूने पर दिखाया गया है। उत्तर पत्रक के आयत को काला बनाने के लिए स्याही का प्रयोग नहीं करना चाहिए।

1. [a] [b] [c] [d] [e]

2. [a] [b] [c] [d] [e]

3. [a] [b] [c] [d] [e]

इसलिए यह जरूरी है कि —

1 आप प्रश्नांशों के उत्तरों के लिए केवल अच्छी किस्म की एच० बी० पेसिल (पेसिलो) ही लाएं और उन्हीं का प्रयोग करें।

2 अगर आपने गलत निशान लगाया है, तो उसे पूरा मिटाकर फिर से सही उत्तर का निशान लगा दें। इसके लिए आप अपने साथ एक रबड़ भी लाएं।

3 उत्तर पत्रक का उपयोग करते समय कोई ऐसी असावधानी न हो जिससे वह खराब हो जाए या उसमें मोड़ व सलबट आदि पड़ जायें और वह टेढ़ा हो जाए।

घ कुछ महत्वपूर्ण नियम

1 आपकी परीक्षा आरंभ करने के लिए निर्धारित समय से बीस मिनट पहले परीक्षा भवन में पहुंचना होगा और पहुंचते ही अपना स्थान ग्रहण करना होगा।

2 परीक्षण शुरू होने के 30 मिनट बाद किसी को परीक्षण में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

3 परीक्षा शुरू होने के बाद 45 मिनट तक किसी को परीक्षा भवन छोड़ने की अनुमति नहीं मिलेगी।

4 परीक्षा समाप्त होने के बाद परीक्षण पुस्तिका और उत्तर पत्रक पर्यवेक्षक को सौंप दें, आपको परीक्षण पुस्तिका परीक्षा भवन से बाहर ले जाने की अनुमति नहीं है। इन नियमों का उल्लंघन करने पर कड़ा दण्ड दिया जाएगा।

5 उत्तर पत्रक पर नियत स्थान पर परीक्षा/परीक्षण का नाम, अपना रोल नम्बर, केन्द्र, विषय, परीक्षण की तारीख और परीक्षण पुस्तिका की क्रम संख्या स्याही से साफ लिखें। उत्तर पत्रक पर आप कहीं भी अपना नाम न लिखें।

6 परीक्षण पुस्तिका में दिए गए सभी अनुदेश आपको सावधानी से पढ़ने हैं। संभव है कि इन अनुदेशों का सावधानी से पालन न करने से आपके नम्बर कम हो जाएं। अगर उत्तर पत्रक पर कोई प्रविष्टि सदिग्ध है, तो उस प्रश्नांश के लिए आपको कोई नम्बर नहीं मिलेगा। पर्यवेक्षक के दिए गए अनुदेशों का पालन करें। जब पर्यवेक्षक किसी परीक्षण या उसके किसी भाग को आरम्भ या समाप्त करने को कह दें तो उनके अनुदेशों का तत्काल पालन करें।

7. आप अपना प्रवेश प्रमाण पत्र साथ लाएं। आपको अपने साथ एक एच० बी० पेसिल, एक रबड़, एक पेसिल शार्प-नर और नीली या काली स्याही वाली कलम भी लानी होगी। आपको सलाह दी जाती है कि आप अपने साथ एक क्लिप बोर्ड या हाई बोर्ड या कार्ड बोर्ड लाएं जिस पर कुछ लिखा न हो। आपको परीक्षा भवन में कोई कच्चा कागज या कागज का टुकड़ा पैमाना या आरेखण उपकरण नहीं लाने हैं क्योंकि उनकी जरूरत नहीं होगी। यदि आप मांगेंगे तो कच्चे काम के लिए आपको एक अलग कागज दिया जाएगा। आप कच्चा काम शुरू करने के पहले उस पर परीक्षा का नाम, अपना रोल नम्बर और तारीख लिखें और परीक्षण समाप्त होने के बाद उसे अपने उत्तर पत्रक के साथ पर्यवेक्षक को पास कर दें।

ङ विशेष अनुदेश

जब आप परीक्षा भवन में अपने स्थान पर बैठ जाते हैं तब निरीक्षक से आपको उत्तर पत्रक मिलेगा। उत्तर पत्रक पर अपेक्षित सूचना अपनी कलम से भर दें। यह काम पूरा होने के बाद निरीक्षक आपको परीक्षण पुस्तिका देंगे। परीक्षण पुस्तिका मिलने पर आप यह अवश्य देख लें कि उस पर पुस्तिका की संख्या लिखी हुई है। अन्यथा, उसे बदलवा लें। जब यह हो जाए तब आपको उत्तर पत्रक के सम्बद्ध खाने में अपनी परीक्षण पुस्तिका की क्रम संख्या लिखनी होगी। जब तक पर्यवेक्षक परीक्षण पुस्तिका को खोलने को न कहें तब तक उसे न खोला जाए।

च कुछ उपयोगी सुझाव

यद्यपि इस परीक्षण का उद्देश्य आपकी गति की अपेक्षा शुद्धता को जाचना है, फिर भी यह जरूरी है कि आप अपने समय का दक्षता से उपयोग करें। संतुलन के साथ आप जितनी जल्दी आगे बढ़ सकते हैं, बड़े, पर लापरवाही न हो

अगर आप सभी प्रश्नों के उत्तर नहीं दे पाते हैं तो चिंता न करें। आपको जो प्रश्न अत्यन्त कठिन मालूम पड़ें, उन पर समय व्यर्थ न करें। दूसरे प्रश्नों की ओर बढ़ें, और उन कठिन प्रश्नों पर बाद में विचार करें।

सभी प्रश्नों के अंक समान होंगे। सभी प्रश्नों के उत्तर दें। आपके द्वारा अंकित सही प्रत्युत्तरों की संख्या के आधार पर आपको अंक दिए जायेंगे। गलत उत्तरों के अंक नहीं काटे जाएंगे।

छ परीक्षण का समापन

जैसे ही पर्यवेक्षक आपको लिखना बन्द करने को कहें, आप लिखना बन्द कर दें। आप तब तक अपने स्थान पर बैठे रहें जब तक निरीक्षक आपके यहाँ आकर सभी आवश्यक सामग्री न ले जाएं और आपको “हाल” छोड़ने की अनुमति न दें। आपको परीक्षण पुस्तिका और उत्तर पत्रक और कच्चा कार्य करने के लिए कागज परीक्षा भवन से बाहर ले जाने की अनुमति नहीं है।

नमूने के प्रश्न

1. मौर्य वंश के पतन के लिए निम्नलिखित कारणों में से कौनसा उत्तरदायी नहीं है?

- (a) अशोक के उत्तराधिकारी सबके सब कमजोर थे।
- (b) अशोक के बाद साम्राज्य का विभाजन हुआ।
- (c) उत्तरी सीमा पर प्रभावशाली सुरक्षा की व्यवस्था नहीं हुई।
- (d) अशोकोत्तर युग में आर्थिक रिक्तता थी।

2. संसदीय स्वरूप की सरकार में

- (a) विधायिका न्यायपालिका के प्रति उत्तरदायी है।
- (b) विधायिका कार्यपालिका के प्रति उत्तरदायी है।

- (c) कार्यपालिका विधायिका के प्रति उत्तरदायी है।
- (d) कार्यपालिका विधायिका के प्रति उत्तरदायी है।
- (e) कार्यपालिका न्यायपालिका के प्रति उत्तरदायी है।

3. पाठशाला के छात्र के लिए पाठ्योत्तर कार्य कलाप का मुख्य प्रयोजन।

- (a) विकास की सुविधा प्रदान करना है।
- (b) अनुशासन की समस्याओं की रोकथाम है।
- (c) नियत कक्षा-कार्य से राहत देना है।
- (d) शिक्षा के कार्यक्रम में विकल्प देना है।

सूर्य के सबसे निकट ग्रह है।

- (a) शुक्र
- (b) मंगल
- (c) बृहस्पति
- (d) बुध

5. वन और बाढ़ के पारस्परिक संबंध को निम्नलिखित में से कौन-सा विवरण स्पष्ट करता है ?

- (a) पेड़ पौधे जितने अधिक होते हैं, मिट्टी का क्षरण उतना अधिक होता है, जिससे बाढ़ होती है।
- (b) पेड़ पौधे जितने कम होते हैं, नदियां उतनी ही गाढ़ से भरी होती हैं, जिससे बाढ़ होती है।
- (c) पेड़-पौधे जितने अधिक होते हैं, नदियां उतनी ही कम गाढ़ से भरी होती हैं, जिससे बाढ़ रोकी जाती है।
- (d) पेड़-पौधे जितने कम होते हैं, उतनी ही धीमी गति से बर्फ पिघल जाती है, जिससे बाढ़ रोकी जाती है।

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 10th September 1980

No. A. 35014/2/80-Admn.II.—In supersession of this office Notification of even number dated 21-6-1980, Shri V. Ramachandran, Accounts Officer of the Accountant General Orissa, has been allowed to continue on deputation as Accounts Officer in the Office of Union Public Service Commission for a further period of one year with effect from 13-7-1980 or until further orders, whichever is earlier. Shri Ramachandran will not be entitled to any Deputation (Duty) Allowance during the period mentioned above.

S. C. JAIN,
Section Officer,
for Secretary
Union Public Service Commission

ENFORCEMENT DIRECTORATE

FOREIGN EXCHANGE REGULATION ACT

New Delhi-3, the 30th August 1980

No. A-11/12/80—Shri B. R. Dalvi, Assistant Enforcement Officer, Enforcement Directorate, Bombay zonal office is appointed to officiate as Enforcement Officer, Enforcement Directorate, Bombay zonal office w.e.f. 31-7-80 (AN) and until further orders.

D. C. MANDAL,
Deputy Director (Admn.)

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi, the 19th September 1980

I

No. F. 2/33/80-Estt(CRPF)(Pers.IV).—The President is pleased to appoint Shri R. N. Sheopory, IPS (U.P. : 1948) Inspector General ITBP to hold charge of the post of Director General CRPF in addition to his present charge with effect from the afternoon of 3rd September, 1980, until further orders.

II

On relief by Shri R. N. Sheopory, Shri Birbal Nath IPS (Punjab : 1950) relinquished charge of the post of Director General CRPF on the afternoon of 3rd September, 1980 on repatriation.

NARENDRA PRASAD
Director

SARDAR VALLABHBHAI PATEL
NATIONAL POLICE ACADEMY

Hyderabad-500252, the 20th September 1980

No. 15014/77-Estt.—On completion of his tenure of deputation with Government of India, Shri Pratap Singh, IPS (SPS-AP) relinquished charge of the post of Assistant Director in the S.V.P. National Police Academy, Hyderabad with effect from 15-9-80 A.N.

B. K. ROY
Director

MINISTRY OF LABOUR
LABOUR BUREAU

Simla-4, the 4th October 1980

No. 23/3/80-CPI.—The All-India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on base : 1960=100 increased by three points to reach 397 (three hundred and ninety

seven) during the month of August, 1980 Converted to base 1949=100 the index for the month of August, 1980 works out to 483 (four hundred and eighty three).

A. S. BHARADWAJ,
Joint Director
Labour Bureau

MINISTRY OF FINANCE

(DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS)
SECURITY PAPER MILL

Hoshangabad-461005, the 12th September 1980

P. F. No. 7(53)/6013.—In continuation of this office Notification No. E/1/3268 dated 24-6-80, the *ad-hoc* appointment of Shri B. R. Barmaia, Foreman (Electrical) as Asstt. Engineer (Electrical) is hereby continued upto 31-12-1980 or till the post is filled on regular basis whichever is earlier.

S. R. PATHAK,
General Manager

BANK NOTE PRESS

Dewas (MP), the 2nd September 1980

No. BNP/C/5/80.—In continuation to this Deptt.'s Notifications of even number dated 30-7-80 the *ad-hoc* appointments of the following Officers are hereby extended upto the dates shown against each or till the posts are filled on regular basis, whichever is earlier.

S. No.	Name	Post to which ad-hoc appointment is made	Date upto the ad-hoc appointment continued
S/Shri			
1.	M. Ponnuthurai	Technical Officer (Printing & Platemaking)	30-9-80
2.	D. R. Kondawar	Do.	Do.
3.	Y. Janardhan Rao	Do.	Do.
4.	Samerendra Dass	Do.	Do.
5.	Rampal Singh	Do.	Do.
6.	N. R. Jairaman	Do.	21-8-80
7.	V. Venkataramani	Do.	30-9-80
8.	Mridul Dutta	Technical Officer (Designing & Engraving)	Do.

M. V. CHAR
Deputy General Manager

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT,
CENTRAL REVENUES

New Delhi, the 15th September 1980

No. Admn. I/O.O./5-6/Promotion/79-81/276.—The Director of Audit, Central Revenues / hereby appoints the following permanent Section Officers of this office to officiate as Audit Officers with effect from the dates shown against each until further orders :—

Sl. No.	Name	Date of appointment
Sarvashri		
1.	G. C. Jain (On deputation)	The promotion will take effect from the dates they revert to this office from deputation. 4-9-1980 (A.N.)
2.	P. S. Gambhir (On deputation)	
3.	P. D. Aggarwal (On deputation)	
4.	R. C. Batra	

(Sd.) ILLEGIBLE
H. Director of Audit (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL
GUJARAT

Ahmedabad-380001, the 12th September 1980

No. Estt.(A)/GO/1046.—The Accountant General, Gujarat, Ahmedabad is pleased to appoint S/Shri R. Parthasarathy and K. Venkataraman, permanent members of the Subordinate Accounts Service to officiate as Accounts Officers in the office of the Accountant General, Gujarat, Ahmedabad with effect from 30-8-80 F.N. until further orders.

The above promotions have been made on ad hoc basis and subject to the final orders of Gujarat High Court in Special Civil Application No. 735 of 1980.

A. KRISHNA RAO
Sr. Deputy Accountant General (Adm)

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF
DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110022, the 19th September 1980

No. 23012/80/AN-II.—The Controller General of Defence Accounts hereby appoints the undermentioned permanent Section Officers (Accounts) as Accounts Officers in a substantive capacity with effect from the forenoon of the cases shown against each :—

Sl. No.	Name	Organisation where Serving	Date of effect
(1)	(2)	(3)	(4)
S/Shri			
1.	Mahendra Singh	Controller of Defence Accounts Western Command, Meerut	10-1-77
2.	Ram Krishan Sharma	Factories, Calcutta	1-11-79
3.	M. Balasubramanian	Central Command, Meerut	1-1-80
4.	Sat Prakash Soni	Western Command, Meerut	1-1-80
5.	L. C. Sachdeva	Northern Command, Jammu	1-1-80
6.	H. S. Hariharan	Navy, Bombay	1-1-80
7.	S. Arunachalam	Officers, Pune	1-1-80
8.	L.S. Narayanan	(ORs) South, Madras	1-1-80
9.	H. S. Kohily	(ORs) North, Meerut	1-1-80
10.	J. D. Mehar	(ORs) North, Meerut	1-1-80
11.	P. M. John	(ORs) South, Madras	1-1-80
12.	Dhanna Ram Kalra	Central Command, Meerut	1-1-80
13.	Nirmal Chand Chadha	Air Force, Dehradun	1-1-80
14.	Manjit Singh Chohan	Pensions, Allahabad	1-1-80
15.	M. P. Sharma	Funds, Meerut	1-1-80
16.	K. B. Lahiri	Air Force, Dehradun	1-1-80
17.	D.D. Sharma	Pensions, Allahabad	1-1-80
18.	V. N. Daje	Officers, Pune	1-1-80
19.	A.S. Narasimhan	Southern Command, Pune	1-1-80

(1)	(2)	(3)	(4)
S/Shri			
20.	Sodesh Chander Gandhi	Factories, Calcutta	1-1-80
21.	Ram Charan Moha	Western Command, Meerut	1-1-80
22.	J.V. Champaneria	Southern Command, Pune	1-1-80
23.	S. Ponniah	Officers, Pune	1-1-80
24.	Madan Mohan	Air Force, Dehradun	1-1-80
25.	K. C. Nerajia	Patna	1-1-80
26.	Rati Ram	C.G.D.A. New Delhi	1-1-80
27.	Mahendra Singh	(ORs) North, Meerut	1-1-80
28.	Jagan Nath	Central Command, Meerut	1-1-80
29.	Amrit Lal Puri	Patna	1-1-80
30.	Parshotam Lal Bhatia	Central Command, Meerut	1-1-80
31.	G. S. Ramachandran	Funds, Meerut	1-1-80
32.	Sant Ram Sayal	(ORs) North, Meerut	1-1-80
33.	Satya Dev Sharma	Funds, Meerut	1-1-80
34.	Om Prakash Vohra	Western Command, Meerut	1-1-80
35.	S. Janaki Raman	Central Command, Meerut	1-1-80
36.	Dharam Pal Luthra	Western Command, Meerut	1-1-80
37.	T. K. Ramanathan	(ORs) South, Madras	1-1-80
38.	K.T. Ramanujachari	Pensions, Allahabad	1-1-80
39.	V. G. Datar	Patna	1-1-80
40.	S. D. Sharma	Pensions, Allahabad	1-1-80
41.	K. V. Ramanan	Factories, Calcutta	1-1-80
42.	T. S. Madhavan	Air Force, Dehradun	1-1-80
43.	Puran Singh Bedi	(ORs) North, Meerut	1-1-80
44.	P.M.S. Subba Rao	Factories, Calcutta	1-1-80
45.	N.R. Ramanathan	Factories, Calcutta	1-1-80
46.	R. M. Joshi	Southern Command, Pune	1-1-80
47.	Surinder Mohan Malhotra	Western Command, Meerut	1-1-80
48.	S.R. Khan	Factories, Calcutta	1-1-80
49.	B.V. Borgaonkar	Southern Command, Pune	1-1-80
50.	A. K. Raha	Factories, Calcutta	1-1-80
51.	S. K. Lahiri	Pensions, Allahabad	1-1-80
52.	B. N. Saran	Air Force, Dehradun	1-1-80
53.	P. K. Narayanaswamy	Officers, Pune	1-1-80
54.	P. R. Ramasubbu	(ORs) South, Madras	1-1-80
55.	V. S. Vaidya	Factories, Calcutta	1-1-80
56.	D. C. John	Officers, Pune	1-1-80
57.	V. S. Undale	Factories, Calcutta	1-1-80
58.	S. Ramu	(ORs) South, Madras	1-1-80
59.	Brahma Swarup	Pensions, Allahabad	1-1-80
60.	P. Annaji Rao	(ORs) South, Madras	1-1-80
61.	Arun Kumar Basu	Factories, Calcutta	1-1-80
62.	H. C. Agrawal	Western Command, Meerut	1-1-80

(1)	(2)	(3)	(4)	(1)	(2)	(3)	(4)
S/Shri				S/Shri			
63.	S. M. Kumar	Patna	1-1-80	106.	G. C. Hasija	Western Command, Meerut	1-1-80
64.	Kadar Nath Agrawal	(ORs) North, Meerut	1-1-80	107.	R. N. Dutta	Central Command, Meerut	1-1-80
65.	A. Natarajan	Factories, Calcutta	1-1-80	108.	S. Nagasubramaniam	(ORs) South, Madras	1-1-80
66.	Boharlial Kapila	(ORs) North, Meerut	1-1-80	109.	B. M. Sarkar	Patna	1-1-80
67.	Omkar Dutt Sharma	(ORs) North, Meerut	1-1-80	110.	C. N. Subramanian	(ORs) South, Madras	1-1-80
68.	R. Subramaniam	Factories, Calcutta	1-1-80	111.	N. L. Sengupta	Factories, Calcutta	1-1-80
69.	V. Seshadri	Western Command, Meerut	1-1-80	112.	Jagan Nath Bedi	(ORs) North, Meerut	1-1-80
70.	G. Viswanathan	Southern Command, Pune	1-1-80	113.	M. P. Tarde	Navy, Bombay	1-1-80
71.	Ramjit Rai	Pensions, Allahabad	1-1-80	114.	A. R. Mehra	(ORs) South, Madras	1-1-80
72.	Nityananda Mukherjee	Factories, Calcutta	1-1-80	115.	B. S. Arjunwadkar	Officers, Pune	1-1-80
73.	S.B. Karmarkar	Patna	1-1-80	116.	R. N. Patankar	Navy, Bombay	1-1-80
74.	Ramkrishan Sharma	(ORs) North, Meerut	1-1-80	117.	V. N. Tilak	Air Force, Dehradun	1-1-80
75.	Raj Kumar Kapur	(ORs) North, Meerut	1-1-80	118.	K. Ganesan	(ORs) South, Madras	1-1-80
76.	Manghe Ram Nagpal	Central Command, Meerut	1-1-80	119.	Kartar Singh	(ORs) North, Meerut	1-1-80
77.	R. Rangarajan	Air Force, Dehradun	1-1-80	120.	Ram Saran	(ORs) North, Meerut	1-1-80
78.	G. L. Mehta	Air Force, Dehradun	1-1-80	121.	D. R. Sharma	Air Force, Dehradun	1-1-80
79.	Sadanand	(ORs) North, Meerut	1-1-80	122.	Kali Praganna Sen	Factories, Calcutta	1-1-80
80.	I. R. Trivedi	Pensions, Allahabad	1-1-80	123.	V. G. Ranade	Officers, Pune	1-1-80
81.	N. R. Malagi	Officers, Pune	1-1-80	124.	Ram Kishore	Pensions, Allahabad	1-1-80
82.	S. Swaminathan	Central Command, Meerut	1-1-80	125.	Jaswant Singh	(ORs) North, Meerut	1-1-80
83.	P. V. Chaudhari	Factories, Calcutta	1-1-80	126.	D.P. Kulkarni	(ORs) South, Madras	1-1-80
84.	Pritham Dass Khanna	Funds, Meerut	1-1-80	127.	Gurbachan Singh	Air Force, Dehradun	1-1-80
85.	M. Cecil Yesudian	Southern Command, Pune	1-1-80	128.	Dalip Singh Bewali	Pensions, Allahabad	1-1-80
86.	Om Prakash Sharma	C.G.D.A. New Delhi	1-1-80	129.	I. J. Bhatia	Air Force, Dehradun	1-1-80
87.	Resham Singh	Pensions, Allahabad	1-1-80	130.	P. Sanjeevarayulu	Officers, Pune	1-1-80
88.	M. Chidambara Rao	Southern Command, Pune	1-1-80	131.	L. R. Balutkar	Officers, Pune	1-1-80
89.	Om Prakash Chugh	Western Command, Meerut	1-1-80	132.	J.N.V. Narasimha Rao	Air Force, Dehradun	1-1-80
90.	M.K.S.S. Rama Rao	(ORs) North, Meerut	1-1-80	133.	J. Subba Rao	Factories, Calcutta	1-1-80
91.	P. R. Sarangapani	(ORs) South, Madras	1-1-80	134.	Inder Kumar Kapila	Navy, Bombay	1-1-80
92.	Khem Raj	Western Command, Meerut	1-1-80	135.	K. C. Dole	(ORs) South, Madras	1-1-80
93.	G. Ramachandrar	Patna	1-1-80	136.	K. I. Govindan Kutty	Navy, Bombay	1-1-80
94.	K. B. Menon	(ORs) South, Madras	1-1-80	137.	Dhan Rao Narang	Pensions, Allahabad	1-1-80
95.	M. L. Mukherjee	Patna	1-1-80	138.	S. N. Biswas	Central Command, Meerut	1-1-80
96.	Santosh Kumar Mukherjee	Factories, Calcutta	1-1-80	139.	Mohammed Mumtaz Ahmed	Pensions, Allahabad	1-1-80
97.	V. Pattabhiraman	(ORs) South, Madras	1-1-80	140.	Vijaya Pal Singh Yadav	Patna	1-1-80
98.	N.K. Srinivasan	Officers, Pune	1-1-80	141.	S.B.S. Chauhan	Patna	1-1-80
99.	S. K. Beri	Western Command, Meerut	1-1-80	142.	R. Daivasigamani	Patna	1-1-80
100.	J. B. Saxena	(ORs) North, Meerut	1-1-80	143.	K. V. Joseph	Central Command, Meerut	1-1-80
101.	K. Chandrasekharan Pillai	Officers, Pune	1-1-80	144.	S. Seshagiri Rao	Navy Bombay	1-1-80
102.	D. R. Midha	Western Command, Meerut	1-1-80	145.	M. S. Venkataraman	(ORs) South, Madras	1-1-80
103.	M.R. Rajwadey	Factories, Calcutta	1-1-80	146.	K. V. Subramaniam	(ORs) South, Madras	1-1-80
104.	N. K. Malhotra	(ORs) North, Meerut	1-1-80	147.	R. C. Sachdev	(ORs) North, Meerut	1-1-80
105.	Madanmohan Popli	Funds, Meerut	1-1-81	148.	B. V. Kulkarni	Officers, Pune	1-1-80
				149.	K. S. Rangasawamy	(ORs) South, Madras	1-1-80
				150.	K. Venkatasubramanian	(ORs) South, Madras	1-1-80
				151.	B. S. Biwalkar	Factories, Calcutta	1-1-80
				152.	N. Srinivasan-II	Pensions, Allahabad	1-1-80

(1)	(2)	(3)	(4)
S/Shri			
153. P. V. Venkateswaran	Central Command, Meerut		1-1-80
154. Krishan Lal Chuni	Patna		1-1-80
155. T. V. Vasudevan	Southern Command, Pune		1-1-80
156. Sita Ram Bansal	Patna		1-1-80
157. P. S. Raman	(Ors) South, Madras		1-1-80
158. N. R. Navaneethan	Factories, Calcutta		1-1-80
159. Y. Satyanarayana	Air Force, Dehradun		1-1-80
160. V. A. Belhe	Officers, Pune		1-1-80
161. Ravinder Kumar	Pensions, Allahabad		1-8-8
162. Vasudev	Air Force, Dehradun		1-1-80
163. T. K. Chatterjee	Patna		1-1-80
164. T. C. Pandey	(Ors) North, Meerut		1-1-80
165. G. P. Swaminathan	Factories, Calcutta		1-1-80
166. T. R. Krishnamurthy	Southern Command, Pune		1-1-80
167. Jia Lal Vuthoo	Northern Command Jammu		1-1-80
168. Ram Nath Gupta	Western Command, Meerut		1-1-80
169. S. B. Ghosh	Patna		1-1-80
170. Kirpa Ram	Western Command, Meerut		1-1-80
171. Ruma Shanker	Patna		1-1-80
172. Tej Pal Singh Harit	Central Command, Meerut		1-1-80
173. Shib Prasad Dhusiya	Air Force, Dehradun		1-1-80
174. Banshilal	Pensions, Allahabad		1-1-80
175. Behari Lal	Central Command, Meerut		1-1-80
176. Balak Ram	Patna		1-1-80
177. Tulsi Ram	Pensions, Allahabad		1-1-80
178. Kaley Singh	Patna		1-1-80
179. Maha Ram Singh	Patna		1-1-80
180. Khachermal	Patna		1-1-80
181. Hari Chand	Patna		1-1-80
182. Chandra Pal Singh	Patna		1-1-80

R. R. BAKHSI

Addl. Controller General of Defence Accounts.

MINISTRY OF DEFENCE

INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE

ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta, the 16th September 1980

No. 62/80/G.—The President is pleased to appoint Shri Sanat Kumar RATH as Assistant Manager (Prob) w.e.f. 16th July, 1979 (F/N).

V. K. MEHTA,
Assistant Director General Ordnance Factories

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 10th September 1980

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL

(ESTABLISHMENT)

No. 1/2/80-Admn(G)/5478.—The President is pleased to appoint Shri M. M. Haldar, a permanent Officer of the Section Officer's Grade of the CSS and Controller of Imports and Exports to officiate in Grade I of that service and as Deputy Chief Controller of Imports and Exports in the Office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi, with effect from 18th February, 1980 (FN) until further orders.

2. The above appointment of Shri M. M. Haldar in Grade I of the CSS and as Dy. Chief Controller of Imports and Exports to officiate in Grade I of that service and as Deputy Court in Writ Petition No. 626-630 of 1979 by S. S. Sharma and other versus Union of India.

3. This supersedes this Office Notification No. 1/7/280 Adm(G)/3155 dated the 20th May, 1980.

MANTI NARAYANSWAMI
Chief Controller of Imports and Exports

New Delhi, the 15th September 1980

No. 6/927/171-Admn(G)/5514.—On attaining the age of superannuation Shri S. N. Seh, Controller of Imports and Exports in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Calcutta, relinquished charge of the post in that office on the afternoon of the 31st January, 1980.

P. C. BHATNAGAR,
Dy. Chief Controller of Imports and Exports
for Chief Controller of Imports and Exports

MINISTRY OF INDUSTRY

DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER

(SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 17th September 1980

No. 12/379/63-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri P. M. Raol, Assistant Director (Gr. I) (Chemical), Small Industries Service Institute, Srinagar as Deputy Director (Chemical) on *ad-hoc* basis in the office of Development Commissioner (Small Scale Industries), New Delhi with effect from the forenoon of 21st August, 1980 until further orders.

No. A.19018/87/73-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri Mathura Prasad, Assistant Director (Gr. I) (Chemical), Small Industries Service Institute, Ludhiana as Deputy Director (Chemical) on *ad-hoc* basis at Small Industries Service Institute, Kanpur with effect from the forenoon of 30th August, 1980 and until further orders.

No. A.19018(229)/75-Admn.(G)-Vol II.—Consequent upon his appointment as production Officer in the Indian Council of Agricultural Research, New Delhi, Shri S. G. Prasad relinquished charge of the post of *Ad-hoc* Assistant Editor (Hindi) in the Office of the Development Commissioner (Small Scale Industries) New Delhi with effect from the forenoon of 30th August, 1980.

The 18th September 1980

No. A.19018/110/73-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri H. Sringswara as Deputy Director (Electrical) at Regional Testing Centre, Bombay with effect from the afternoon of 14th August, 1980 until further orders.

The 19th September 1980

No. A-19018/64/73-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri A. N. Ganatra, Assistant Director (Gr. I) (Mech.), Extension Centre, Bhavnagar as Dy. Director (Mech.) on *ad hoc* basis in Branch Small Industries Service Institute, Rajkot with effect from the forenoon of 30-6-80, until further orders.

No. A.19018/435/79-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri K. S. Natarajan as Deputy Director (Mechanical) in Small Industries Service Institute, Madras with effect from the afternoon of 21st, August, 1980 until further orders.

No. A.19018/485/80-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri A. K. Neog, Project Evaluation Officer (PEO) in Planning Commission, Gauhati as Deputy Director (Economic Investigation) in Small Industries Service Institute, Gauhati with effect from the forenoon of 20th August, 1980 until further orders.

The 20th September 1980

No. 12/450/64-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri A. Somasundram, Substantive Small Industry Promotion Officer (Electrical) and officiating Assistant Director (Gr. I) (Electrical) as Deputy Director (Electrical) in Small Industries Service Institute, Madras with effect from the afternoon of 27-8-80 until further orders.

No. A-19018(111)/75-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri S. M. Agarwal, Assistant Director (Gr. II) in the Office of the Development Commissioner (Small Scale Industries), New Delhi as Assistant Director (Gd. I) (Economic Investigation/Production Index) on *ad hoc* basis in the same office with effect from the forenoon of 27th August, 1980, until further orders.

No. A-19018/420/79-Admn.(G).—Consequent upon his appointment as Deputy Economic & Statistical Adviser in the Directorate of Economics & Statistics, Department of Agriculture and Cooperations, New Delhi, Shri M. L. Bhardwaj a Gr. III Officer of Indian Economic Service relinquished charge of the post of Deputy Director (Economic Investigation) in the Office of Development Commissioner, Small Scale Industries, New Delhi in the forenoon of 8th September, 1980.

No. A.19018/438/79-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri R. S. Pandey, substantive Small Industry Promotion Officer, Office of the Development Commissioner (Small Scale Industries), New Delhi as Assistant Director (Gr. I) (Food/Fruit preservation) in the Small Industries Service Institute, Gauhati with effect from the forenoon of 18th August, 1980, until further orders.

M. P. GUPTA
Deputy Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS (ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 11th September 1980

No. A-1/1(1107).—On his reversion as Junior Progress Officer, Shri Jaishi Ram relinquished charge of the post of Assistant Director (Grade II) in the Directorate General of Supplies & Disposals at New Delhi on the afternoon of 30th August, 1980.

No. A-1/1(1157).—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints Shri M. D. Kulasekharam, Superintendent in the office of Director of Inspection, Madras to officiate on regular basis as Assistant Director (Admn.) (Gr. II) in the same office with effect from the forenoon of 1-8-1980 vice Shri Paul Xavier, Asstt. Director (Admn.) (Gr. II) retired from service.

Shri Kulasekharam is placed on probation for a period of 2 years from 1-8-80.

18—276GI/80

The 18th September 1980

No. A-1/1(1154)/80.—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints Shri Manoharlal J. Tahiliani, Superintendent in the office of Director of Inspection, Bombay to officiate on *ad hoc* basis as Assistant Director of Supplies (Grade II) in the office of Director of Supplies & Disposals, Bombay with effect from the forenoon of 28-8-1980.

2. The appointment of Shri Manoharlal J. Tahiliani as Asstt. Director of Supplies (Grade II) is purely temporary and on *ad hoc* basis without prejudice to the rights of officers, otherwise senior to him and will not confer on him any right whatsoever to claim promotion in future on the ground of present officiating arrangements.

No. A-1/1(1156)/80.—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints Shri T. V. Pote, Superintendent in the office of the Director of Inspection, Bombay to officiate on *ad hoc* basis as Assistant Director (Grade II) in the office of the Director of Supplies (Textiles), Bombay with effect from the forenoon of 1-9-1980.

The promotion of Shri Pote as Assistant Director (Gr. II) is purely temporary and on *ad hoc* basis without prejudice to the rights of officers, otherwise senior to him and will not confer on him any right whatsoever to claim promotion in future on the ground of present officiating arrangements.

K. KISHORE
Deputy Director (Administration)
for Director General of Supplies & Disposals

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA (KHAN VIBHAG)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 9th September 1980

No. A-32014(1-Asstt.Geol.)/78-19A6652B.—Shri B. M. Datta, Senior Technical Assistant (Geology), Geological Survey of India is appointed on promotion as Assistant Geologist in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 30th June 1980, until further orders.

V. S. KRISHNASWAMY
Director General.

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 12th September 1980

No. A.19011(209)/79-Estt.A.—On his selection to the post of Deputy Director of Mines Safety in the Directorate General of Mines Safety, Dhanbad, the name of Shri K. R. Reddy, Junior Mining Engineer, on *ad hoc* in the Indian Bureau of Mines is struck off from the strength of this department with effect from the afternoon of 22-3-1980.

S. V. ALI
Head of Office
Indian Bureau of Mines

DEPARTMENT OF SCIENCE AND TECHNOLOGY NATIONAL ATLAS AND THEMATIC MAPPING ORGANISATION

Calcutta-700019, the 17th September 1980

No. 35-2/80/Estt.—Shri S. S. Biswas is appointed substantially in the post of Administrative Officer (Group B—Scale Rs. 650—1200) in the National Atlas & Thematic Mapping Organisation w.e.f. 11-9-1980.

S. P. DAS GUPTA
Director

ZOOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700012, the 18th September 1980

No. F.92-170/80-Estt./15567.—Dr. Bijan Kumar Biswas is hereby appointed to the post of Assistant Zoologist (Group 'B' in the Scale of Rs. 650—1200) in Zoological Survey of India in the Headquarters Office in Calcutta in a temporary capacity with effect from 10th September, 1980 (Forenoon) and until further orders.

DR. K. K. TIWARI
Director

DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 15th September 1980

No. 2/29/80-SII.—Director General, All India Radio, hereby appoints Shri T. N. Sinha, Head Clerk, Doordarshan Kendra, Lucknow to officiate as Administrative Officer, on ad-hoc basis All India Radio, H.P.T., Aligarh with effect from 29-7-1980 (FN).

The 17th September 1980

No. 4(43)/80-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Dharendra Kumar Rabha as Programme Executive, All India Radio, Gauhati in a temporary capacity with effect from 27-8-80 and until further orders.

No. 4(64)/80-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Kum. Prayaga Vedavathi as Programme Executive, All India Radio, Vijayawada in a temporary capacity with effect from 30-8-1980 and until further orders.

No. 4(65)/80-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri P. Madhusudan Rao as Programme Executive, All India Radio, Hyderabad in a temporary capacity with effect from 22-8-80 and until further orders.

No. 4(66)/80-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri B. Bhimaiah as Programme Executive, All India Radio, Hyderabad in a temporary capacity with effect from 23-8-80 and until further orders.

No. 4(76)/80-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri H. V. Krishnamurthy as Programme Executive, All India Radio, Mysore in a temporary capacity with effect from 30-8-80 and until further orders.

No. 4(78)/80-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri R. N. Thyagarajan as Programme Executive, All India Radio, Mysore in a temporary capacity with effect from 28-8-80 and until further orders.

No. 4(86)/80-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Yusuf A. Sheikh as Programme Executive, All India Radio, Panaji in a temporary capacity with effect from 28-8-80 and until further orders.

The 18th September 1980

No. 4(30)/80-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Smt. Archana Rajkumar as Programme Executive, All India Radio, Bhopal in a temporary capacity with effect from 30-8-80 and until further orders.

No. 4(46)/80-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Smt. Nayyer Sadruddin as Programme Executive, All India Radio, Bhopal in a temporary capacity with effect from 4-9-80 and until further orders.

The 22nd September 1980

No. 4(17)/80-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Arun Mohan Sakat as Programme Executive, All India Radio, New Delhi in a temporary capacity with effect from 30-8-80 and until further orders.

No. 4(39)/80-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Kum. Usha Burie as Programme

Executive, All India Radio, New Delhi in a temporary capacity with effect from 5-9-80 and until further orders.

H. C. JAYAL
Deputy Director of Administration
for Director General

New Delhi, the 18th September 1980

No. A-12020/3/79-SII.—The following officers of the office of the Controller General of Accounts, Ministry of Finance, Department of Expenditure, New Delhi, are appointed on deputation basis as Accounts Officer in the scale of Rs. 840—1200 in the office indicated against them with effect from the dates mentioned against each for a period of two years :—

S. No., Name, Date of joining and Office :

1. Shri Ram Babu, 14-7-80 (FN), Office of the Controller of Sales, Doordarshan, New Delhi.
2. Shri A. L. Syngol, 1-8-80 (FN), Office of the Station Engineer, Central Purchase & Stores, Doordarshan, New Delhi.

The Pay and allowances of the above officers will be governed by the terms and conditions laid down in the Ministry of Finance (Deptt. of Expenditure) O.M. No. 10(24)E-III/60 dated 4th May, 1961 as amended from time to time.

C. L. ARYA
Dy. Director of Admn.
for Director General

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 15th September 1980

No. A.19012/2/80-SI.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri P. M. Pathare in the post of Assistant Depot Manager, Government Medical Store Depot Bombay on an ad-hoc basis with effect from the forenoon of 19th August, 1980 and until further orders.

SHIV DAYAL
Deputy Director Administration (Stores)

New Delhi, the 16th September 1980

No. A.12023/1/80/Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri T. K. M. Pillai to the post of Administrative Officer at Kalawati Saran Childrens' Hospital, New Delhi on an ad-hoc basis with effect from the forenoon of 25th August, 1980 and until further orders.

No. A.12026/7/77(NTI)/Admn.I.—Shri R. Palaniswamy relinquished charge of the post of Junior Bacteriologist at the National Tuberculosis Institute, Bangalore, with effect from the afternoon of the 22nd August, 1980.

The 18th September 1980

No. A.12025/10/79(CLTRI)/Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri P. Gopalakrishnan to the post of Administrative Officer in the Central Leprosy Teaching and Research Institute, Chingleput, with effect from the forenoon of 1st August, 1980 in a temporary capacity and until further orders.

The 20th September 1980

No. A.12026/16/79(CRI)/Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri Sobha Ram Kashiv, Section Officer in the Office of the Accountant General, Himachal Pradesh & Chandigarh, Simla, to the post of Assistant Accounts Officer (Costing) at the Central Research Institute, Kasauli, with effect from the forenoon of the 29th August, 1980 and until further orders.

S. L. KUTHIALA
Deputy Director Administration (O&M)

MINISTRY OF RURAL RECONSTRUCTION
DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 15th September 1980

No. A.19023/3/78-A.III.—On his attaining the age of superannuation, Shri S. P. Bhasin, Marketing Officer of this Directorate at Faridabad, has retired from Govt. service in the afternoon of 31-8-80.

No. A.19023/4/80-A.III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri B. D. Sherkar, Assistant Marketing Officer, is appointed to officiate as Marketing Officer (Group I) in this Directorate at Nagpur in the forenoon of 3-7-80, until further orders.

2. Consequent on his appointment as Marketing Officer Shri Sherkar relinquished charge of the post of Assistant Marketing Officer at Nagpur in the forenoon of 3-7-80.

No. A.19025/29/80-A.III.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group B), Shri B. L. Mathur, Senior Inspector has been appointed to officiate as Asstt. Marketing Officer (Group I) in this Directorate at Khandwa with effect from 14-8-80 (FN). until further orders.

No. A.19025/32/80-A.III.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group B), the undermentioned officers have been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group I) on regular basis with effect from 11-8-80, until further orders :—

1. Shri B. B. Patil
2. Shri C. B. Singh
3. Shri N. G. Mani
4. Shri Abdul Rahim
5. Shri T. Venkateswarlu
6. Shri R. Selvaraj
7. Shri Hardial Singh.

The 16th September 1980

No. A.19025/51/80-A.III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri Bharat Murty Mehrotra has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group I) in this Directorate at Nagpur with effect from 1-8-80 (Forenoon) until further orders.

The 17th September 1980

No. A.19025/38/80-A.III.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group B), the undermentioned officers, who are officiating as Assistant Marketing Officer (Group I) on ad-hoc basis have been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group I) on regular basis with effect from 9-9-80, until further orders :—

1. Shri K. P. Tiwari.
2. Shri V. M. Hadaoo.

The 18th September 1980

No. A.19026/2/79-A.III.—The appointment of Shri I. N. Chahande, Section Officer (C.S.S.) to the post of Administrative Officer, Market Design and Planning Centre, Nagpur, on deputation basis, has been extended beyond 5-9-80 and till the post is filled in on regular basis.

B. L. MANIHAR
Director of Administration
for Agricultural Marketing Adviser
to the Govt. of India

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE
PERSONNEL DIVISION

Bombay-400085, the 3rd September 1980

No. PA/61(2)/80-R-IV.—On transfer from Rajasthan Atomic Power Project of the Department of Atomic Energy, Controller, BARC appoints Shri Radhey Shyam Singh, a quasi-permanent Sub-Officer in RAPP, as Station Officer in Bhabha Atomic Research Centre with effect from the forenoon of August 27, 1980 until further orders.

The 6th September 1980

No. BARC/Hosp/G/66.—The Competent Authority appoints Dr. (Smt.) Poornima Krishnamoorthy as Resident Medical Officer in Medical Division of this Research Centre in a purely temporary capacity with effect from the forenoon of August 27, 1980 to the afternoon of September 26, 1980.

No. BARC/Med/H/67.—The Competent Authority appoints Dr. (Kum.) Sawant Usha Raghunath as Resident Medical Officer in Medical Division of this Research Centre in a purely temporary capacity with effect from the forenoon of August 18, 1980 to the afternoon of November 15, 1980.

A. S. DIKSHIT
Dy. Establishment Officer

Bombay-400085, the 18th September 1980

No. M/1921/FSS/Estt.II/4789.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre is pleased to accept the resignation from service tendered by Shri R. P. Malhotra, a temporary Station Officer in the same Research Centre with effect from 5-7-1980 (AN).

KUM. H. B. VIJAYAKAR
Deputy Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

Madras-600006, the 11th September 1980

No. MRPU/200(18/80-Adm.—In continuation of this office notification of even no. dated 28-4-80 the officiating appointment of Shri B. Dhandapani a temporary Storekeeper as Assistant Stores Officer is extended up to 9-5-1980.

No. MRPU/200(105)/80-Adm.—The Director, Directorate of Purchase & Stores appoints Shri P. V. Prabhakaran a temporary Storekeeper to officiate as Assistant Stores Officer in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on an ad-hoc basis in the Reactor Research Centre Stores of the same Directorate with effect from May 13, 1980 to June 21, 1980.

T. S. V. AIYAR
Administrative Officer II

Bombay-400001, the 9th September 1980

No. DPS/23/3/79/Est./15883.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri L. H. Bagwe, Storekeeper of this Directorate to officiate as Asstt. Stores Officer in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on an ad-hoc basis in the same Directorate with effect from March 3, 1980 (FN) to April 19, 1980 (AN) vice Shri K. P. Doipode granted leave.

C. V. GOPALAKRISHNAN
Assistant Personnel Officer

MADRAS ATOMIC POWER PROJECT

Kalpakkam-603102, the 9th September 1980

No. MAPP/3(606)/72-Adm.—Consequent on acceptance of resignation Shri V. Bhaskaran, a temporary Scientific Officer/Engineer SB in Madras Atomic Power Project relinquished charge of his post in Grade SB on the afternoon of August 16, 1980.

R. P. HARAN
Administrative Officer

(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500016, the 16th September 1980

No. AMD-4/2/80-Recdt.—Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri A. R. Khan, permanent Drill Operator and temporary Technical Assistant 'C' (Drilling) as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of April 1, 1980 until further orders.

The 18th September 1980

No. AMD-1/6/79-Adm.—Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri G. C. Saxena, permanent Selection Grade Clerk in Rajasthan Atomic Power Project as Assistant Personnel Officer in the Atomic Minerals Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of 23-7-1980 until further orders.

M. S. RAO
Sr. Administrative & Accounts Officer

HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400008, the 18th September 1980

No. 05000/B/141/4120.—Shri Kallidaikurichi Ramakrishnan Balasubramaniam, a permanent Upper Division Clerk of Bhabha Atomic Research Centre is appointed to officiate as an Assistant Personnel Officer in Heavy Water Projects (Central Office), w.e.f. July 25, 1980 (FN) until further orders.

K. SANKARANARAYANAN
Senior Administrative Officer
for Officer-on-Special Duty

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 16th September 1980

No. A.19012/1/80-Hindi.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri B. N. Singh, as Hindi Officer in the Civil Aviation Department, with effect from 8th September 1980 (Forenoon) on purely ad-hoc basis and until further orders, and to post him in the Office of the Regional Director, Bombay Region, Civil Aviation Department, Bombay Airport, Bombay.

H. L. KOHLI
Director of Administration

New Delhi, the 12th September 1980

No. A.44013/1/80-EW.—On expiry of deputation in the National Thermal Power Corporation Ltd., Shri Vishram Singh assumed charge of the post of Assistant Fire Officer in this department with effect from the 5th July, 1980.

Shri Vishram Singh is posted in the office of the Regional Director, Calcutta Region, Calcutta Airport, Calcutta-52 from the same date.

V. V. JOHRI
Deputy Director of Administration

New Delhi, the 12th September 1980

No. A.32013/4/79-ES.—The President is pleased to sanction the continued ad-hoc appointment of S/Shri N. Jayasimha and R. C. Gupta to the grade of Senior Aircraft Inspector beyond 13-2-1980 and upto 13-8-1980.

The 19th September 1980

No. A.32013/5/79-EC.—In continuation of this Department Notification No. A.32013/8/79-EC of 19th July, 1980 and No. A.32013/2/80-EC of 29th Aug., 1980 the President is pleased to appoint the following Assistant Technical Officers at present officiating as Technical Officers on *ad-hoc* basis to the grade of Technical Officer on regular basis with effect from the 2-7-80 and until further orders :—

S. No., Name & Station of posting

S/Shri

1. V. C. Reddy—A.C.S., Hyderabad.
2. T. R. Shastri—A.C.S., Bombay.
3. M. Aruldas—A.C.S., Madras.
4. J. L. Suri—A.C.S., New Delhi.
5. K. Chandra Chudan—RC & DU, New Delhi.
6. N. R. N. Iyengar—RC & DU, New Delhi.
7. C. L. Malik—A.C.S., Bombay.
8. H. A. Shetty—A.C.S., Belgaum.
9. K. N. S. Mani—A.C.S., Madras.
10. B. K. Dey—RC & DU, New Delhi.
11. A. Shammugham—A.C.S., Madras.
12. K. R. Ramanujam—A.C.S., Bombay.
13. O. P. Chabra—A.C.S., Palam.
14. V. S. Mitra—RC & DU, New Delhi.
15. K. Rangachari—A.C.S., Madras.
16. M. L. Dhar—CRS Depot, New Delhi.
17. V. Subramaniam—R.D., Bombay.

R. N. DAS,
Assistant Director of Administration

VANA ANUSANDHAN SANSTHAN EVAM MAHA-
VIDYALAYA

Dhara Dun, the 18th September 1980

No. 16/247/76-Ests-I.—The services of Shri Siddique Ahmed, (SFS-Gujarat) who was working as Assistant Instructor, Central Forest Rangers College, Chandrapur (Maharashtra) has been replaced at the disposal of the Government of Gujarat w.e.f. the afternoon of 30-6-1980.

R. N. MOHANTY,
Kul Sachiv.

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Baroda, the 15th September 1980

No. 9/80.—Shri H. J. Mehta, Superintendent of Central Excise, Group 'B' Ahmedabad Dn. III has retired on attaining the age of superannuation pension in the afternoon of 31-8-80.

No. 10/80.—Shri P. A. Surve, Superintendent of Central Excise, Group 'B' Hdqrs. Office, Baroda has retired on attaining the age of superannuation pension in the afternoon of 31-8-1980.

B. V. KUMAR,
Collectr of Central Excise, Baroda

OFFICE OF THE COLLECTOR OF CENTRAL EXCISE
BOMBAY-II

Bombay, the 9th September 1980

F No II/3E-6/80—Shri A D Tarkhadkar, Superintendent, Central Excise Group 'B' in Bombay-II Central Excise Collectorate has expired on 28-6-1980

F No II/3E-6/80—Shri V A Sahasrabudhe, Office Superintendent on promotion assumed charge as Administrative Officer, Central Excise, Group 'B' in Bombay Central Excise Collectorate II with effect from 17-5-1980 F.N.

No II/3E 6/80—The following Selection Grade Inspectors have on their promotion assumed charge as Officiating Superintendents, Central Excise Group 'B' in the Collectorate of Central Excise Bombay-II, with effect from the dates shown against their names :—

S. No	Name	Date of Assumption of Charge
1	Shri D C Waidande	11-2-1980 A N.
2	Shri V L Sawant	24-1-1980 F.N.
3	Shri A D Hawal	30-1-1980 F N
4	Shri D N Pillai	30-1-1980 A N
5	Shri D N Gogate	25-1-1980 F. N.
6	Shri D B Wagh	25-1-1980 F N
7	Shri K S Salvi	24-1-1980 F N
8	Shri B L. Bijalani	24-1-1980 F.N
9	Shri V C Salgaonkar	3-7-1980 F.N
10	Shri P O Joseph	4-7-1980 F.N.
11	Shri K N Chauri	3-7-1980 F.N.
12	Shri N H Dalal	15-7-1980 F.N.
13	Shri M R Kekre	29-8-1980 F.N.
14	Shri M J Mirchandani	11-7-1980 F N.
15	Shri S G Wagle	10-7-1980 F.N.
16	Shri R N Swami	23-8-1980 A.N
17	Shri B A Nandurdikar	23-7-1980 F.N.
18	Shri F A Sequeira	4-7-1980 F N
19	Shri S R. Ganpule	4-7-1980 F.N.
20	Shri K M Joshi	10-7-1980 F.N
21	Shri M N Morgaonkar	21-7-1980 F N
22	Shri G V Kudchadkar	7-7-1980 F.N
23	Shri S B Sawant	14-7-1980 F N
24	Shri V G Athilyle	15-7-1980 F N
25	Shri S Y Gadkari	15-7-1980 F N
26	Shri R S Kanai	17-7-1980 F N

No II/3E-6/80—The following Group 'B' Gazetted Officers (Superintendents/Administrative Officers/Assistant Chief Accounts Officers) in Bombay-II Central Excise Collectorate have retired on Superannuation/Voluntarily in the Afternoon of the dates shown against their names

Sr. No	Name and designation	Date of Retirement
1	2	3
1	Shri L L. Advani, Superintendent	2-1-1980 (Voluntarily)
2	Shri M K Vijaykar, Superintendent	31-1-1980 A N
3	Shri D J Malwankar, Superintendent	31-1-1980 A N
4	Shri S G Rishud, Superintendent	31-1-1980 A N
5	Shri P N Aloni, Superintendent	29-2-1980 A N
6	Shri H M Dadlani, Superintendent	4-3-1980 A N (Voluntarily)

1	2
7. Shri R G Deshpande, Superintendent	30-4-1980 A N
8. Shri V. G Nimkar, Superintendent	31-5-1980 A N
9. Shri V. C. Tambad, Superintendent	31-5-1980 A N
10. Shri V. D Nadka, Assistant Chief Accounts Officer	31-5-1980 A N
11. Shri S B Sogavson, Superintendent	1-6-1980 F N (Voluntarily)
12. Shri V. A. Sahasrabudhe, Administrative Officer	31-7-1980 A.N.

V K. GUPTA
Collector of Central Excise,
Bombay-II

Madras-1, the 13th June 1980

CUSTOMS/ESTABLISHMENT

No 4/80—S/Shri G Kesavan, R R Rodrigues, J. Santhanam, R Balakrishnan, C E Ethuajan and J. A S. Thavapalan are promoted to officiate as Superintendents of Customs (Prev) on a regular basis with effect from 2-6-80 F.N. in Madras Custom House

The 30th July 1980

No 8/80—S/Shri V Jayaraman and M Gopal, Senior Grade Preventive Officers are promoted to officiate as Superintendents of Customs (Preventive) with effect from 27-6-80 F.N

Shri N Sunderarajan, Appraiser on reversion to Preventive cadre is posted as Superintendent of Customs (Preventive) with effect from 27-6-1980 F.N

The 10th September 1980

No 9/80—Shri P Rangaswamy, a Union Public Service Commission candidate is appointed as Direct Recruit Appraiser (Export) in this Custom House with effect from 5-9-80 forenoon in a temporary capacity and until further orders. He will be on probation for a period of two years

The 15th September 1980

No 10/80—Shri R Muralidhar, temporary Appraiser (Non-Expert) in the Madras Custom House resigned the post of Appraiser with effect from 12-9-1980 F.N

A C SAIDANHA,
Collector of Customs

Indore, the 16th September 1980

No 16/80—Consequent upon his appointment as Pay and Accounts Officer in the Pay and Accounts Office of Central Excise Collectorate, Indore, Shri J R. Jaisiya, Junior Accounts Officer of the Ministry of Industries took over charge as Pay and Accounts Officer Central Excise Indore in the forenoon of 11th July, 1980

S K DHAR,
Collector

CENTRAL WATER COMMISSION

The 2nd September 1980

New Delhi-110022, the 18th September 1980

No. A-32014/1/80-Adm. V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints the following officers to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Asstt. Engineer (Engineering) on purely temporary and ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200f or a period of six months or till the posts are filled on regular basis, whichever is earlier with effect from the dates noted against their names:—

Sl. No.	Name of Officer with designation	Date of assumption of charge as EAD/AE
1	2	3
S/Shri		
1.	P. P. Singh, Supervisor	5-9-80 (forenoon)
2.	Madan Lal Soni Design Assistant	5-9-80 (forenoon)
3.	Pramod Kumar, Design Assistant	5-9-80 (forenoon)
4.	Umesh Kumar, Design Assistant	8-9-80 (forenoon)
5.	Mangul Dutt, Design Assistant	5-9-80 (forenoon)
6.	Hemant Kumar, Design Assistant	5-9-80 (forenoon)
7.	Vinay Kumar Sharma, Design Assistant	5-9-80 (forenoon)
8.	V. K. Midha, Design Assistant	5-9-80 (forenoon)
9.	J. S. Taneja, Design Assistant	5-9-80 (forenoon)
10.	Nakul Dev, Design Assistant	6-9-80 (forenoon)
11.	S. K. Babbar, Design Assistant	5-9-80 (forenoon)
12.	R. K. Bathb. r, Design Assistant	5-9-80 (forenoon)
13.	V. K. Malhotra, Design Assistant	5-9-80 (forenoon)
14.	T.C. Siva Kumar Design Assistant	5-9-80 (forenoon)
15.	Deo Kumar Singh, Design Assistant	8-9-80 (forenoon)
16.	B. G. Dewani, Head Draftsman	5-9-80 (forenoon)
17.	Kali Ram Gupta, Supervisor	5-9-80 (forenoon)
18.	S. K. Chakladar, Supervisor	5-9-80 (forenoon)
19.	S.D.S. Hooda, Supervisor	5-9-80 (forenoon)
20.	Kanta Prakash, Supervisor	8-9-80 (forenoon)

J. K. SAHA
Under Secy.
Central Water Commission

MINISTRY OF SUPPLY AND REHABILITATION
(DEPARTMENT OF SUPPLY)

NATIONAL TEST HOUSE, ALIPORE

Calcutta-27, the 21st August 1980

No. G-65/B(CON).—The Director General, National Test House, Alipore, Calcutta has been pleased to appoint Shri Rajat Ghosh Dasgupta, Scientific Assistant (Physical), National Test House, Alipore, Calcutta as Scientific Officer (Physical) in the same office on an *ad hoc* basis w.e.f. 30-6-80 (F/N) until further orders.

No. G-65/B(CON).—The Director General, National Test House Alipore, Calcutta has been pleased to appoint Shri Prasanta Kumar Kundu, Scientific Assistant (Chemical), National Test House, Alipore, Calcutta as Scientific Officer (Chemical) in the same office on an *ad hoc* basis w.e.f. 30-6-80 (F/N).

No. G-318/A.—The Director General, National Test House, Alipore, Calcutta has been pleased to appoint Shri B. K. Pyne, Head Clerk, National Test House, Alipore, Calcutta as Assistant Director (Admn.) (Grade II) in the same office on an *ad-hoc* basis w.e.f. 20-8-80 (F/N) until further orders.

A. BANERJEE,
Deputy Director (Admn.)
for Director General, National Test House.

MINISTRY OF JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS

COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of the Companies Act 1956 and of M/s. Paramount Business Service, Private Limited.**

Bombay, the 5th September 1980

No. 14470/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Paramount Business Service, Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act 1956 and of M/s. Husaini Silk and Art Silk Powerloom Owners Association (Bombay) Limited.

Bombay-2, the 6th September 1980

No. 9832/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Husaini Silk and Art Silk Powerloom Owners Association (Bombay) Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

S. C. GUPTA,
Asstt. Registrar of Companies,
Maharashtra, Bombay

In the matter of the Companies Act, 1956, and of Simca Auto Private Limited

New Delhi, the 10th September 1980

No.H/6320/19418.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Simca Auto Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act 1956 and of M/s. Susham Finance Company Pvt. Ltd.

New Delhi, the 17th September 1980

No. H-2648/20004. —Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Susham Finance Company Pvt. Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the Company will be dissolved.

G. B. SAXENA,
Asstt. Registrar of Companies,
Delhi and Haryana

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Dolagari Kathoni Tea Estate Private Limited*

Calcutta, the 16th September 1980

No. 16162/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at expiration of three months from the date hereof the name of the Dolagari Kathoni Tea Estate Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Wood's Agencies Private Limited*

Calcutta, the 16th September 1980

No. 25587/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Wood's Agencies Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Neogy Chemicals Private Limited*

Calcutta, the 16th September 1980

No. 28227/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Neogy Chemicals Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Bengal Electro Craft Private Limited*

Calcutta, the 16th September 1980

No. 29229/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Bengal Electro Craft Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Sindri Hydro Carbons Limited*

Calcutta, the 16th September 1980

No. 29265/560(3) Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Sindri Hydro Carbons Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Parakh Kothi (West) Limited*

Calcutta, the 16th September 1980

No. 29794/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, the name of the Parakh Kothi (West) Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

A. B. BISWAS,
Asstt. Registrar of Companies
West Bengal

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Ishwardas Finance and Investment Private Limited
(In Liqn.)*

Kanpur, the 8th September 1980

No. 9296/1035I.C.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 the name of the Ishwardas Finance and Investment (Pvt.) Limited (in Liqn.) has this day been struck off and the said company is dissolved.

O. P. CHADHA,
Registrar of Companies, U.P.
Kanpur

INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay-400020, the 16th September 1980

No. F.48-Ad(AT)/80.—Shri Naranjan Dass, offg. Assistant Superintendent, Income-tax Appellate Tribunal, Delhi Benches, New Delhi who was continued to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Delhi Benches, New Delhi on *ad-hoc* basis in a temporary capacity for the period from 17-8-1980 to 16-9-1980 vide Notification No. F.48-Ad(AT)/80, dated 19th August, 1980, is now permitted to continue to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Delhi Benches, New Delhi on *ad-hoc* basis in a temporary capacity for a further period of one month with effect from 17-9-1980 to 16-10-1980 or till the post is filled up on regular basis by appointment of a nominee of the U.P.S.C., whichever is earlier.

2. The above appointment is *ad-hoc* and will not bestow upon Shri Naranjan Dass, a claim for regular appointment in the grade and the service rendered by him on *ad-hoc* basis would not count for the purpose of seniority in that grade or for eligibility for promotion to next higher grade.

T. D. SUGLA,
President

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 16th September 1980

Ref. No. SRS/12/80-81.—Whereas, I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and being No. Land measuring 149 kanal 6 marla situated at Vill. Chhatargarh Teh. Sirsa

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sirsa in June, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri Shanti Parshad, Sat Narain, sons of Sh. Ganga Bishan Goel, r/o Street Jamanaka Wali, Sirsa.

(Transferor)

- (2) The Sirsa Prem Nagar Co-operative House Building Society, Ltd., Sirsa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 149 kanal 6 marla along with Tubewell situated in Vill Chhatargarh (Sirsa) and as more mentioned in the sale-deed registered at No. 2111 dated 11-6-1980 with the Sub Registrar, Sirsa.

G. S. GOPALA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 16-9-1980
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Fatan s/o Sh. Data Ram s/o Shri Maidhan
r/o Vill Gheraye Teh. Hansi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Sh. Ravinder Kumar S/o Sh. Nand Lal and Smt.
Harbans Devi W/o Sh. Nand Lal, R/o Professor
Colony, Yamunanagar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 16th September 1980

Ref. No. HNS/1/80-81.—Whereas, I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 85 K 8 M. situated at Gheraye Vill.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hansi in April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

19—276GI/80

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 4 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being house on plot No. 20-A, & 19 situated in Professor colony, Yamunanagar and as more mentioned in the sale deed registered at No. 4929 dated 30-1-1980 with the Sub Registrar, Jagadhri.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 16-9-1980
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, ROHTAK**

Rohtak, the 16th September 1980

Ref. No. HNS/1/80-81.—Whereas, I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House on plot No. 20-A and 19, situated at Professor Colony, Yamunanagar and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jagadhari in January, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ram Dass Khurana & Harbans Lal Khurana sons of Shri Bhagwan Dass Khurana r/o A-2/66, Janakpuri, New Delhi through Shri Chaman Lal, s/o Sh. Raj Chand r/o H. No. 61B Shivaji Park, Yamunanagar.

(Transferor)

(2) Shri Hoshiar Singh s/o Shri Raldu Ram
R/o Village Gheroye Hall Nayana Teh. Hissar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 85 kanal 8 marlas situated in village Gheroye Teh. Hansi and as more mentioned in the sale deed registered at No. 96 dated 10-4-1980 with Sub Registrar, Hansi.

G. S. GOPALA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 16-9-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 16th September 1980

Ref. No. KNL/50/79-80.—Whereas I, G. S. GOPALA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 109 K 12 M situated at Mundi Garhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal in January, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ghasita S/O Sh. Nizamuddin
R/O Mundi Garhi, Teh. Karnal,

(Transferor)

- (2) Sh. Arjan Dass S/O Sh. Ladha Ram
R/O Barsat Teh. Karnal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 109 kanal 12 marlas situated at Vill. Madi Garhi Teh. Karnal and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2415 dated 28-1-80 with the Sub-Registrar, Karnal.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Rohtak

Date : 16-9-1980

Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 19th July 1980

Ref. No. A.P. No. 2161.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Ferozepur City (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ferozepur on Feb. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shrimati Satya Wanti W/o Hari Chand
S/o Sh. Shankar Dass
R/o Ferozepur City. (Transferor)
- (2) 1. Shri Kuldip Raj Behal Advocate,
Sh. Romesh Kumar SS/o Dewan Chand
R/o Ferozepur City, 1/2 share
2. S/Sh. Amrik Rai, Kanwal Narain Kapur
SS/o Sh. Dhali Ram R/o Ferozepur City.
1/2 share (Transferee)
- (3) Sh. Gurbux Singh
S/o Sh. Bahal Singh
R/o Basti Sunwa Wali, Ferozepur City.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as ~~are defined~~ in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 5351 of Feb. 1980 of the Registering Authority, Ferozepur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 19-7-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269(1)D OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 19th July 1980

Ref. No. A.P. No. 2162.—Whereas, I B. S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Ferozepur City situated at Penderghast Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ferozepur on Feb. 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shrimati Satya Wanti W/o Hari Chand
S/o Sh. Shankar Dass
R/o Ferozepur City.
(Transferor)
- (2) 1. Shri Kuldip Raj Behal Advocate,
Sh. Romesh Kumar SS/o Dewan Chand
R/o Ferozepur City. 1/2 share
2. S/Sh. Amrik Rai, Kanwal Narain Kapur
SS/o Sh. Dhali Ram R/o Ferozepur City.
(Transferee)
- (3) Sh. Gurbux Singh
S/o Sh. Bahal Singh
R/o Basti Sunwa Wali, Ferozepur City.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 5397 of Feb. 1980 of the Registering Authority, Ferozepur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 19-7-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 22nd August 1980

Ref. No. A.P. No. 2187.—Whereas, I B. S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Kashmiri Bazar, Hoshiarpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hoshiarpur on Jan. 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Mohar Singh S/o Satnam Singh
S/o Jai Ram Singh, Mohalla Sheikhan,
Hoshiarpur.
or Boot Shop No. : BVIII MCH 495 Kashmiri Bazar,
Hoshiarpur. (Transferor)
- (2) Shri Pritam Singh S/o Ganga Singh
S/o Attar Singh, Gali No. 3,
Mohalla Kamalpur, Hoshiarpur. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 3862 of Jan. 1980 of the Registering Authority, Hoshiarpur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 22-8-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 25th August 1980

Ref. No. A.P. No. 2188.—Whereas, I B. S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Gali Tehsildaranwali, Ferozepur

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ferozepur on Feb. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Bahal Singh S/o Sodagar Singh
R/o Gali Tehsildaranwali, Ferozepur City.
(Transferor)
- (2) Shri Khan Chand S/o Gahela Ram and
Sh. Om Parkash S/o Mahala Ram
R/o Gali Tehsildaranwali, Ferozepur City.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 5629 of Feb. 1980 of the Registering Authority, Ferozepur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 25-8-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 25th August 1980

Ref. No. A.P. No. 2189.—Whereas, I B. S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Samadhi Road, Zira (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Zira on Jan. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, names :—

- (1) Shri Badri Dass S/o Sunder Dass
Adopted son of Smt. Parvati
R/o Zira Now Ludhiana.
(Transferor)
- (2) S/Shri Yudhishter Lal S/o Tara Chand,
Kewal Krishan S/o Jagdish Chand and
Rajiv Kumar alias Khazan Chand S/o Om Parkash
and Smt. Kaushalya Devi w/o Sh. Lok Ram
S/o Sh. Faqir Chand,
R/o Zira Distt, Ferozepur.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 5790 of Jan. 1980 of the Registering Authority, Zira.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 25-8-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 25th August 1980

Ref. No. A.P. No. 2190.—Whereas, I B. S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,00/- an bearing No.

25,000/- an bearing (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kapurthala on Jan. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
20—276GI/80

- (1) Shrimati Harbans Kaur Wd/o Lal Singh
Vill. Bhalana Distt. Kapurthala.
(Transferor)
- (2) S/Shri Darshan Singh, Nishan Singh,
Balwant Singh SS/o Sardar Singh
R/o Vill. Bhalana Distt. Kapurthala.
(Transferees)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2997 of Jan 1980 of the Registering Authority, Kapurthala.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 25-8-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 28th August 1980

Ref. No. A.P. No. 2191.—Whereas, I B. S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Abohar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Abohar on Feb. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shrimati Shanti Devi W/o Manohar Lal Ahuja
R/o Tehsil Road, Abohar.
(Transferor)
- (2) Shri Niranjan Singh, Tek Singh,
Harnek Singh SS/o Sh. Karnal Singh
R/o Opposite Sandeep Theatre,
H. No. 6806 Thana Road, Abohar.
(Transferees)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the Publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2599 of Feb. 1980 of the Registering Authority, Abohar.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 28-8-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 28th August 1980

Ref. No. A.P. 2192.—Whereas, I B. S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Gali No. 1-B, Mandi Abohar (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Abohar on Jan. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Puran Chand S/o Chander Bhan
R/o Gali No. 1-B, Mandi Abohar. (Transferor)
- (2) Shrimati Chand Rani W/o Raj Kishan
R/o Circular Road, Abohar. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2490 of Jan. 1980 of the Registering Authority, Abohar.

B. S. DEHIYA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 28-8-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 1st September 1980

Ref. No. A.P. No. 2193.—Whereas, I B. S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhatinda on Feb. 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Mohan Lal, Nanak Chand and Lachhmi Bai
R/o Gate Haji Rattan, Bhatinda. (Transferor)
- (2) 1. Smt. Karnail Kaur W/o
Thmman Singh S/o Jaggar Singh 1/2 share
2. Atma Singh S/o Bachan Singh 1/4 share
3. Smt. Mohinder Kaur W/o Darbara Singh
1/4 share R/o Bhatinda. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 4666 of Feb. 1980 of the Registering Authority, Bhatinda.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Date : 1-9-1980
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-****SIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 3rd September 1980

Ref. No. A.P. No. 2194.—Whereas, I, B. S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Vill. Miranpur Teh. Phillaur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Phillaur on April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Shri Kartar Singh s/o Mangal Singh
G.A. of Sh. Balkar Singh s/o Mangal Singh
Vill. Paddi Jagir Teh. Phillaur. (Transferor)
- (2) Shri Gurnam Singh s/o Naranjan Singh
Vill. Paddi Jagir Teh. Phillaur. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 123 of April, 1980 of the Registering Authority, Phillaur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur

Date : 3-9-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR
Jullundur, the 3rd September 1980

Ref No A P No 2195 —Whereas, I,

B S DEHIYA,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No As per Schedule situated at Sultanpur Road Kapurthala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kapurthala on Jan 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

- (1) Shri Arjan Singh S/o Inder Singh R/o Sultanpur Road, Kapurthala.
(Transferor)
- (2) S/Shri Ram Nath, Gian Chand, Hari Krishan, Ramesh Kumar Ss/o Chhaju Ram R/o Kapurthala.
(Transferee)
- (3) As per Sr No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No 3137 of Jan 1980 of the Registering Authority Kapurthala

B S DEHIYA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Date 3-9-1980
Seal.

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 3rd September 1980

Ref No AP 2196—Whereas, I,
B. S. DEHIYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Model Town,
Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jullundur on Jan. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Naginder Singh Advocate S/o Sh. Gursharan Singh R/o Village Kotla Tehsil Nakodar District Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Teg Bahadur Singh S/o Sh. Naginer Singh R/o 496-R, Model Town, Jullundur

(Transferee)

(3) As per Sr No 2 above

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 7543 of Jan. 1980 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, JullundurDate : 3-9-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 4th September 1980

Ref. No. A.P. No. 2197.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at G. T. Road, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on Jan. 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Karnail Singh S/o Bhagat Singh R/o Vill. Ramidi Distt. Kapurthala.
(Transferor)
- (2) M/s Hans Raj Mahajan & Sons Pvt. Ltd., G.T. Road, Jullundur through Sh. Satish Kumar Mahajan, Director Co.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 7516 of Jan. 1980 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Date : 4-9-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 4th September 1980

Ref. No. A.P. No. 2198.—Whereas, I,

B. S. DEHIYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at G.T. Road, Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur on Jan. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
21—276GI/80

(1) Shri Santokh Singh S/o Bhagat Singh R/o Vill. Ramidi Distt. Kapurthala.

(Transferor)

(2) M/s Hans Raj Mahajan & Sons Pvt. Ltd., G.T. Road, Jullundur, through Sh. Satish Kumar Mahajan, Director Co.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 7517 of Jan. 1980 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Date : 4-9-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 4th September 1980

Ref. No. A.P. No. 2199.—Whereas, I,

B. S. DEHIYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/80 and bearing No.

As per Schedule situated at G.T. Road, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on Jan. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Harnam Kaur Wd/o Bhagat Singh R/o Vill. Ramidi Distt. Kapurthala.
(Transferor)
- (2) M/s Hans Raj Mahajan & Sons Pvt. Ltd., G.T. Road, Jullundur through Sh. Satish Kumar Mahajan, Director Co.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 7518 of Jan. 1980 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Date : 4-9-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 4th September 1980

Rcf. No. A.P. No. 2200.—Whereas, I,
B. S. DEHIYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at G.T. Road Jullundur (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on March 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Gurbant Singh S/o Bhagat Singh R/o Vill. Ramidi Distt. Kapurthala.
(Transferor)
- (2) M/s Hans Raj Mahajan & Sons Pvt. Ltd., G.T. Road, Jullundur through Sh. Satish Kumar Mahajan, Director Co.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the under signed knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 8886 of March, 1980 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 4-9-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 4th September 1980

Ref. No. A.P. No. 2201.—Whereas, I,

B. S. DEHIYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing As per Schedule situated at Shiv Colony near Barnala Road, Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on Jan. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Inderjit Kaur W/o Shri Swarnjit Singh Sodhi R/o T-15, Railway Colony, Bhatinda.
(Transferor)
- (2) Smt. Raj Rani W/o Gopal Krishan R/o House No. 4695 near S.D. Girls School, Bhatinda.
(Transferee)
- (3) Asper Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 4208 of Jan. 1980 of the Registering Authority, Bhatinda.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Date : 4-9-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER, OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 4th September 1980

Ref. No. A.P. No. 2202.—Whereas, I,

B. S. DEHIYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Shiv Colony near Barnala Road, Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Bhatinda on Feb. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 296-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Inderjit Kaur W/o Swarnjit Singh Sodhi R/o T-15, Railway Colony, Bhatinda.
(Transferor)
- (2) Smt. Raj Rani W/o Gopal Krishan R/o H. No. 4695 near S.D. Girls School, Bhatinda.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 4456 of Feb. 1980 of the Registering Authority, Bhatinda.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Date : 4-9-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER, OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 4th September 1980

Ref. No. A.P. No. 2203.—Whereas, I,

B. S. DEHIYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on Jan. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Banta Singh S/o Bugha Singh R/o Bhatinda.
(Transferor)
- (2) Shri Malkiat Singh, Gurbus Singh, Baldev Singh, Sukhdev Singh, Gurmail Singh, Gurtej Singh Ss/o Sh. Jagir Singh S/o Bhag Singh, R/o 8040 Sirki Bazar, Bhatinda.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 4037 of Jan. 1980 of the Registering Authority, Bhatinda.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Date : 4-9-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER,
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 4th September 1980

Ref. No. A.P. No. 2204.—Whereas, I,
B. S. DEHIYA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
As per Schedule situated at Bhatinda
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Bhatinda on Jan. 1980
for an apparent consideration which is
less than the fair market value of the aforesaid property and
I have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent con-
sideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons; namely :—

- (1) Shri Banta Singh S/o Bugha Singh R/o Bhatinda.
(Transferor)
- (2) Shri Malkiat Singh, Gurbux Singh, Baldev Singh,
Sukhdev Singh, Gurmail Singh, Gurtej Singh SS/o
Jagir Singh S/o Bhag Singh, R/o 8040 Sirki Bazar,
Bhatinda.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, which-
ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration
sale deed No. 4075 of Jan. 1980 of the Registering Author-
ity, Bhatinda.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Date : 4-9-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER, OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 4th September 1980

Ref. No. A.P. No. 2205.—Whereas, I,
B. S. DEHIYA,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Ward No. 11/159, Budhlada (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Budhlada on Jan. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Parkash Kaur W/o Faquir Singh R/o Budhlada.

(Transferor)

(2) Shri Balwinder Kumar S/o Parkash Chand R/o Budhlada.

(Transferee)

* (3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

* (4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration Sale deed No. 1575 of Jan. 1980 of the Registering Authority, Budhlada.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur.

Dated : 4-9-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
JULLUNDUR

Jullundur, the 5th September 1980

Ref. No. A.P. No. 2206.—Whereas, I,

B. S. DEHIYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Vill. Awan Khalsa Teh. Nakodar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nakodar on Jan. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

22—276GI/80

(1) Shri Ram Parkash S/o Diwan Chand through Sh. Bawa Singh, G.A. Vill. Rahimpur, Teh. Hoshiarpur.
(Transferor)

(2) Shri Piara Singh S/o Bawa Singh and Lachmi Wd/o Gurmel Singh Vill. Awan Khalsa, Teh. Nakodar.
(Transferee)

*(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

*(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2612 of Jan. 1980 of the Registering Authority, Nakodar.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur.

Dated : 5-9-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 5th September 1980

Ref. No. A.P. 2207.—Whereas, I,

B. S. DEHIYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

As per Schedule situated at Vill. Mandi Teh. Phillaur (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phillaur on Jan. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Mihan Singh alias Sarwan Singh S/o Moti Village Mandi Teh. Phillaur.
(Transferor)
- (2) Shri Chuhar Singh, Jaswinder Singh SS/o Mihan Singh Vill. Mandi Teh. Phillaur.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 4110 of Jan. 1980 of the Registering Authority, Phillaur.

B. S. DEHIYA.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Date : 5-9-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 9th September 1980

Ref. No. A.P. No. 2208.—Whereas, I,

B. S. DEHIYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Takki Mohalla, Phagwara (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara on Jan. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ram Parkash S/o Kishan Dyal, R/o Maheli Gate, Phagwara.

(Transferor)

(2) Shri Ujjagar Singh S/o Nand Singh H. No. 36, Gurdev Nagar, Ludhiana.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2111 of Jan. 1980 of the Registering Authority, Phagwara.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 9-9-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 10th September 1980

Ref. No. A.P. No. 2209.—Whereas, I,
B. S. DEHIYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule, situated at Vill. Vinjoke, Makhu (and more fully described in the Schedule annexed thereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at ZIRA on Jan. 1980

for an apparent consideration

which is less than the fair market value

of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri. Hans Raj S/o Nagar Mal R/o Laduka Mandi, Teh. Fazilka, Sh. Mohtab Singh S/o Darbara Singh R/o Chandigarh, C/o Sh. Kishore Chand S/o Niamat Rai, R/o Fazilka, Mukhtiar-i-am.

(Transferor)

(2) M/s Guru Ram Dass Rice & General Mills, Makhu Through Sh. Raj Kumar, Partner.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 5821 of Jan. 80 of the Registering Authority, ZIRA.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, JullundurFile: 10-9 1980
Sent:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 10th September 1980

Ref. No. A.P. No. 2210.—Whereas, I,

B. S. DEHIYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Vill. Vinjoke, Makhu (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at ZIRA on Jan. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent or such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Hans Raj S/o Nagar Mal R/o Laduka Mandi, Teh. Fazilka, Sh. Mehtab Singh S/o Darbara Singh R/o Chandigarh C/o Sh. Kishore Chand S/o Niamat Rai R/o Fazilka, Mukhtiar-i-am.

(Transferor)

(2) M/s Guru Raja Dass Rice & General Mills, Makhu through Sh. Raj Kumar, Partner.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 5878 of Jan, 1980 of the Registering Authority, ZIRA.

B. S. DEHIYA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jullundur

Date : 10-9-1980
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 10th September 1980

Ref. No. A.P. No. 2211.—Whereas, I, **B. S. DEHIYA**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. _____ for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Hans Raj S/o Nagar Mal R/o Lakuka Mandi Teh. Fazilka, Sh. Mehtab Singh S/o Darbara Singh R/o Chandigarh C/o Sh. Kishore Chand S/o Niamat Rai R/o Fazilka, Mukhtiar-i-am. (Transferor)
- (2) M/s Guru Ram Dass Rice & General Mills, Makhu Through Sh. Raj Kumar, Partner. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 5972 of Jan. 1980 of the Registering Authority, ZIRA.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Date: 10-9-1980
Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 11th September 1980

Ref No AP No 2212—Whereas, I,
B. S. DEHIYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Nakodar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nakodar on Jan. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Gurdial Singh S/o Buta Singh, Vill. Alawal (Transferor)
- (2) Shri Inath Ram S/o Telu Ram, Sh Pritam Singh Tiger S/o Santa Singh, Sh Jasprit Singh S/o Pritam Singh, Smt Shashi Kanta Sandhu W/o Sh Kalwant Singh, Nakodar (Transferee)
- (3) As per Sr No 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No 2646 of Jan 1980 of the Registering Authority, Nakodar.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Date : 11-9-1980
Seal .

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR.

Jullundur, the 11th September 1980

Ref. No. A.P. No. 2213.—Whereas, I,
B. S. DEHIYA,
being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'),
have reason to believe that the immovable property,
having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. As per Schedule situated at Vill. Bath Teh. Nakodar
(and more fully described in the Schedule annexed here-
to), has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Nakodar on Jan. 1980
for an apparent consideration
which is less than the fair market value of the aforesaid
property, and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of
such apparent consideration and that the consideration for
such transfer as agreed to between the parties has not been
truly stated in the said instrument of transfer with the object
of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

(1) Shri Channo D/o Buzha, Vill. & P.O. Bath, Teh. Nakodar.

(Transferor)

(2) Shri Joginder Singh S/o Karam Singh V. & P.O. Pandori Khass, Teh. Nakodar.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration
sale deed No. 2709 of Jan. 1980 of the Registering Autho-
rity, Nakodar.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Date : 11-9-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR.

Jullundur, the 12th September 1980

Ref. No. A.P. No. 2214.—Whereas, I, J. S. AHLUWALIA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Vill. Kohala Teh. Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on Jan. 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

23—276GI/80

- (1) Shri Munsha Singh S/o Chanda Singh Vill. Kohala Teh. Jullundur.
(Transferor)
- (2) Shri Jagjit Singh, Surjit Singh, Jaswant Singh, Balbir Singh & Malkit Singh Ss/o Arjan Singh Vill. Narawali Teh. Jullundur.
(Transferees)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as and defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 7395 of Jan. 1980 of the Registering Authority, Jullundur.

J. S. AHLUWALIA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 12-9-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

JULLUNDUR.

Jullundur, the 10th September 1980

Ref. No. A.P. 2215.—Whereas, I.

J. S. AHLUWALIA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

As per Schedule situated at Vill. Puranpur situated at Mouza Magadampur, Thana Silao, Dt. Nalanda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in Jan. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Puran Singh S/o Dhana Singh G.A. of Sh. Hazura Singh Santokh Singh Swaran Singh S/o Sh. Dhana Singh Vill. Puran Pur.

(Transferor)

(2) Shri Gurprit Singh S/o Mohinder Singh R/o Puranpur Teh. Jullundur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 7556 of Jan. 1980 of the Registering Authority, Jullundur.

J. S. AHLUWALIA,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 12-9-1980

Seal:

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

JULLUNDUR

Jullundur, the 12th September 1980

Ref. No. A.P. No. 2216.—Whereas, I,

J. S. AHLUWALIA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

As per Schedule situated at Shastri Nagar Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jullundur, in Jan. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Tarlok Singh S/o Sh. Kantar Singh R/o Nakodar Road, Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Satnam Singh S/o Raghbir Singh R/o Pan-chata (Phagwara).

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

"(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 7140 of Jan 1980 of the Registering Authority, Jullundur.

J. S. AHLUWALIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur.

Date 12-9-1980
Seal.

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 12th September 1980

Ret. No. A.P. No. 2217.—Whereas, I I. S. AHLUWALIA being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Vill. Kot Kalan (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on Jan. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shrimati Chanan Kaur Wd/o Pitam Singh Vill. Kot Kalan Teh. Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Dilbagh Singh, Gurdip Singh, Gurcharan Singh, Sarbjit Singh, Rtna Singh, Sukhjot Singh SS/o Sh. Sadhu Singh R/o Vill. Kot Kalan Teh. Jullundur.

(Transferee)

(3) As per Sl. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale Deed No. 7142 of Jan. 1980 of the Registering Authority, Jullundur.

J. S. AHLUWALIA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 12-9-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 25th September 1980

Ref. No. A.P. No. 2218.—Whereas, I R. GIRDHAR being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Pati Choti, Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bhatinda on Jan. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Iqbal Singh S/o Kartar Singh Bhatinda.
(Transferor)
- (2) Kumari Jaswant Devi D/o Sant Ram, Satya Devi D/o Bhag Mal, Hans Raj S/o Kishore Chand, Prata Lal S/o Munshi Ram, Birla Mill Colony C/o M/s Mafat Lal Group of Mills, Kala Mandir Dhobi Bazar, Bhatinda.
(Transferee)
- (3) As per Sl. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person in occupation of the property)
interested in the property)

Objections, if any, to the Acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 3956 of Jan. 1980 of the Registering Authority, Bhatinda.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 25-9-1980
Seal :

FORM TINS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 25th September 1980

Ref. No. A.P. No. 2219.—Whereas, I R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Vill. Mansa Khurd (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mansa on Jan. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Kumari Mohinder Kaur D/o Tek Singh S/o Bakhsish Singh R/o Mansa Khurd through Arjan Singh, General Attorney.

(Transferor)

(2) Shri Sukhwinder Singh, Mandeep Singh SS/o Gurinder Singh S/o Inder Singh R/o Mansa Kalan.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 3800 of Jan. 1980 of the Registering Authority, Mansa.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 25-9-1980
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR
Jullundur, the 25th September 1980

Ref. No. A.P. No. 2220.—Whereas, I R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Vill. Fatchgarh Sahnewala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sardulgarh on Jan. 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Mani Ram, Devi Lal, Jassu Ram SS/o Pat Ram R/o Sahnewala.
(Transferor)
- (2) Shri Vijay Kumar, Vinod Kumar Smt. Shella Devi, Ram Piari, Amar Nath R/o Fatchgarh Sahnewala.
(Transferee)
- (3) As per Sr No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1306 of Jan. 1980 of the Registering Authority, Sardulgarh.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 25-9-1980
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE II

H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE,
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 8th September 1980

Ref No. IAC/Acq-II/SR-I/1-80/6126.—Whereas I, Miss R. K. CHAHAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 17-E, situated at Rajouri Garden, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on January 1980, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Manohar Lal Khurana S/o Sahib Singh Khurana R/o E-17, Rajouri Garden, New Delhi, Karta of HUF.

(Transferor)

(2) Shri B. S. Bagga S/o Late Piara Singh Bagga R/O 31/20 East Patel Nagar, New Delhi, Karta of HUF.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice of the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One and a half storeyed house on plot No. 17 in Block E, measuring 322 sq. yds. at Rajouri Garden area of village Bussai Darapur, Delhi State, Delhi.

MISS R. K. CHAHAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II
Delhi/New Delhi.

Date 8-9-1980
Seal :

FORM NO. I.T.N.S. -----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II
H-BLOCK VIKAS BHAVAN, 1. P. ESTATE,
NEW DELHI 110002

New Delhi, the 8th September 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SRI/1-80/6125. -Whereas, I, Miss R. K. CHAHAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1351 Ward III situated at Gali Mohd. Zakaria Phatak Habish Khan Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on January 1980, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
24—276GI/80

(1) Shri Shiv Ram S/o Ram Piara Mal & Vinod Kumar S/o Shiv Ram R/o 259, Bhonda Mal Ka Ahata Rly Road, Ghaziabad.

(Transferor)

(2) Smt. Saida Khatoon W/o Mohd. Abid R/o 1202 Baradari Nawab Wazir Phatak Habish Khan, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 1351 Ward No. III Gali Mohd. Zakaria, Phatak Habish Khan, Delhi area 43-1/3 sq. yds.

MISS R. K. CHAHAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II,
Delhi New Delhi.

Date : 8-9-1980.
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.— — — — —

(1) Shri Bishan Dass S/o Jagat Ram, 1186, Naiwala
Cali No. 6, Karol Bagh, New Delhi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II
H-BLOCK VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE,
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 8th September 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SRI/1-80/6120 —Whereas, I, Miss R. K. CHAHAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 26 on Road No. 27, Punjabi Bagh situated at Bassai Darapur Delhi State, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on January 1980, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shri Mulkh Raj S/o Jwan Dass, Smt. Shanti Devi his wife and three sons Hari Chander, Subhash Chander and Ramesh Chander all R/o F-13/A, Sudershan Park, New Delhi.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property No. 26 on Road No. 27 Punjabi Bagh, Bassai Darapur Delhi State, Delhi.

MISS R. K. CHAHAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II,
Delhi/New Delhi.

Date 8-9-1980.
Sd/-

FORM NO. I.T.N.S.—

(1) Shri Madan Lal Hakim S/o Pt. Barkat Ram & Smt. Lajya Wanti W/o Madan Lal Hakim R/o B-3/412, Paschhimpuri, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Balbir Singh S/o Wazir Chand J-144, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II,
H-BLOCK VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE,
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 8th September 1980

Ref. No. IAC/Acq-IU/SRII/80/6117.—Whereas, I, Miss R. K. CHAHAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. J/113, situated at Rajouri Garden, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on January 1980, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House on plot No. J/113, measuring 311.1 sq. yds. situated at Rajouri Garden area of village Bassai Darapur Delhi State, Delhi bounded as under :—

North : Property No. J/131
South : Road
East : Property No. J/112.
West : Property No. J/114

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

MISS R. K. CHAHAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II,
Delhi/New Delhi.

Date : 8-9-1980.
Seal

FORM NO. I.T.N.S.—

(1) Shri Mula Mal S/o Sh. Bua Dass,
R/o G-20/3A, Rajouri Garden, New Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Subhash Chander & Satya Bhushan, sons of
Devki Nandan R/o E-3, Rattan Park, New Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE,
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 8th September 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/1-80/6119.—Whereas I, Miss R. K. CHAHAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. G-20, 2A, situated at Rajouri Garden, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on January 1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) Facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the wealth Tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issued of this notice hereby subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) By any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later :—

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have in the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house built on a free hold plot of land bearing plot No. 2A in Block G-20, (G-20/2A) measuring 140 sq. yds. situated in the colony known as Rajouri Garden area of village Bassai Darapur Delhi State Delhi bounded as under :—

North : House on plot No. G-20/1-A
South : House on plot No. G-20/3-A
East : Service Lane.
West : Service Lane.

MISS R. K. CHAHAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II,
Delhi/New Delhi.

Date 8-9-1980.
Seal :

FORM NO ITNS ———

(1) Shri Rani Rattan Singh S/o Late S Atma Singh
Namdhari of D-35, Rana Pratap Bagh Delhi
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Rani Nath Batia S/o Panju Ram,
A 47, Phase III Ashok Vihar, Delhi
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-II,
H BLOCK VIKAS BHAVAN 1 P ESTATE
NEW DELHI 110002

New Delhi, the 8th September 1980

Ref No IAC Asq II/SR I/1-80/6107 —Whereas I, Miss R K CHAHAI, being the competent authority under Section 269 B of the Income Tax Act 1961 (43 of 1961) (herein after referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No D 12, situated at Rana Pratap Bagh, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on 4th January 1980, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property is aforesaid exceeds the apparent consideration thereto by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXX of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property No D-12, Rana Pratap Bagh Delhi village Sadhora Kalan Delhi bounded as under —

North Road 30 ft
South Wall of Veei Jam Colony
East Proposed lawn
West Plot No D 13

MISS R K CHAHAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II
Delhi/New Delhi

Date 8-9-1980
Seal

FORM NO ITNS

(1) Smt Suraj Bai W/o Rattan Lal Jain
1040 Malwara Nal Sarak, Delhi

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt Radha Bai W/o Dwaika Dass,
3/67, Roop Nagar, Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE II,
H BLOCK, VIKAS BHAVAN, 1 P ESTATE,
NEW DELHI 110002Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

New Delhi, the 8th September 1980

Ref No IAC/Acq-II/SRI/1-80/6132 — Whereas I, Miss
R K CHAHAL,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs 25,000/-
and bearingNo XII/6514, D-32 situated at Kamla Nagar, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer
at Delhi on January 1980,for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than fif-
teen per cent of such apparent consideration and that the consi-
deration for such transfer as agreed to between the parties has
not been truly stated in the said instrument of transfer with
the object of.—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official GazetteEXPLANATION —The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

THE SCHEDULE

One Flat on the first floor, front side of the property No
XII/6514 plot No D-32, situated in Kamla Nagar, Delhi

MISS R K CHAHAL

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range II

Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Date 8-9-1980

Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II.

H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE,
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 8th September 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/1-80/6142—Whereas I, Miss R. K. CHAHAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 9697 and 9698 situated at Gali Neem Wali Nawabganj, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on January 1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Nand Lal S/o Trilok Chand R/o 9694 Gali Neemwali Nawab Ganj Delhi (2) Surender Nath S/o Nand Lal R/o 81, Gujranwala Town Part II, G. T. Karnal Road, Delhi (3) Jugal Kishore S/o Nand Lal 170, Gujranwala town, G.T. Karnal Road, Delhi

(Transferor)

(2) Shri Jagdish Parsad S/o Ram Nath R/o 6177, Kucha Shiv Mandir Gali Batashah Khari Bawri, Delhi-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette** or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shops No. 9697-9698 Gali Neem Wali, Nawab Ganj, Delhi.

MISS R. K. CHAHAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II,
Delhi/New Delhi.

Date 8-9-1980.

Seal -

FORM NO. ITNS. - ———

(1) Shri Mohan Singh S/o Labh Singh
R/o M-35, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Smt Anita Ram W/o Arvind Pal Singh Duggal
R/o 13-A/21, W.F.A. Karol Bagh, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II,
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, 1 P ESTATE,

NEW DELHI-110002

New Delhi, the 8th September 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SRI/1-80/6160.—Whereas, I, MISS
R. K. CHAHAL,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearingNo. H/90-A, situated at Kirti Nagar, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908), in the office of the Registering Officer at
Delhi on January 1980for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957).Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons namely :—Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective per-
sons, whichever period expires later.(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of
the publication of the notice in the official
Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

2½ storeyed building on plot No. 90-A block H mg.
200 sq. yds. situated at Kirti Nagar area of village Bassai
Dangpur Delhi State, Delhi.MISS R. K. CHAHAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi.Date : 8-9-1980.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II,
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE,

NEW DELHI-110002

New Delhi, 8th September 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/1-80/6170.—Whereas I, MISS R. K. CHAHAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. XII/9120 situated at Nawab Ganj, Azad Market, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Delhi on January 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets, which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
25—276GI/80

(1) Shri Krishan Lal S/o Wasanda Ram, 9119-20, Nawabganj, Delhi himself & general attorney of Bhagwan Dass and Sant Lal S/o Wasanda Ram.

(Transferor)

(2) Smt. Kaushalya Rani Wd/o Ram Saran Bhatia, R/o XII/9120 (G.F.) Nawabganj, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later :

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Only ground floor bearing property No. XII/9120 at Nawabganj, Azad Market, Delhi on land measuring 132 sq. yds.

MISS R. K. CHAHAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi.

Date : 8-9-1980.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,

H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 8th September 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/1-80/6174.—Whereas, I,
MISS R. K. CHAHAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 2/3rd of XI/3630 situated at Sarak Nagaar Khana, Pataudi House, Darya Ganj, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 30-1-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of the income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. (1) Smt. Piem Kaur Wd/o Late Bakhshi Gurcharan Singh.
- (2) Bakshi Alamgi Singh S/o Late Bakhshi Gurcharan Singh.
- (3) Bakhshi Diri Rang Singh.
- (4) Shri Bakshi Jagtar Singh S/o Late Bakshi Gurcharan Singh all resident of Lal Kothi, Darya Ganj, Delhi.
- (5) Smt. Amar Kaur W/o Ch. Barkat Singh, Advocate, R/o Chowk Farid, Amritsar.
- (6) Shri Bakhshi Aftab Singh S/o Late Shri Bakhshi Gurcharan Singh, Distt. and Sessions Judge Gurdaspur.
- (7) Shri Gurpreet Singh S/o Shri Bakhshi Aftab Singh.
- (8) Master Birender Preet Singh and Master Harinder Singh minor through their father Shri Bakhshi Aftab Singh, District and Sessions Judge, Gurdaspur (Punjab).

(Transferors)

2. (1) S. Sadhu Singh S/o S. Bhagat Singh, R/o E-155, Aakat, New Delhi-17.
- (2) Shri Isher Singh S/o S. Kirpal Singh, R/o 265, Sector 15, Faridabad, Haryana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2/3rd portion of Kothi known as Lal Kothi bearing Municipal Number XI/3830, Sarak Nagaar Khana, Pataudi House, Daryaganj, Delhi bounded as under :—

North : Nagaar Khana Road
 South : David Street
 East : Building known as Hanging Bridge (Bhandari Homeopaths)
 West : Remaining 1/3rd of Kothi and beyond that Public Lane.

MISS R. K. CHAHAL,
 Competent Authority,
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-II,
 Delhi/New Delhi

Date : 8-9-1980
 Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Laxhi Ram S/o Shri Abhey Ram R/o Vill. Nangli Poonna, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. K. K. Rubber Co. (India) P. Ltd., Samepur, Badli, Delhi-42.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,

H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 8th September 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/1-80/3045.—Whereas, I, MISS R. K. CHAHAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agrl. land 18 biswas 6 biswani and 4 bigha 2 biswas situated in Village Nangli Poonna, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on January 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) ;

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land in Khasra No. 20/7 (18 biswas 6 biswani and Khasra No. 20/6 (4 bigha 2 biswas) at Village Nangli Poonna, Delhi.

MISS R. K. CHAHAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date : 8-9-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,

H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 8th September 1980

Ref. No. JAC/Acq-II/SR-II/1-80/3060.—Whereas, I,
MISS R. K. CHAHAL,being the Competent Authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearingNo. A-1/49, situated at Pankha Road Residential Scheme
Janakpuri New Delhi(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Delhi on January 1980for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian Income-tax
Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the
Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Shri Chitanya Kumar Rampal S/o Hans Raj Rampal
R/o A-1/49, Pankha Road Res. Scheme Janakpuri
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Sushil Kumar and Shri Umesh Kumar s/o Shri
Shadi Lal Sahni R/o B-4/8, Rajouri Garden New
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double storey building built on lease hold plot No. 49
in Block A-1 measuring 126 sq meters in Pankha Road
Residential Scheme Janakpuri New Delhi.

MISS R. K. CHAHAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
DELHI/NEW DELHI

Date : 8-9-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,

H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 8th September 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/1-80/3073.—Whereas, I, MISS R. K. CHAHAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the said Act)

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. B-70, situated at Fateh Nagar, Mohalla Gurunanakpura New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 22-1-1980

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Harinder Singh S/o Shri Kartar Singh, B-70, Fateh Nagar, New Delhi.

(Transferor)

- (2) Smt. Kulraj Kaur W/o Shri Gurbax Singh of 6444-41, Baghichi Ishwari Parshad, Bara Hindu Rao, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House bearing Municipal No. B-70, Fateh Nagar, New Delhi measuring 200 sq. yds., bounded as under :—

North : Road 15' wide
South : Road 25' wide
West : Built up House on plot No. 69.
East : Built up house on plot No. 71.

MISS R. K. CHAHAL

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range-II,

Delhi/New Delhi

Date : 8-9-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II,

H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, 1P ESTATE,
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 8th September 1980

Ref No IAC/Acq II/SR II/1 80/3081—Whereas, I, MISS R K CHAHAL, being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25 000/- and bearing No C-75 Inderpuri New Delhi situated at (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on January 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Maj K C Anand S/o Shri Chanan Dass
Anand D-210, Malviya Nagar Extension New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt Chander Kanta W/o P C Chaudhry C/o
K C Puri 55/1, Old Rajinder Nagar New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One piece of land (Freehold) measuring 500 sq yds, bearing plot No C-75, situated in Inderpuri Colony New Delhi bounded as under —

East Plot No C 74
West House on plot No C 76
North Lane
South Road

MISS R K CHAHAL
Competent Authority,
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date 8-9-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-II,H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, 1st ESTATE
NEW DELHI 110002

New Delhi, the 8th September 1980

Ref No IAC/Acq-II/SR-II/1-80/3082 —Whereas, I, MISS R K CHAHAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No 20/44, situated at Punjabi Bagh New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on January 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be dissolved by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri S. Nirmal Singh S/o S. Ganga Singh of Kapas-hera New Delhi

(Transferor)

(2) Shri Sunder Mohan Arora S/o Moti Ram Arora 20/44, Punjabi Bagh New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A single storeyed building bearing No 20 on road No 44 situated at Punjabi Bagh New Delhi measuring 277.80 sq yds

MISS R K CHAHAL
Competent AuthorityInspecting Assistant Commissioner of Income-tax
ACQUISITION RANGE-II
DELHI/NEW DELHI

Date 8-9-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,

H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 8th September 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/1-80/3083.—Whereas, I, MISS R. K. CHAHAL,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. A-208, situated at Hari Nagar Clock Tower New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on January 1980

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Mohinder Nath S/o Shri Sadhu Ram Nayyar
R/o 7/7 Railway Qrs. Kishan Ganj Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri Kesar Singh S/o Shri Santa Singh R/o H. No. 16/139, Gali No. 2, Tank Road Karol Bagh New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

plot No. 208 Block A measuring 220 sq. yds. situated at Hari Nagar Clock Tower New Delhi.

MISS R. K. CHAHAL
Competent Authority,

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 8-9-1980

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Sohan Singh and Shri Charan Dass ss/o
Shri Hazari Mal 83, Punjabi Bagh New Delhi.
(Transferor)

(2) Shri Roshan Lal S/o Shri Dhirt Ram W-124,
Greater Kailash New Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 8th September 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/1-80/3084.—Whereas, I MISS R. K. CHAHAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. 53-B/2 (Part) situated at Punjabi Bagh New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on January, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
26—276GI/80

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of Property built on plot No. 2 Road No. 53-B situated at Punjabi Bagh area of Village Madipur Delhi State Delhi.

MISS R. K. CHAHAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 8-9-1980

Seal ;

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 8th September 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/1-80/6115.—Whereas, I, MISS R. K. CHAHAL, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. K-4/20 situated at Model Town Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on January, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269C of the said Act, to the following

(1) Shri Sunil Kumar Aggarwal S/o Shri Inderjit Aggarwal B-49, Gujranwala Town I, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Surjit Malhotra,
Smt. Monni Malhotra and
Smt. Usha Malhotra,
R/o K-4, Model Town Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Freehold plot of land bearing Plot No. 20 in Block K-4, measuring 482.17 sq. yds. situated in the colony known as Model Town area of village Malikpur Chhaoni Delhi State Delhi bounded as under :—

North : Plot No. K-4/21.
South : Plot No. K-4/19.
East : Road.
West : Plot No. K-4/17.

MISS R. K. CHAHAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 8-9-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,

H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 3rd September 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SRI/1-80/6146.—Whereas, 1, MISS R. K. CHAHAL,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. D-1/5-B, situated at Rana Pratap Bagh, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on January, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating at the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Gurcharan Singh S/o Shri Phoola Singh,
5560 Gali No. 4, Chandrawal Road, Subzi Mandi
Delhi.
(Transferor)
- (2) Smt. Savitri Devi W/o Shri Tulsi Ram Gupta,
No. 2657, Basti Punjabi Subzi Mandi Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in Chapter.

THE SCHEDULE

 $\frac{1}{2}$ share of the property No. D-1/5, (known as D-1/5B) situated in the area of village Sadhora Kalan in Mahaldar Garden Delhi Abadi of Rana Pratap Bagh Delhi bounded as under :—

North : Road
 South : Property of Smt. Leela Wati
 East : Property No. DO/6
 West : Portino of Plot No. D-1/5.

MISS R. K. CHAHAL
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-II
 DELHI/NEW DELHI

Date : 3-9-1980
 Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II, H-BLOCK,
VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 3rd September 1980

Ref. No. IAC/Acq.II/SRI/1-80/6147.—Whereas, I,
MISS R. K. CHAHAL,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearingNo. D-1/5A, situated at Rana Partap Bagh, Delhi.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Delhi on January 1980for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons namely :—

- (1) Shri Gurcharan Singh
S/o Shri Phoola Singh
No. 5560 Gali No. 4,
New Chandrawal Subzi Mandi, Delhi.
(Transferor)
- (2) Smt. Pushpa Devi
W/o Shri Gauri Shankar Jindal
2657, Basti Punjabi Subzi Mandi,
Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, which-
ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Freehold property No. D-1/5A, Village Sadhora Kalan in
Mahaldar Garden Abadi Rana Pratap Bagh Delhi measuring
148 sq. yds. bounded as under :—

East : Part of Plot No. DI/5

West : Property No. D-1/4

North : Road 30 ft.

South : Property of Leela Wati.

MISS R. K. CHAHAL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date : 3-9-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, H-BLOCK,
VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 8th September 1980

Ref. No. IAC/Acq.II/SRI/1-80/6155.—Whereas, I, MISS R. K. CHAHAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/2 share of 9062 situated at Ram Bagh Road, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on 18-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Britannia Industries Ltd.,
through Shri P. C. Khanna Director,
15-Taratola Road, Calcutta-700 053.

(Transferor)

- (2) Shri Sanwal Ram Gupta
S/o Shri Hardwari Lal
R/o B-2/17, Ashok Vihar Phase-II,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

1/2 share of Property No. 9062, Ram Bagh Road, Delhi measuring 2151.50 sq. meters.

MISS R. K. CHAHAL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 8-9-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, H-BLOCK,

VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE

NEW DELHI-110002

New Delhi, the 8th September 1980

Ref. No. I AC/Acq-II/SRI/1-80/615.—Whereas, I, MISS R. K. CHAHAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/2 share of 9062 situated at Ram Bagh Road, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 18-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Britannia Industries Ltd.,
through Shri P. C. Khanna Director,
15-Taratola Road, Calcutta-700 053.

(Transferor)

- (2) Shri Surinder Gupta
H-22, Ashok Vihar, Delhi-52.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share of Property No. 9062, Ram Bagh Road, Delhi measuring 2151. sq. meters

MISS R. K. CHAHAL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 8-9-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, H-BLOCK,
VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,
NEW DELHI-110002

New Delhi-110002, the 6th September 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SRI/1-80/6159.—Whereas, I, (Miss) R. K. CHAHAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. B-72, situated at C. C. Colony, Rana Partap Bagh, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on January 1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Amrik Singh
S/o Shri Hazoor Singh
R/o 72-B, C.C. Colony,
Opp. Rana Partap Bagh, Delhi.
(Transferor)
- (2) Smt. Chanderkala
W/o Shri Uma Shanker
79D, Kamla Nagar, Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single storeyed house built on plot measuring 84 sq. yds. bearing No. 72-B, C.C. Colony, Opp. Rana Partap Bagh, Delhi.

(Miss) R. K. CHAHAL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 6-9-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, H-BLOCK,
VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,
NEW DELHI-110002

New Delhi-110002, the 10th September 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SRIII/1-80/892.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, — being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. land mg. 5 bigha situated at village Khanpur Deoli, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on January, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Sudershan Johar
W/o Brig. I. J. S. Johar,
Ravinder Pal Singh Johar
S/o Brig. I. J. S. Johar &
Shrimati Rohini Johar
D/o Brig. I. J. S. Johar,
C-105, Defence Colony, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Smt. Gulshan Kaur
D/o Gian Singh
W/o Amarjit Singh
R/o R-211, Greater Kailash-I, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 5 bighas comprising part of Khasra No. 594 area 3 bigha 18 biswas Khasra No. 601 area 1 bigha 2 biswas in village Khanpur Deoli, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date : 10-9-1980

Seal ;

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, H-BLOCK,
VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,
NEW DELHI-110002

New Delhi-110002, the 10th September 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SRIII/1-80/891.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agrl. land 5 bigha situated in village Khanpur Dewli, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on January, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

27—276GI/80

(1) Smt. Sudershan Johar
W/o Brig. I. J. S. Johar,
Ravinder Pal Singh Johar
S/o Brig. I. J. S. Johar and
Shrimati Rohini Johar
D/o Brig. I. J. S. Johar,
R/o C-105, Defence Colony, New Delhi.
(Transferor)

(2) Smt. Parkash Kaur
D/o Mani Singh
W/o Jai Singh,
R-211, Greater Kailash-I, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 5 bigha comprising part of Khasra No. 601 area 3 bigha 14 biswas Khasra No. 602 area 1 bigha 6 biswas in village Khanpur Dewli, Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date : 10-9-1980

Scal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, H-BLOCK,
VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,
NEW DELHI-110002

New Delhi-110002, the 10th September 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SRIII/1-80/889.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agrl. land 19 bigha 19 biswas situated in village Khanpur New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on January, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Sudershan Johar
W/o Brig. I. J. S. Johar,
Ravinder Pal Singh Johar
S/o Brig. I. J. S. Johar and
Shrimati Rohini Johar
D/o Brig. I. J. S. Johar,
R/o C-105, Defence Colony, New Delhi.
(Transferor)

(2) Smt. Jinder Kaur
D/o Avtar Singh
R/o R-211, Greater Kailash, New Delhi,
S. Man Mohan Singh,
R-211, Greater Kailash-I New Delhi and
Dharambir Singh
S/o Narain Singh
E-141, Greater Kailash-I, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 19 bigha 19 biswa in village Khanpur Dewli, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date : 10-9-1980
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Satya Dev, E-104, Greater Kailash I, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Balwant Singh Nag E-170, Kalkaji, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I
H BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,
NEW DELHI-110002

New Delhi 110002, the 10th September 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SRII/1-80/899.— Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. E-170, situated at Kalkaji, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 23-1-1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One and a half storeyed building built on leasehold plot bearing No. E-170, measuring 200 sq. yds. situated at Kalkaji New Delhi bounded as under :—

East : 30 ft wide lane
West : Park & Lane.
North : House No. E-171.
South : House No. E-169.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 10-9-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
H BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,
NEW DELHI-110002
New Delhi-110002, the 10th September 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SRIII/1-80/886.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. A-193, situated at Defence Colony, New Delhi, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 18-1-1980, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269 of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Raj K. Mehra S/o Shri Sarv Dayal C-189, Defence Colony, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Dr. Asha Prakash A-193, Defence Colony, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing House No. A-193, Defence Colony New Delhi together with the plot admeasuring 216.60 sq. yds. underneath and bounded as under :—

East : House No. A-192.
West : House No. A-194.
North : Road.
South : Service Lane.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 10-9-1980
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Asba Mehta K-9, Krishan Nagar Delhi through her General Attorney Shri Deepak Malhotra R/o 4/12, Sarva Priya Vihar, New Delhi.
(Transferor)

(2) Shri Anil Kumar Uppal R/o H-17/5, Malviya Nagar New Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I
H BLOCK VIKAS BHAVAN I.P. ESTATE

New Delhi-110002, the 10th September 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SRIII/180/875.—Whereas I,
P. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S-264, situated at Greater Kailash-II, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at New Delhi on 15-1-1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land bearing No. 264 in Block S measuring 299 sq. yds. situated in the residential colony of Greater Kailash II New Delhi bounded as under :—

North : Plot No. S-262.
South : Plot No. S-266.
East : Service Lane.
West : Road.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 10-9-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I
H BLOCK VIKAS BHAVAN I.P. ESTATE,
NEW DELHI-110002

New Delhi-110002, the 10th September 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SRIII/1-80/867.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. I-45, situated at Jangpura, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on 14-1-1980, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Dharam Devi Mehta A-15/2, Vasant Vihar, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri Lal Chand Flat No. 23, Jangpura Market, Jangpura Extension, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two and a half storeyed building bearing Municipal No. I-45, Jangpura Extension, New Delhi bounded as under :—

East : S. Lane.
West : Road.
South : Service Lane.
North : House No. I-44.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 10-9-1980
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Kishan Kumar Dhar 159/D, Rajpur Road
Dehradun (UP).

(Transferor)

(2) Shri K. Prakash Anand & Mrs. S. Rani both R/o
35/14, East Patel Nagar, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,

H BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,

NEW DELHI-110002

New Delhi-110002, the 10th September 1980

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette of a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the Official
Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.Ref. No. IAC/Acq-I/SR/II/1-80/885.—Whereas I,
R. B. L. AGGARWAL,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding Rs.
25,000/- and bearingNo. C-433, situated at Defence Colony, New Delhi,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi on 10-1-1980,for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transfer to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income of any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);Two and a half storeyed building including one garage and
servant quarters on plot No. C/433, Defence Colony, New
Delhi bounded as under :—

North : Service Lane.

South : Road.

East : Plot No. C-434.

West : Plot No. C-432.

R. B. L. AGGARWAL
Competent AuthorityInspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
persons, namely :—

Date : 10-9-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I
H BLOCK, VIKAS BHAVAN, 1 P ESTATE,
NEW DELHI-110002

New Delhi-110002, the 10th September 1980

Ref No IAC/Acq I/SRIII/1-80/883 —Whereas, I,

R B L AGGARWAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. Agrl land mg 5 bigha 07 biswas situated at Village Houz Rani Tehsil Mehrauli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on January 1980, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Nawab S/o Maji R/o Village Hauz Rani, Tehsil Mehrauli, New Delhi.
(Transferor)
- (2) M/s G. S. Dugal & Co P. Ltd A 12, West End, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land Khasia No 407 (2 05) 408 (2-09) 1/24th share-(0-04) and 1/2 share in 423(3 10)-1 15 and full share in 420(3 08) totalling in all 5-07 in the revenue estate of village Hauz Rani Tehsil Mehrauli, New Delhi

R B L AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date : 10-9-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I
H BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,
NEW DELHI-110002

New Delhi-110002, the 10th September 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SRIII/1-80/854.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing

No. S-42, situated at Greater Kailash II, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 8-1-1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

28—276GI/80

- (1) Smt. Rita Anand W/o Ved Prakash Anand R/o Nil-74/A, Malviya Nagar, New Delhi. (Transferor)
(2) Shri Gurvinder Singh Khurana R/o E-118, East of Kailash, New Delhi-24. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Freehold plot of land bearing No. 42 Block No. S, measuring 300 sq. yds. situated in Greater Kailash II, New Delhi Bounded as under :—

East : Service Lane.

West : Road.

North : Plot No. S-40.

South : Plot No. S-44.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 10-9-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s DLF Builders, 21 22, Narindera Place, Parliament Street, New Delhi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) The Indure Private Limited W-1, Greater Kailash-I, New Delhi

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIAOFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I

H BLOCK, VIKAS BHAVAN I P ESTATE,
NEW DELHI 110002

New Delhi-110002, the 8th September 1980

Ref No IAC/Acq-I/SRIII/1-80/858 —Whereas I, R B L AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No Flat No 1, Second Floor, situated at Commercial Complex Greater Kailash-II, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on January 1980, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No 1, on Second Floor, Commercial Complex, Greater Kailash II, New Delhi

R B L AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date 8-9-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IH BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,
NEW DELHI-110002

New Delhi-110002, the 8th September 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SRII/1-80/857.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No. 6, on Second Floor, situated at Commercial Complex Greater Kailash II, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in January 1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) D F Builders, 21-22, Narindra Place, Parliament Street, New Delhi.
(Transferor)

(2) The Indure Private Limited, W-1, Greater Kailash-I, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6, on Second Floor, Commercial Complex, Greater Kailash II, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-9-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s DLF Builders 21-22, Narindia Place, Parliament Street, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) The Indure Private Limited, W-1 Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I

H BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,

NEW DELHI-110002

New Delhi-110002, the 8th September 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SRIII/1-80/861.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Basement No. 2, Basement Floor, situated at Commercial Complex Greater Kailash-II, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in January 1980, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Basement No. 2, Basement Floor, Commercial Complex, Greater Kailash-II, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 8-9-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I

H BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,

NEW DELHI-110002

New Delhi-110002, the 10th September 1980

Ref. No. JAC/Acq-I/SR111.1-80/896.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agrl. land 17 bigha 18 biswas situated at Village Satbari Tehsil Mehrauli, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi in January 1980, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Ashok Kumar Thaper S/o Prem Nath Thaper & Prem Nath Thaper S/o Kunj Bihari Thaper R/o Ashok Thaper Farm, Chhattarpur, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri Amit Lal Sarna S/o Dr. Vidya Prakash Sarna R/o B-4/39, Safdarjang Enclave, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agrl. land Khasra No. 518 (4-16), 519 (4-16), 520 (4-16), 523/2 (3-12) i.e. 17 bighas 18 biswas with tubewell & fencing in village Satbari Tehsil Mehrauli, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 10-9-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I
H BLOCK VIKAS BHAVAN I.P. ESTATE

New Delhi-110002, the 10th September 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SRIII/1-80/890.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agrl. land 5 bigha situated at Village Khanpur Dewli, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on anuary 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

- (1) Smt. Sudershan Johar W/o Brig. I. J. S. Johar, Ravinder Pal Singh Johar S/o Brig I. J. S. Johar & Rohini Johar D/o Brig. I. J. S. Johar R/o C-105, Defence Colony, New Delhi.

(Transferors)

- (2) Smt. Hardit Kaur d/o Dharam Singh W/o Nargain Singh E-141, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 5 bigha comprising part of Khasra No. 593 area 3 bigha 11 biswas Khasra No. 605 area 1 bigha 9 biswas in village Khanpur Dewli Delhi.

R. B. L. AGGARWAL

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 10-9-1980

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri R. M. Bhandari R-140, Greater Kailash Part-I,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Rabinder Singh Tandon N-16, Greater Kailash-I,
New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX,
NEW DELHIACQUISITION RANGE-I
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE
New Delhi-110002, the 8th September 1980(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publications of the notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of publica-
tion of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. IAC/Acq-I/SRIII/1-80/869.—Whereas, I,

R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'

have reason to believe that the immovable property,
having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. N-16, situated at Greater Kailash -I, New Delhi,(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
New Delhi on 15-1-80

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property,
and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of
such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not
been truly stated in the said instrument of transfer with the
object of :—EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
-
- of the transferor to pay tax under the said Act,
-
- in respect of any income arising from the transfer;
-
- and/or.

THE SCHEDULE

A single storeyed house built on plot No. 16 in Block N
measuring 635 sq. yds. situated at Greater Kailash I, New
Delhi bounded as under :—

East : Plot No. N-18.

West : Plot No. N-14.

North : Service Lane.

South : Road.

- (b) facilitating the concealment of any income or any
-
- moneys or other assets which have not been or
-
- which ought to be disclosed by the transferee for the
-
- purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
-
- 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
-
- 1957 (27 of 1957);

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Date : 8-9-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I

H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi-110002, the 8th September 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SRIII/1-80/897.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the competent authority under Section 269 B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein after referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. B-45, situated at Greater Kailash I, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at New Delhi on 22-1-1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Chandar Dhanda R/o 654/1, Gurdev Nagar Pakhowal, Ludhiana.

(Transferor)

(2) M/s Diljeet Exports (India) P. Ltd. 5/70, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. B-45 measuring 500 sq. meters situated at Greater Kailash-I, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 10-9-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Sahib Singh S/o Neki R/o Village Deoli,
Tehsil Mehrauli, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Harvinder Pal Singh S/o Sohan Singh Anand,
N-3, N.D.S.E. Part I, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I

H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi-110002, the 10th September 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SRIII/1-80/876.—Whereas I,
R. B. L. AGGARWAL,being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearingNo. 9 bigha 9-2/3 biswas (Agrl. land situated at Village
Deoli, Tehsil Mehrauli, Delhi,(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi on 16-1-1980,for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

29—276GI/80

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land as per details given below in village
Deoli, Tehsil Mehrauli Delhi.

Resolution NO.	Rect- NO.	Khasra No.	Area	
18/114	50		Bigha	Biswas
		3	4	15
		4	4	10
		5	5	12
		6	4	16
		7	4	15
		8	4	16
		26	0	05
			28	09
			1/3rd share being	
			9 bigha 9-2/3 biswas	

R. B. L. AGGARWAL
Competent AuthorityInspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 10-9-1980

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Mohinder Singh, Constituted attorney of Kartar Singh Village Deoli, Tehsil Mehrauli Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Harvinder Pal Singh Anand N-3, N.D.S.E. Part-I, New Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

ACQUISITION RANGE-I

H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE

NEW DELHI

New Delhi-110002, the 10th September 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SRIII/1-80/877.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agrl. land 9 bigha 9-2/3 biswas situated at Village Deoli, Tehsil, Mehrauli New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on 16-1-1980, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agrl. land as per details given below in village Deoli, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Resolution No.	Rect. No.	Khasra No.	Are. Bigha	Biswas
18/114	50	3	4	15
		4	4	10
		5	4	12
		6	4	16
		7	4	15
		8	4	16
		26	0	05
			1/3rd share being 9 bigha 9-2/3 biswas	

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date : 10-9-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Jeet Singh S/o Neki R/o Village Deoli Tehsil Mehrauli Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Harvinder Pal Singh S/o Sohan Singh Anand, N-3, N.D.S.E.I, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I

H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi-110002, the 10th September 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SRIII/1-80/878 —Whereas I,
R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agrl. land 9 bigha 9-2/3 biswas situated at Village Deoli Tehsil Mehrauli, New Delhi,

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on 16-1-1980,

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other asset which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Agricultural land as per details given below in village Deoli Tehsil Mehrauli, New Delhi.

Resolution No.	Rect No ^d	Khasra No.	Area	
			bigha	biswas
18/114	50	3	4	15
		4	4	10
		5	4	12
		6	4	16
		7	4	15
		8	4	16
		26	0	05
				28
			1/3rd share being	
			9 being 9-2/3 biswas	

R. B. L. AGGARWAL

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range-I, Delhi (New Delhi)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 10-9-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I

H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE

New Delhi-110002, the 10th September 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/1-80/1734.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agrl. land mg. 8 bigha 16 biswas situated at Village Sultanpur Tehsil Mehrauli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on 28-1-80, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Balbir Singh, Meharaj Singh & Asha Ram Ss/o Ram Lal R/o Vill. Sultanpur, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Prem Chand Gupta S/o Nathu Ram, C/o Indo Swiss Time Ltd. Village Dundahera Gurgaon (Haryana).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Agrl. land area 8 bighas and 16 biswas Khasra, No. 64 min Mashrik (4-16) 68 min North (4-10) with tubewell situated in Village Sultanpur Tehsil Mehrauli, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date : 10-9-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Ramji Lal S/o Nathan Singh Village Sultanpur, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Prem Chand Gupta S/o Nathu Ram, C/o Indo Swiss Time Ltd, Village Dundahera, Guigaon (Haryana).

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I

H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P ESTATE

New Delhi-110002, the 10th September 1980

Ref. No. IAC/Acq-J/SR-III/1-80/1731.—Whereas, I.

R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agrl. land mg. 9 bigha 18 biswas situated at Village Sultanpur Tehsil Mehrauli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 25-1-80,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land area 9 bigha 18 biswas Khasia No. 65 mun (4-10) 67 (5-8) village Sultanpur, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.Date : 10-9-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Dr. Kanwar Sain & Smt. Sushila Devi N-126, Panchsheel Park, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Sudha Jaodia W/o M. K. Jaodia & Sandeep Kumar Jaodia S/o M. K. Jaodia, B-62, Paschim Marg Vasant Vihar, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I

H-BLOCK, VIKAS BHAVAN I.P. ESTATL

New Delhi-110002, the 8th September 1980

Ref No. IAC/Acq-I/SR-III/1-80-/1760.—Whereas, I,
R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No 17 Steel No. 1 situated at Shantipath Extension, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in January 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No 17 Street No. I, Shantipath Extension, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date : 8-9-1980
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I

H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE

New Delhi-110002, the 8th September 1980

Ref. No. IAC/Asq-I/SR-III/1-80/866.—Whereas, I.

R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flats 9 to 11 on First Floor situated at Commercial Complex Greater Kailash II, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in January 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s DLF Builders 21-22, Narindra Place, Parliament Street, New Delhi.

(Transferee)

(2) M/s Desein (New Delhi) P. Ltd. W-1, Greater Kailash I, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flats No. 9 to 11 on First Floor, Commercial Complex, Greater Kailash II, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date : 8-9-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I

H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE

NEW DELHI

New Delhi-110002, the 8th September 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SRIII/1-80/855.—Whereas, I, P. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 17 situated at Ground Floor, Commercial Complex, Greater Kailash II, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at New Delhi in January 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s DLF Builders 21-22, Narindra Place, Parliament Street, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Desein (New Delhi) P. Ltd., Commercial Complex, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 17, on Ground Floor, Commercial Complex, Greater Kailash II, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date : 8-9-1980

Seal :

FORM ITNS—

(1) **M/s. DLF Builders,**
21-22, Narindra Place Parliament Street, New Delhi
(Transferor)(2) **M/s. Desai (New Delhi) Pvt. Ltd.,**
W-1, Greater Kailash-I, New Delhi.
(Transferee)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,

H-BLOCK, VILAS BHAVAN, I.P. ESTATE,

NEW DELHI

New Delhi, the 8th September 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SRII/1-80/864.—Whereas, I,
R. B. L. AGGARWAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

Flat No. 7 & 8, on First Floor

situated at Commercial Complex Greater Kailash-II New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer
at New Delhi on January 1980

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby intimate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

30—276GI/80

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given to
that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 7 and 8 on First Floor, Commercial Complex,
Greater Kailash-II, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
New Delhi.

Date : 8-9-1980
Seal ;

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,

H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 8th September 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SRIII/1-80/862.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 7 on 2nd Floor, situated at Commercial Complex Greater Kailash-II New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on January 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. DLF Builders,
21-22, Narindra Place Parliament Street, New Delhi
(Transferor)
- (2) M/s. Desein (New Delhi) Pvt. Ltd.,
W-1, Greater Kailash-I, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 7 on Second Floor, Commercial Complex, Greater Kailash-II, New Delhi-48.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I,
New Delhi.

Date : 8-9-1980.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,

H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE

New Delhi, the 8th September 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SRIII/1-80/863.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Basement No. 1 situated at Basement Commercial Complex Greater Kailash-II New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on January 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. DLF Builders,
21-22, Narindra Place, Parliament Street, New Delhi
(Transferor)
- (2) M/s. Desein (New Delhi) Pvt. Ltd.,
W-1, Greater Kailash-I, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Basement No. 1, Basement Floor, Commercial Complex Greater Kailash-II, New Delhi-48.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
New Delhi

Date : 8-9-1980
Seal :

FORM FINS

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,

H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE

New Delhi, the 8th September 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/180/860.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 1A, Second Floor, situated at Commercial Complex, Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on January 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. DLF Builders,
21-22, Narendra Place, Parliament Street, New Delhi
(Transferor)
- (2) M/s. The Indure Pvt. Ltd.,
W-1, Greater Kailash-I, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1A, on second Floor, Commercial Complex, Greater Kailash II, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
New Delhi.

Date : 8-9-1980.
Seal :

FORM ITNS

- (1) M/s. DLF Builders,
21-22, Narinder Place, Parliament Street, New Delhi
(Transferor)
- (2) M/s. The Indure Pvt. Ltd.,
W-1, Greater Kailash-I, New Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 8th September 1980

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/1-80/859.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 3, Second Floor, situated at Commercial Complex Greater Kailash-II New Delhi and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at New Delhi on January 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 3, Second Floor, Commercial Complex, Greater Kailash II, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-9-1980.
Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,

H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi-110002, the 10th September 1980

Ref. No. LAC/Acq-I/SR-III/1-80/1703.—Whereas, I,
R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 7/21B, situated at New Rohtak Road, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 5-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Chandu Lal, 7/21B, New Rohtak Road
New Delhi-5.

(Transferor)

(2) Vaish Coop. Adarsh Bank Ltd.,
3-Netaji Subhash Marg Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two and a half storeyed building built on plot No. 7 block 21-B situated at New Rohtak Road, New Delhi measuring 315 sq. yds. bounded as under :—

North	Main Rohtak Road
South	Park & Service Lane
East	Plot No. 6
West	Plot No. 8

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
H-Block Vikas Bhavan, I.P. Estate,
New Delhi.

Date : 10-9-1980.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Shakuntla Bhandari A-274, New Friends Colony New Delhi & Mrs. Kusum Lata Chopra H-4/2, Model Town, Delhi.

(Transferee)

(2) M/s. Bharat Consultants P; Ltd 15/96, Civil Lines Kanpur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,

H-BLOCK, VIKASH BHAVAN, I. P. ESTATE,
NEW DELHI-110002

New Delhi-110002, the 10th September 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/1-80/1735.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 169 situated at Golf Links, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on January 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Leasehold land and building thereon situated at 169, Golf Links New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
New Delhi.

Date : 10-9-1980.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,

H-BLOCK, VIKASH BHAVAN, I. P. ESTATE,
NEW DELHI-110002

New Delhi-110002, the 10th September 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-IV/1-80/1277.—Whereas, I,
R. B. L. AGGARWAL,being the Competent Authority under Section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing

No. D-3/20, situated at Krishan Nagar New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
at Delhi on 23-1-1980for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Smt. Durgesh Mehta W/o Harish Mehta,
D-3/20, Krishan Nagar, Delhi-51.

(Transferee)

- (2) Smt. Sheela Wanti W/o Kimti Lal,
322, Ram Nagar Delhi.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

One build up house on free hold plot of land No. 20
measuring 200 sq. yds. in Block D-3, situated in the colony
known as Krishan Nagar area of village Ghaundli Illaqa
Shahdara Delhi bounded as under :—

South	Service Lane
North	Road
East	House No. D-3/21,
West	House No. D-3/19.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
New Delhi.

Date : 10-9-1980.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,

H-BLOCK, VIKASH BHAVAN, J. P. ESTATE,

NEW DELHI-110002.

New Delhi, the 10th September 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-IV/1-80/1285—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B

of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 6, situated at Chandrawali Kabul Nagar, Illaqa Shahdara Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the of the Registering Officer at New Delhi on January 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Asha Rani W/o Subhash Chand
R/o 067918/1, Kabul Nagar Shahdara Delhi.
(Transferor)
- (2) Smt. Santosh Kumari Jain W/o Ramesh Chand Jain
2367, Chatka Shahji Chawri Bazar, Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A two storeyed house built on a plot of land measuring about 200 sq. yds. bearing plot No. 6 Khra No. 1919/26, Khewat No. 1734, Khatoni No. 1882 situated in Chandrawali Kabul Nagar Illaqa Shahdara Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax,
Acquisition Range-I,
New Delhi.

Date : 10-9-1980,
Seal :

Form IINS—

(1) Smt. Jaswant Saini W/o Jagdish Saini,
R/o Mukerian Distt. Hoshiarpur Punjab.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,

H-BLOCK, VIKASH BHAVAN, I. P. ESTATE,

NEW DELHI-110002.

New Delhi, the 10th September 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/1-80/1761.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. I-18 situated at N. D. S. E. Part II New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at New Delhi on January 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) Shri Raghbir Singh S/o Jodh Singh R/o 674, North Bridge Road Singhapore and Smt Bhakwant Kaur W/o Raghbir Singh L-18, N. D. S. E Part II New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two and a half storeyed house bearing No. L-18, built on plot of land measuring 500 sq. yds. situated in the residential colony known as N. D. S. E Part II New Delhi bounded as under :—

East	Service Road
West	Road
North	Plot No. L/18A
South	Road

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
New Delhi.

Date : 10-9-1980.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,

H-BLOCK, VIKASH BHAVAN, I. P. ESTATE,

New Delhi, the 10th September 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/1-80/1702.—Whereas, I,
R. B. L. AGGARWAL,being the competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearingNo. Agrl. land 18 bigha 4 biswas situated at Village Chhat-
tarpur New Delhi(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi on 11-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the fol-
lowing persons, namely :—

- (1) Shri Prem Kumar Sehgal S/o Late Mehar Chand
Sehgal R/o B-3, Maharani Bagh New Delhi

(Transferor)

- (2) Smt. Renu Narain W/o Amrit Narain Master Tarun
Seth & Master Varun Seth both sons of Anil Seth
C/o 1A, Rajhans 33, Prithvi Raj New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land bearing Khasra No. 727-min, 728, 729
and 730 min measuring 18 bigha 4 biswas in village Chhat-
tarpur New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
New Delhi.

Date : 10-9-1980.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,

H-BLOCK, VIKASH BHAVAN, L. P. ESTATE,

New Delhi, the 10th September 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/1-80/1713.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. XVI/10272 situated at W. E. A. Karol Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 15-1-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Krishna Wanti Wd/o Mehar Chand
6/51 W.E.A. Karol Bagh and & Motla Devi Wd/o Mehar Chand Saraf 6/51, W. E. A. Karol Bagh New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Chuni Lal S/o Ram Chand
(2) Harish Kumar
(3) Surinder Kumar &
(4) Rajinder Pal S/o Chuni Lal
R/o H. No. 4068 Gali No. 36,
Rehgarpara Karol Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two and a half storeyed house No. XVI/10272 situated at W. E. A. Karol Bagh New Delhi built on a lease hold rights land measuring 234.22 sq. yds. bearing plot No. 51 Block No. 6 bounded as under :—

North	Built up house on plot No. 52
South	Built up house on plot No. 50
East	Service Lane
West	Road.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
New Delhi

Date . 10-9-1980.

-11-

FORM ITNS ———

(1) 1 Vali Ebrahim Patel 2. Dawood Mohamed Patel
3 Vali Umerji Bhurawala.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Mrs. Amina Abdulla Musa 2. Mrs. Rashida
Mohamed Abdulla Musa.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY.

Bombay, the 26th September 1980

Ref. No. AR-1/4356-14/Jan '80.—Whereas, I, SUDHAKAR
VARMA

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

No. C S No. 1125 situated at Grant Road
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Bombay on 15-1-1980 Document No. Bom./2101/79

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. Bom/
2101/79 and registered on 15-1-1980 with the Sub-registrar,
Bombay.

SUDHAKAR VARMA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay.

Date . 26-9-80

Seal :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

NOTICE

GEOLOGISTS' EXAMINATION, 1981

New Delhi, the 11th October 1980

No. F.4/2/80-El(B).—A competitive examination for recruitment to the posts mentioned in para 2 below will be held by the Union Public Service Commission at AGARTALA, AHMEDABAD, ALZAWL, ALLAHABAD, BANGALORE, BHOPAL, BOMBAY, CAICUTTA, CHANDIGARH, COCHIN, CUTTACK, DELHI, DISPUR (GAUHATI), HYDERABAD, IMPHAL, ITANAGAR, JAIPUR, JAMMU, JORHAT, KOHIMA, LUCKNOW, MADRAS, NAGPUR, PANAJI (GOA), PATNA, PORT BLAIR, SHILLONG, SIMLA, SRINAGAR and TRIVANDRUM commencing on 24th March, 1981 in accordance with the Rules published by the Ministry of Steel and Mines in the Gazette of India, dated 11th October, 1980.

THE CENTRES AND THE DATE OF COMMENCEMENT OF THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OF PLACES OF EXAMINATION (See Annexure I, para 11).

2. The categories of posts to which recruitment is to be made on the results of this examination and the approximate number of vacancies in the various posts are given below:—

Category I: (Posts in the Geological Survey of India, Ministry of Steel and Mines)

- | | |
|---------------------------------------|--|
| (i) Geologist (Junior),
Group A | 107 (Includes 16 vacancies reserved for Scheduled Castes and 8 vacancies for Scheduled Tribes candidates). |
| (ii) Assistant Geologist,
Group B. | 40 (Includes 6 vacancies reserved for Scheduled Castes and 3 vacancies for Scheduled Tribes candidates). |

Category II: (Posts in the Central Ground Water Board, Ministry of Agriculture).

- | | |
|--------------------------------------|--|
| Assistant Hydrogeologist,
Group B | 8 (Includes 1 vacancy reserved for Scheduled Caste and 1 vacancy for Scheduled Tribes candidates). |
|--------------------------------------|--|

The above numbers are liable to alteration.

Appointments will be made on a temporary basis in the first instance. The candidates will be eligible for permanent appointment in their turn as and when permanent vacancies become available.

3. A candidate may apply for admission to the examination in respect of all or any of the posts mentioned in para 2 above. He will be considered only for the post(s) he applies for. Once an application has been made, no change will ordinarily be allowed.

If a candidate wishes to be admitted for more than one category of posts he need send in only one application. He will be required to pay the fee mentioned in para 6 below

once only and will not be required to pay separate fee for each post for which he applies.

N.B.—Candidates are required to specify clearly in their applications the posts for which they wish to be considered in the order of preference.

4. A candidate seeking admission to the examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, on the prescribed form of application. The prescribed form of application and full particulars of the examination are obtainable from the Commission by post on payment of Rs. 2.00 which should be remitted to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, by Money Order, or by Indian Postal Order payable to the Secretary, Union Public Service Commission, at New Delhi General Post Office. Cheques or currency notes will not be accepted in lieu of Money Orders/Postal Orders. The form can also be obtained on cash payment at the counter in the Commission's Office.

This amount of Rs. 2.00 will in no case be refunded.

NOTE.—CANDIDATES ARE WARNED THAT THEY MUST SUBMIT THEIR APPLICATIONS ON THE PRINTED FORM PRESCRIBED FOR THE GEOLOGISTS' EXAMINATION, 1981. APPLICATIONS ON FORMS OTHER THAN THE ONE PRESCRIBED FOR THE GEOLOGISTS' EXAMINATION, 1981 WILL NOT BE ENTERTAINED.

5. The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011 by post or by personal delivery at the counter on or before the 8th December, 1980 (22nd December, 1980 in the case of candidate residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands, Lakshadweep, Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim and in Ladakh Division of J & K State from a date prior to 8th December, 1980) accompanied by necessary documents. *No application received after the prescribed date will be considered.*

A candidate residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands, Lakshadweep, Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim and in Ladakh Division of J & K State may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands, Lakshadweep, Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim and in Ladakh Division of J & K State from a date prior to 8th December, 1980.

6. Candidates seeking admission to the examination must pay to the Commission with the completed application form, a fee of Rs. 48.00 (Rs. 12.00 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and Scheduled Tribes) through crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission, at the New Delhi General Post Office or Crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission, at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi.

Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commission, Ambassador or Representative abroad, as the case may be, for credit to account head "051-Public Service Commission—Examination fees" and attach the receipt with the application.

APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THE ABOVE REQUIREMENT WILL BE SUMMARILY REJECTED. THIS DOES NOT APPLY TO THE CANDIDATES WHO ARE SEEKING REMISSION OF THE PRESCRIBED FEE, UNDER PARAGRAPH 7 BELOW.

7. The Commission may at their discretion remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971, or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963, or is a *bona fide* repatriate of India, origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964, or is a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964, and is not in a position to pay the prescribed fee.

8. A refund of Rs. 30.00 (Rs. 8.00 in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes), will be made to a candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission. If, however, the application of a candidate seeking admission to the examination in terms of Note 1 below Rule 7 is rejected on receipt of information that he has failed in the qualifying examination or will otherwise be unable to comply with the requirements of the provisions of the aforesaid Note, he will not be entitled to a refund of fee.

No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained, except as provided above, nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection.

9. If any candidate who took the Geologists' Examination held in 1980 wishes to apply for admission to this examination he must submit his application so as to reach the Commission's office by the prescribed date without waiting for the results of an offer of appointment. If he is recommended for appointment on the results of the 1980 examination his candidature for the 1981 examination will be cancelled on request and the fee refunded to him, as in the case of a candidate not admitted to the examination *vide* para 8 above provided that the request for cancellation of candidature and refund of fee is received in the Commission's office within a month from the date of announcement of final results of the 1980 Examination.

10. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERTAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.

11. The question papers in all the subjects as indicated in the scheme of examination at Appendix I to the Rules will consist of objective type questions. For details pertaining to objective type Tests including sample questions, reference may be made to "Candidates' Information Manual" at Annexure II.

VINAY JHA, Dy. Secy.
Union Public Service Commission

ANNEXURE-I

INSTRUCTION TO CANDIDATES

1. Before filling in the application form the candidates should consult the Notice and Rules carefully to see if they are eligible. The conditions prescribed cannot be relaxed.

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATE MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH 1 OF THE NOTICE, THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION. ORDINARILY NO REQUEST FOR A CHANGE IN THE PLACE SELECTED WILL BE ENTERTAINED.

2. The application form and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting. An application which is incomplete or is wrongly filled in is liable to be rejected.

All candidates, whether already in Government service or in Government owned industrial undertakings or other similar organisations or in private employment, should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application, even if submitted to the employer before the closing date, will not be considered.

Persons already in Government Service whether in a permanent or temporary capacity or as work-charged employees other than casual or daily-rated employees are, however, required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office/Department that they have applied for the examination.

3. A candidate must send the following documents with his application :—

- (i) CROSSED Indian Postal Orders or Bank Draft for the prescribed fee or attested/certified copy of certificate in support of claim for fee remission. (See paras 6 & 7 of the Notice and para 6 below).
- (ii) Attested/certified copy of Certificate of Age.
- (iii) Attested/certified copy of Certificate of Educational qualification.
- (iv) Two identical copies of recent passport size (5 cm. x 7 cm. approx.) photograph of the candidate, one of which should be pasted on the first page of the application form and the second copy on the Attendance Sheet in the space provided therein.
- (v) Attendance Sheet (attached with the application form) duly filled in.
- (vi) Two self-addressed unstamped envelopes of approximately 11.5 cms. x 27.5 cms.
- (vii) Attested/certified copy of certificate in support of claim to belong to Scheduled Caste/Scheduled Tribe where applicable (See para 4 below).
- (viii) Attested/certified copy of certificate in support of claim for age concession where applicable (See para 5 below).

NOTE.—CANDIDATES ARE REQUIRED TO SUBMIT ALONG WITH THEIR APPLICATIONS ONLY COPIES OF CERTIFICATES MENTIONED IN ITFMS (ii), (iii), (vii) AND (viii) ABOVE ATTESTED BY A GAZETTED OFFICER OF THE GOVERNMENT OR CERTIFIED BY CANDIDATES THEMSELVES AS CORRECT. CANDIDATES WHO QUALIFY FOR INTERVIEW FOR THE PERSONALITY TEST ON THE RESULTS OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION WILL BE REQUIRED TO SUBMIT THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES MENTIONED ABOVE. THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION ARE LIKELY TO BE DECLARED IN THE MONTH OF JUNE, 1981. THEY SHOULD KEEP THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES IN READINESS FOR SUBMISSION AT THE TIME OF INTERVIEW. THE CANDIDATURE OF CANDIDATES WHO FAIL TO SUBMIT THE REQUIRED CERTIFICATES IN ORIGINAL AT THAT TIME, WILL BE CANCELLED AND THEY WILL HAVE NO CLAIM FOR FURTHER CONSIDERATION.

Details of the documents mentioned in items (i) to (iv) are given below and of those in items (vii) and (viii) are given in paras 4 and 5 :—

(i) (a) *CROSSED Indian Postal Orders for the prescribed fee—*

Each Postal Order should invariably be crossed and completed as follows—

“Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.”

In no case will Postal Orders payable at any other Post Office be accepted. Defaced or mutilated Postal Orders will also not be accepted.

All Postal Orders should bear the signature of the issuing Post Master and a clear stamp of the issuing Post Office.

Candidates must note that it is not safe to send Postal Orders which are neither crossed nor made payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.

(b) *CROSSED BANK draft for the prescribed fee.*

Bank Draft should be obtained from any branch of the State Bank of India and drawn in favour of Secretary, Union Public Service Commission payable at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi, and should be duly crossed.

In no case will Bank Drafts drawn on any other Bank be accepted. Defaced or mutilated Bank drafts will also not be accepted.

(i) *Certificate of Age.*—The date of birth ordinarily accepted by the Commission is that entered in the Matriculation Certificate or in the Secondary School Leaving Certificate, or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which extract must be certified by the proper authority of the University. A candidate who has passed the Higher Secondary Examination or an equivalent examination may submit an attested/certified copy of the Higher Secondary Examination Certificate or an equivalent Certificate.

The expression Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate in this part of the instructions includes the alternative certificates mentioned above.

Sometimes the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate does not show the date of birth, or only shows the age by completed years or completed years and months. In such cases a candidate must send in addition to the attested/certified copy of the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate, an attested/certified copy of a certificate from the Headmaster/Principal of the Institution from where he passed the Matriculation/Higher Secondary Examination showing the date of his birth or his exact age, as recorded in the Admission Register of the Institution.

Candidates are warned that unless complete proof of age as laid down in these instructions is sent with an application, the application may be rejected. Further, they are warned

that if the date of birth stated in the application is inconsistent with that shown in the Matriculation Certificate/Higher Secondary Examination Certificate and no explanation is offered, the application may be rejected.

NOTE 1.—A candidate who holds a completed Secondary School Leaving Certificate need submit an attested/certified copy of only the page containing entries relating to age.

NOTE 2.—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ACCEPTED BY THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION, NO CHANGE WILL ORDINARILY BE ALLOWED AT A SUBSEQUENT EXAMINATION.

(iii) *Certificate of Educational Qualification.*—A candidate must submit an attested/certified copy of a certificate showing that he has one of the qualifications prescribed in Rule 7. The Certificate submit must be one issued by the authority (i.e., University or other examining body) awarding the particular qualification. If an attested/certified copy of such certificate is not submitted, the candidate must explain its absence and submit such other evidence as he can to support his claim to the requisite qualification. The Commission will consider this evidence on its merits but do not bind themselves to accept it as sufficient.

NOTE.—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him eligible to appear at this examination, but has not been informed of the result, may apply for admission to the examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply. Such candidates will be admitted to the examination, if otherwise eligible, but their admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation if they do not produce proof of having passed the examination, as soon as possible, and in any case not later than 31st July, 1981.

(iv) *Two copies of Photograph.*—A candidate must submit two identical copies of his recent passport size (5 cm. × 7 cm. approximately) photograph, one of which should be pasted on the first page of the application form and the other copy on the Attendance Sheet in the space provided therein. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate.

N.B.—Candidates are warned that if an application is not accompanied by any one of the documents mentioned under paragraphs 3(ii), 3(iii) and 3(iv) above, without a reasonable explanation for its absence having been given, the application is liable to be rejected and no appeal against its rejection will be entertained.

4. A candidate who claims to belong to one of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes should submit in support of his claim an attested/certified copy of a certificate, in the form given below from the District Officer or the Sub-Divisional Officer or any other Officer, as indicated below of the district in which his parents (or surviving parent) ordinarily reside, who has been designated by the State Government concerned as competent to issue such a certificate; if both his parents are dead, the officer signing the certificate should be of the district in which the candidate himself ordinarily resides otherwise than for the purpose of his own education

Form of the certificate to be produced by Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates applying for appointment to posts under the Government of India

This is to certify that Shri/Shrimati/Kumari*. son/daughter* of of village/town* in District/Division* of the State/Union

Territory* of belongs to the
 Caste/Tribe* which is recognised as a Schedule Caste/
 Scheduled Tribe* under the Constitution (Scheduled Castes)
 Order, 1950*, the Constitution (Scheduled Tribes) Order,
 1950*, the Constitution (Scheduled Castes) (Union Terri-
 tories) Order, 1951*, the Constitution (Scheduled Tribes)
 (Union Territories) Order, 1951* as amended by the Schedu-
 led Castes and Scheduled Tribes Lists (Modification) Order
 1956; the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Re-
 organisation Act, 1966 the State of Himachal Pradesh Act,
 1970 the North Eastern Areas (Reorganisation) Act 1971,
 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders
 (Amendment) Act, 1976.

the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes
 Order 1956*.

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled
 Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and
 Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976*.

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes
 Order, 1962*.

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes
 Order, 1962*.

the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order,
 1964*.

the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order,
 1967*.

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes
 Order, 1968*.

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes
 Order, 1968*

the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970*

2. Shri/Shrimati/Kumari*
 and*/or his/her* family ordinarily reside(s) in village*/
 town of District*/
 Division of the State*/Union Territory of

Signature.....

**Designation.....

(with seal of office)

Place..... State*/Union Territory

Date.....

*Please delete the words which are not applicable.

NOTE.—The term "ordinarily reside(s)" used here will
 have the same meaning as in Section 20 of the
 Representation of the People Act, 1950.

**Officers competent to issue Caste/Tribe certificate;

(i) District Magistrate/Additional District Magistrate
 Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Com-
 missioner/Deputy Collector/1st Class Stipendiary Magistrate/
 City Magistrate/†Sub-Divisional Magistrate/Taluka Magis-
 trate/Executive Magistrate/Extra Assistant Commissioner.

†(Not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate).

(ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presi-
 dency Magistrate/Presidency Magistrate.

(iii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar.

(iv) Sub-Divisional Officer of the area where the candi-
 date and/or his family normally resides.

(v) Administrator/Secretary to Administrator/Develop-
 ment Officer, Lakshadweep.

5.(i) Persons employed in the Geological Survey of
 India and Central Ground Water Board claiming age
 concession under Rule 6(b) should submit a certificate,
 in original, from Head of their Office/Department in the
 following form :—

Form of certificate to be produced by candidates

"Certified that Shri/Shrimati/Kumari* holds a
 permanent/temporary* post of in the
 Geological Survey of India/Central Ground Water Board*
 w.e.f.....

Signature.....

Designation.....

Ministry/Office.....

Office stamp.....

*Strike out whichever is not applicable.

(ii) A displaced person from erstwhile East Pakistan
 (now Bangla Desh) claiming age concession under Rule 6(c)
 (ii) or 6(c)(iii) and/or remission of fee under paragraph 7
 of the Notice should produce an attested/certified copy of a
 certificate from one of the following authorities to show that
 he is a *bona fide* displaced person from erstwhile East
 Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India
 during the period between 1st January, 1964, and 25th
 March, 1971 :—

(1) Camp Commandant of the Transit Centres of the
 Dandakaranya Project or of Relief Camps in
 various States;

(2) District Magistrate of the Area in which he may,
 for the time being, be resident;

(3) Additional District Magistrate in charge of Refugee
 Rehabilitation in their respective districts;

(4) Sub-Divisional Officer within the Sub-Division in
 his charge;

(5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West
 Bengal/Director (Rehabilitation), in Calcutta.

(iii) A repatriate or a prospective repatriate of Indian
 origin from Sri Lanka claiming age concession under Rule
 6(c)(iv) or 6(c)(v) and/or remission of fee under para-
 graph 7 of the Notice should produce an attested/certified
 copy of a certificate from the High Commission for India
 in Sri Lanka to show that he is an Indian citizen who has
 migrated to India on or after 1st November 1964, or is to
 migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of Octo-
 ber, 1964.

(iv) A repatriate of Indian origin from Burma claiming age concession under Rule 6(c)(vii) or 6(c)(viii) and/or remission of fee under paragraph 7 of the notice should produce an attested/certified copy of the identity certificate issued to him by the Embassy of India, Rangoon, to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st June, 1963, or a copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may be resident to show that he is a *bona fide* repatriate from Burma and has migrated to India on or after 1st June 1963.

(v) A candidate who has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania or who is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia, claiming age concession under Rule 6(c)(vi) should produce an attested/certified copy of a certificate, from the District Magistrate of the area in which he may, for the time being be resident to show that he is a *bona fide* migrant from the countries mentioned above.

(vi) A candidate disabled while in the Defence Services, claiming age concession under Rule 6(c)(ix) or 6(c)(x) should produce an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below from the Director General, Resettlement, Ministry of Defence, to show that he was disabled while in the Defence Services in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof.

The form of certificate to be produced by the candidate.

Certified that Rank No.
Shri of Unit was disabled while in the Defence Services, in operations during hostilities with a foreign country/in a disturbed area* and was released as a result of such disability.

Signature.....

Designation.....

Date.....

*Strike out whichever is not applicable.

(vii) A candidate disabled while in the Border Security Force claiming age concession under Rule 6(c)(xi) or 6(c)(xii) should produce an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below from the Director General, Border Security Force, Ministry of Home Affairs, to show that he was disabled while in the Border Security Force in operations, during Indo-Pak hostilities of 1971 and was released as a consequence thereof.

Form of certificate to be produced by the candidate.

Certified that Rank No. Shri of Unit was disabled while in the Border Security Force in operations during Indo-Pak hostilities of 1971 and was released as a result of such disability.

Signature.....

Designation.....

Date.....

(viii) A repatriate of Indian origin who has migrated from Vietnam claiming age concession under Rule 6(c)(xiii) should produce an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may for the time being be resident to show that he is a *bona fide* repatriate from Vietnam and has migrated to India from Vietnam not earlier than July, 1975.

6. A candidate belonging to any of the categories, referred to in para 5(ii), 5(iii) and 5(iv) above and seeking remission of the fee under paragraph 7 of the Notice should also produce an attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

7. A person in whose case a certificate of eligibility is required may be admitted to the examination but the offer of appointment shall be given only after the necessary eligibility certificate is issued to him by the Government of India, Ministry of Steel and Mines (Department of Mines) or the Ministry of Agriculture (Department of Agriculture & Co-operation), as the case may be.

8. Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form.

Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its copy submitted by them nor should they submit a tempered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or its copies, an explanation regarding the discrepancy may be submitted.

9. The fact that an application form has been supplied on a certain date will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not *ipso facto* make the receiver eligible for admission to the examination.

10. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date for receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

11. Every candidate for this examination will be informed at the earliest possible date of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result will be communicated. But if a candidate does not receive from the Union Public Service Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.

12. With the introduction of objective type questions for all the papers included in the scheme of this examination with effect from the Geologists' Examination, 1978, the printing of pamphlets containing rules and question papers for this examination has been discontinued. However, copies of pamphlets containing rules and question papers of preceding examination upto Geologists' Examination held in 1977 are on sale with the Controller of Publications, Civil Lines, Delhi-110054 and may be obtained from him direct by mail orders or on cash payment. These can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahal opposite Rivoli Cinema, Emporia Building, 'C' Block, Baba Kharag Singh Marg, New Delhi-110001, (ii) Sale counter of the Publications Branch at Udyog Bhavan, New Delhi-110001, and (iii) the Government of India Book Depot, 8 K. S. Roy Road, Calcutta-700001. The pamphlets are also obtainable from the agents for the Government of India Publications at various mofussil towns.

13. *Communications regarding application.*—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, SHAHJAHAN ROAD, NEW DELHI-110011 AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS :—

- (1) NAME OF EXAMINATION.
- (2) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
- (3) ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE, IF THE ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
- (4) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
- (5) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

N.B. (i).—COMMUNICATIONS NOT GIVING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.

N.B. (ii).—IF A LETTER/COMMUNICATION IS RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER AN EXAMINATION HAS BEEN HELD AND IT DOES NOT GIVE HIS FULL NAME AND ROLL NUMBER, IT WILL BE IGNORED AND NO ACTION WILL BE TAKEN THEREON.

14. *Change in address*—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE REDIRECTED, IF NECESSARY, CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 13 ABOVE ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES, THEY CAN NOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.

ANNEXURE--II

CANDIDATES INFORMATION MANUAL

A. OBJECTIVE TEST

Your examination will be what is called an 'OBJECTIVE TEST'. In this kind of examination (test) you do not write detailed answers. For each question (hereinafter referred to as item) several possible answers (hereinafter referred as responses are given. You have to choose one response to each item.

This Manual is intended to give you some information about the examination so that you do not suffer due to unfamiliarity with the type of examination.

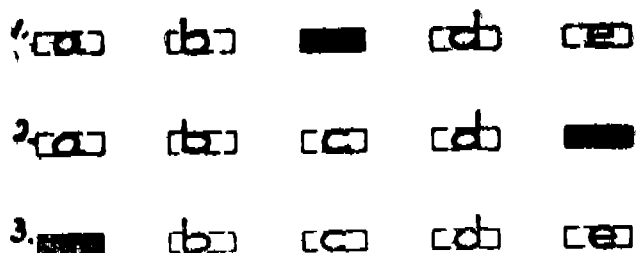
B. NATURE OF THE TEST

The question paper will be in the form of a TEST BOOKLET. The booklet will contain items bearing numbers 1, 2, 3... etc. Under each item will be given suggested responses marked a, b, c, . . . etc. Your task will be to choose the correct or if you think there are more than one correct, then the best response. (See "sample items" at the end). In any case, in each item you have to select only one response; if you select more than one, your answer will be considered wrong.

C. METHOD OF ANSWERING

A separate ANSWER SHEET will be provided to you in the examination hall. You have to mark your answer on the answer sheet. Answer marked on the Test Booklets or in any paper other than the answer sheet will not be examined.

In the answer sheet, number of the items from 1 to 200 have been printed in four 'Parts'. Against each item, responses, a, b, c, d, e, are printed. After you have read each item in the Test Booklet and decided which of the given response is correct or the best, you have to mark the rectangle containing the letter of the selected response by the blackening it completely with pencil as shown below (to indicate your response). Ink should not be used in blackening the rectangles on the answer sheet



IT IS IMPORTANT THAT—

1. You should bring and use only good quality HB pencil(s) for answering the items.
2. If you have made a wrong mark, erase it completely and re-mark the correct response. For this purpose, you must bring along with you an eraser also.
3. Do not handle your answer sheet in such a manner as to mutilate or fold or wrinkle or spoil it.

D. SOME IMPORTANT REGULATIONS

1. You are required to enter the examination hall twenty minutes before the prescribed time for commencement of the examination and get seated immediately.
2. Nobody will be admitted to the test 30 minutes after the commencement of the test.
3. No candidate will be allowed to leave the examination hall until 45 minutes have elapsed after the commencement of the examination.
4. After finishing the examination, submit the Test Booklet and the answer sheet to the Invigilator/Supervisor. YOU ARE NOT PERMITTED TO TAKE THE TEST BOOKLET OUT OF THE EXAMINATION HALL. YOU WILL BE SEVERELY PENALISED IF YOU VIOLATE THIS RULE.
5. Write clearly in ink the name of the examination/test, your Roll No., Centre, subject, date and serial number of the Test Booklet at the appropriate space provided in the answer sheet. You are not allowed to write your name anywhere in the answer sheet.
6. You are required to read carefully all instructions given in the Test Booklet. You may lose marks if you do not follow the instructions meticulously. If any entry in the answer sheet is ambiguous then you will get no credit for that item response. Follow the instructions given by the Supervisor. When the Supervisor asks you to start or stop a test or part of a test, you must follow his instructions immediately.
7. Bring your Admission Certificate with you. You should also bring a HB pencil, an eraser a pencil sharpener, and a pen containing blue or black ink.

You are advised also to bring with you a clip-board or a hard-board or a card-board on which nothing should be written. You are not allowed to bring any scrap (rough) paper, or scales or drawing instrument into the examination hall as they are not needed. Separate sheets for rough work will be provided to you on demand. You should write the name of the examination, your Roll No. and the date of the test on it before doing your rough work and return it to the supervisor along with your answer sheet at the end of the test.

E. SPECIAL INSTRUCTIONS

After you have taken your seat in the hall, the invigilator will give you the answer sheet. Fill up the required information on the answer sheet with your pen. After you have done this, the invigilator will give you the Test Booklet, on receipt of which you must ensure that it contains the booklet number, otherwise get it changed. After you have done this, you should write the serial number of your Test Booklet on the relevant column of the Answer Sheet.

You are not allowed to open the Test Booklet until you are asked by the Supervisor.

F. SOME USEFUL HINTS

Although the test stresses accuracy more than speed, it is important for you to use your time as efficiently as possible. Work steadily and as rapidly as you can, without becoming careless. Do not worry if you cannot answer all the questions. Do not waste time on questions which are too difficult for you. Go on to the other questions and come back to the difficult ones later.

All questions carry equal marks. Answer all the questions. Your score will depend only on the number of correct responses indicated by you. There will be no negative marking.

G. CONCLUSION OF TEST

Stop writing as soon as the Supervisor asks you to stop. Remain in your seat and wait till the invigilator collects all the necessary material from you and permits you to leave the Hall. You are NOT allowed to take the Test Booklet, the answer sheet and the sheet for rough work out of the examination Hall.

SAMPLE ITEMS (QUESTIONS)

1. Which one of the following causes is NOT responsible for the down fall of the Mauryan dynasty ?
 - (a) the successors of Ashoka were all weak.
 - (b) there was partition of the Empire after Asoka.
 - (c) the northern frontier was not guarded effectively.
 - (d) there was economic bankruptcy during post-Asokan-era.
2. In a parliamentary form of Government
 - (a) the Legislature is responsible to the Judiciary.
 - (b) the Legislature is responsible to the Executive.
 - (c) the Executive is responsible to the Legislature.
 - (d) the Judiciary is responsible to the Legislature.
 - (e) the Executive is responsible to the Judiciary.
3. The main purpose of extra-curricular activities for pupils in a school is to
 - (a) facilitate development.
 - (b) prevent disciplinary problems.
 - (c) provide relief from the usual class room work.
 - (d) allow choice in the educational programme.
4. The nearest planet to the Sun is
 - (a) Venus
 - (b) Mars
 - (c) Jupiter
 - (d) Mercury
5. Which of the following statements explains the relationship between forests and floods ?
 - (a) the more the vegetation, the more is the soil erosion that causes floods.
 - (b) the less the vegetation, the less is the silting of rivers that causes floods.
 - (c) the more the vegetation, the less is the silting of rivers that prevents floods.
 - (d) the less the vegetation, the less quickly does the snow melt that prevents floods.